किसी भी तरह के विज्ञापन एवं समाचार के लिए संपर्क करें मो0: 9891706853

दैनिक समाज जागरण

राष्ट्रीय संस्करण

RNI: UPHIN/2021/84200

नोएडा उत्तर प्रदेश,दिल्ली एनसीआर, हरियाणा,पंजाब बिहार,मध्य प्रदेश, छतीसगढ, झारखण्ड असम से प्रसारित

वर्ष: 4 अंक: 329 नोएडा, (गौतमबुद्धनगर) सोमवार 07 सितम्बर 2026 http://samajjagran.in पृष्ट - 12 मूल्य 05 रुपया

अमेरिकी युद्धपोतों पर ईरानी हमले के दावे से बढ़ा तनाव

तेहरान/वाशिंगटन। ईरान और अमेरिका के बीच तनाव एक बार फिर बढ़ता दिखाई दे रहा है। ईरानी पक्ष की ओर से अमेरिकी सैन्य और वाणिज्यिक जहाजों को निशाना बनाए जाने के दावे किए गए हैं। हमले में कासिम बसीर एंटी-शिप हाइपरसोनिक मिसाइल के इस्तेमाल की बात कही जा रही है। हालांकि, अमेरिकी युद्धपोतों को हुए किसी बड़े नुकसान की स्वतंत्र पुष्टि अभी सामने नहीं आई है।

दावों के मुताबिक, ईरान ने अमेरिकी कार्रवाई के जवाब में अपनी मिसाइल क्षमता का इस्तेमाल किया। रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण स्ट्रेट ऑफ होर्मुज और ओमान की खाड़ी में अमेरिकी नौसैनिक मौजूदगी के बीच यह घटनाक्रम सामने आया है। क्षेत्र में अमेरिकी नौसेना के युद्धपोतों की तैनाती के कारण किसी भी मिसाइल हमले के दावे को बेहद गंभीर माना जा रहा है। ईरानी रिवॉल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) की मिसाइल क्षमता लंबे समय से अमेरिका के लिए चिंता का विषय रही है।

निजी भागीदारी से मजबूत हो रहा स्पेस इकोसिस्टम, 450 से अधिक स्टार्टअप सक्रिय; 45 अरब डॉलर तक पहुंच सकती है अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था

भारत की अंतरिक्ष उड़ान को नई रफ्तार, 2030 तक हर साल 50 लॉन्च का लक्ष्य

समाज जागरण

नई दिल्ली। भारत ने अंतरिक्ष क्षेत्र में अपनी महत्वाकांक्षी छलांग की तैयारी तेज कर दी है। भारतीय राष्ट्रीय अंतरिक्ष संवर्धन एवं प्राधिकरण केंद्र (इन-स्पेस) के चेयरमैन पवन के. गोयनका ने कहा है कि भारत ने वर्ष 2030 तक हर साल 50 अंतरिक्ष प्रक्षेपण करने का लक्ष्य निर्धारित किया है। उन्होंने कहा कि निजी क्षेत्र की बढ़ती भागीदारी और इसरो की तकनीकी क्षमता के बीच तालमेल भारत को वैश्विक अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था में एक मजबूत शक्ति के रूप में स्थापित कर सकता है।

> *"भारत में निर्माण करो, भारत से लॉन्च करो और भारत से पूरी दुनिया को सेवाएं प्रदान करो।"*
> **— पवन के. गोयनका, चेयरमैन, इन-स्पेस**

गोयनका ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर साझा किए अपने विचारों में कहा कि करीब पांच वर्ष पहले भारत ने अंतरिक्ष क्षेत्र को निजी कंपनियों के लिए खोलने का ऐतिहासिक फैसला किया था। इसका उद्देश्य एक ओर भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) को नई और अत्याधुनिक तकनीकों पर ध्यान केंद्रित करने का अवसर देना था, वहीं दूसरी ओर निजी उद्योगों को अंतरिक्ष क्षेत्र में बड़े पैमाने पर विस्तार का रास्ता उपलब्ध कराना था। उनके

अनुसार दोनों ही मोर्चों पर उल्लेखनीय प्रगति हुई है।

450 से अधिक स्टार्टअप, निजी क्षेत्र की बढ़ी ताकत

भारत में अंतरिक्ष क्षेत्र से जुड़े स्टार्टअप की संख्या पिछले कुछ वर्षों में तेजी से बढ़ी है। गोयनका के अनुसार, जहां पांच वर्ष पहले इनकी संख्या बेहद सीमित थी, वहीं अब यह आंकड़ा 450 से अधिक हो चुका है। निजी कंपनियां अब केवल प्रयोग और प्रोटोटाइप तक सीमित नहीं हैं, बल्कि रॉकेट प्रक्षेपण, उपग्रह निर्माण, पृथ्वी अवलोकन और अंतरिक्ष आधारित सेवाओं जैसे जटिल क्षेत्रों में भी अपनी क्षमता साबित कर रही हैं।

भारतीय निजी क्षेत्र की कंपनी द्वारा रॉकेट को सफलतापूर्वक कक्षा में पहुंचाया जाना इस बदलाव का महत्वपूर्ण संकेत माना जा रहा है। इससे स्पष्ट है कि देश का निजी अंतरिक्ष उद्योग अब शुरूआती प्रयोगों से आगे बढ़कर व्यावसायिक स्तर की क्षमताएं विकसित कर रहा है।

लक्ष्य बड़ा, चुनौती भी बड़ी

गोयनका ने कहा कि अब भारत के सामने सबसे बड़ी चुनौती अंतरिक्ष क्षेत्र में बड़े पैमाने पर उत्पादन और प्रक्षेपण क्षमता तैयार करने की है। सालाना 50 लॉन्च के लक्ष्य को हासिल करने के लिए अधिक रॉकेट, अधिक उपग्रह और अत्याधुनिक अंतरिक्ष तकनीकों का बड़े स्तर पर निर्माण करना होगा। इसके लिए सरकार और निजी उद्योगों को मिलकर काम करना होगा।

सरकारी आंकड़ों के मुताबिक वर्ष 2014 में देश में अंतरिक्ष क्षेत्र से जुड़ा केवल एक स्टार्टअप था, जबकि अगस्त 2026 तक इनकी संख्या करीब 440 से अधिक पहुंच चुकी है। यह बदलाव भारत के तेजी से विकसित हो रहे निजी स्पेस इकोसिस्टम को दशार्ता है।

ब्रिक्स से पहले सजी नई दिल्ली, दुनिया के स्वागत को तैयार राजधानी

17 गोलचक्करों से लेकर 11 होटलों तक विशेष रोशनी, 15 हजार से अधिक फूलों के गमलों से बदलेगा राजधानी का रूप

नई दिल्ली। 12-13 सितंबर को भारत मंडपम में होने वाले ब्रिक्स शिखर सम्मेलन से पहले नई दिल्ली को अंतरराष्ट्रीय मेहमानों के स्वागत के लिए सजाया जा रहा है। एनडीएमसी ने प्रमुख सड़कों, गोलचक्करों, होटल क्षेत्रों और वीआईपी मार्गों पर स्वच्छता, सौंदर्यीकरण, रोशनी और यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने का काम तेज कर दिया है।

> ***"नई दिल्ली, दुनिया का स्वागत करने के लिए तैयार।"***
> **— एनडीएमसी**

17 प्रमुख गोलचक्करों, 11 होटलों और 10 एनडीएमसी भवनों पर सजावटी रोशनी के साथ 15 हजार से अधिक फूलों के गमले लगाए जा रहे हैं। पांच प्रमुख मार्गों पर धूल और प्रदूषण नियंत्रित करने के लिए विशेष धुंध का छिड़काव भी होगा।

विस्तृत खबर पेज-3 पर

ज्वालामुखी की राख से थमीं उड़ानें, जकार्ता एयरपोर्ट पर मची अफरा-तफरी

अनाक क्राकाटाउ के विस्फोट से अंतरराष्ट्रीय और घरेलू उड़ानें प्रभावित, 20 से अधिक उड़ानों पर असर; सिनाबुंग में भी उठा 3.5 किमी ऊंचा राख का गुबार

समाज जागरण

जकार्ता। इंडोनेशिया में ज्वालामुखी विस्फोट ने हवाई यातायात को प्रभावित कर दिया है। जकार्ता के पास स्थित सोएकार्नो-हट्टा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे को रविवार तड़के कुछ समय के लिए बंद करना पड़ा। माउंट अनाक क्राकाटाउ से निकली ज्वालामुखीय राख हवाई अड्डे के आसपास के क्षेत्र में पहुंचने के बाद विमान संचालन प्रभावित हुआ और दर्जनों उड़ानों

को रद्द, विलंबित या पुनर्निर्धारित करना पड़ा।

इंडोनेशिया के परिवहन मंत्रालय के नागरिक उड्डयन महानिदेशक लुकमैन एफ. लैसा ने बताया कि राख के कारण अंतरराष्ट्रीय और घरेलू दोनों उड़ानों पर असर पड़ा। 16 अंतरराष्ट्रीय उड़ानें रद्द, सात में देरी और पांच को नए समय पर निर्धारित किया गया। प्रभावित अंतरराष्ट्रीय मार्गों में सिंगापुर, हांगकांग, सिडनी, सियोल, दोहा, एम्स्टर्डम और कुआलालंपुर शामिल हैं। घरेलू उड़ानों में भी चार उड़ानें रद्द करनी पड़ीं, जबकि एक उड़ान का मार्ग बदलना पड़ा। इससे लैम्पुंग, डेनपासार और सुराबाया जैसे प्रमुख मार्ग प्रभावित हुए।

2017 का फॉर्मूला फिर चर्चा में, कांग्रेस ने मांगी 115-120 सीटें

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2027 को लेकर समाजवादी पार्टी और कांग्रेस के बीच गठबंधन की तस्वीर भले ही साफ दिखाई दे रही हो, लेकिन सीटों के बंटवारे को लेकर अभी पेंच फंसा हुआ है। कांग्रेस ने शुरूआती बातचीत में 115 से 120 सीटों पर दावा करने की तैयारी की है। पार्टी इ सके लिए 2017 के विधानसभा चुनाव में हुए सपा-कांग्रेस गठबंधन को भी आधार बना रही है।

पुतिन और अमेरिकी प्रतिनिधियों की अहम बैठक, यूक्रेन संकट के समाधान पर मंथन

समाज जागरण

मॉस्को। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने अमेरिकी दूत स्टीव विटकोफ और जेरेड कुशनर के साथ मॉस्को में करीब 3 घंटे 10 मिनट तक बातचीत की। क्रेमलिन के सलाहकार यूरी उशाकोव ने बैठक को गहन, रचनात्मक और खुला बताया।

बैठक में यूक्रेन संघर्ष की मौजूदा स्थिति, युद्ध क्षेत्र में रूसी सेना की प्रगति और संघर्ष के मूल कारणों को खत्म करने की आवश्यकता पर चर्चा हुई। रूस ने यूक्रेन मुद्दे का राजनीतिक और कूटनीतिक समाधान तलाशने के लिए अमेरिका के साथ बातचीत जारी रखने की इच्छा जताई।

दोनों पक्षों ने रूस-अमेरिका आर्थिक संबंधों और संभावित साझा परियोजनाओं पर भी विचार किया। अमेरिकी प्रतिनिधियों ने भरोसा दिया कि वे कीव में

होने वाली बैठकों के दौरान पुतिन के विचारों और संदेश को यूक्रेनी पक्ष तक पहुंचाएंगे।

इससे पहले क्रेमलिन ने बताया था कि अमेरिकी दूतों से बातचीत की तैयारियों के बीच पुतिन ने कीव पर हमले तीन दिनों के लिए रोकने का आदेश दिया है। अब निगाह अमेरिकी प्रतिनिधियों की कीव यात्रा और आगे की कूटनीतिक पहल पर है।

(इनपुट-आईएएनएस)

मुख्यमंत्री को पत्र भेजकर विशेष लोक अदालत अथवा एकमुश्त समाधान व्यवस्था लागू करने की मांग

20-25 साल पुराने सेल्स टैक्स मामलों से व्यापारियों को मिले राहत : निखिल अग्रवाल

समाज जागरण

लखनऊ। उत्तर प्रदेश युवा व्यापार मंडल ने जीएसटी लागू होने से पहले के लंबित सेल्स टैक्स मामलों के निस्तारण के लिए विशेष लोक अदालत आयोजित करने की मांग की है। संगठन के प्रदेश उपाध्यक्ष निखिल अग्रवाल ने मुख्यमंत्री को पत्र भेजकर 20 से 25 वर्ष पुराने मामलों और नोटिसों से व्यापारियों को राहत देने की मांग उठाई है।

निखिल अग्रवाल ने पत्र में कहा कि प्रदेश के अनेक व्यापारियों को दशकों पुराने सेल्स टैक्स मामलों के नोटिस मिल रहे हैं। कई मामलों में मूल कर या डिमांड की राशि काफी कम थी, लेकिन वर्षों से बढ़ते ब्याज और अन्य देनदारियों के कारण अब यह राशि कई गुना बढ़ गई है। पुराने मामलों में बिल, रिकॉर्ड और अन्य दस्तावेज उपलब्ध कराना भी व्यापारियों के लिए बड़ी चुनौती बन गया है।

उन्होंने कहा कि व्यापार मंडल कर

व्यवस्था और सरकारी राजस्व का सम्मान करता है, लेकिन दशकों पुराने मामलों का सरल, पारदर्शी और समयबद्ध समाधान जरूरी है।

एकमुश्त भुगतान पर मामला खत्म करने की मांग

मुख्यमंत्री से मांग की गई है कि जीएसटी लागू होने से पूर्व के सभी लंबित सेल्स टैक्स मामलों के लिए विशेष लोक अदालत या एकमुश्त समाधान व्यवस्था लागू की जाए। इसमें वास्तविक मूल देयता निर्धारित कर व्यापारियों को एक निश्चित राशि एकमुश्त जमा करने का अवसर दिया जाए और वर्षों से बढ़े ब्याज तथा अन्य अतिरिक्त देनदारियों में उचित राहत प्रदान की जाए।

पत्र में यह भी मांग की गई है कि निर्धारित राशि का भुगतान करने वाले व्यापारियों के मामलों को पूर्ण एवं अंतिम रूप से समाप्त किया जाए। विशेष रूप से 20-25 वर्ष पुराने मामलों को प्राथमिकता के आधार पर निस्तारित करने तथा जिन मामलों में विभाग या व्यापारी के रिकॉर्ड उपलब्ध नहीं हैं, उनमें अनावश्यक उत्पीड़न से राहत देने की मांग की गई है।

व्यापारियों को मिलेगी बड़ी राहत

निखिल अग्रवाल ने कहा कि उत्तर प्रदेश के लाखों व्यापारी प्रदेश की अर्थव्यवस्था और रोजगार व्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं। यदि जीएसटी से पहले के पुराने मामलों का एकमुश्त और न्यायसंगत समाधान कर दिया जाता है तो व्यापारियों को बड़ी राहत मिलेगी और विभाग के लंबित मामलों का भी निस्तारण हो सकेगा। उन्होंने उम्मीद जताई कि सरकार व्यापारी समाज की इस समस्या पर सकारात्मक निर्णय लेते हुए पुराने सेल्स टैक्स मामलों के समाधान के लिए विशेष व्यवस्था लागू करेगी।

निखिल अग्रवाल ने कहा कि दशकों पुराने मामलों को अनिश्चितकाल तक लंबित रखने के बजाय एक स्पष्ट और अंतिम समाधान व्यवस्था लागू करना व्यापारी और सरकार दोनों के हित में होगा।

> *"20-25 साल पुराने मामलों का एकमुश्त और न्यायसंगत समाधान हो, ताकि व्यापारी दशकों पुरानी देनदारी के बोझ से मुक्त होकर अपने कारोबार पर ध्यान दे सकें।"*
> **— निखिल अग्रवाल, प्रदेश उपाध्यक्ष, उत्तर प्रदेश युवा व्यापार मंडल**

सत्य निकेतन हादसे के बाद पीजी मालिक आनंद बंसल लापता, तलाश में पुलिस की दबिश

40-50 साल पुरानी पांच मंजिला इमारत ढही, एक छात्र की मौत; मलबे में फंसे छात्रों के लिए रेस्क्यू ऑपरेशन जारी

समाज जागरण

नई दिल्ली। राजधानी के सत्य निकेतन इलाके में पांच मंजिला पुरानी इमारत के अचानक ढहने से अफरा-तफरी मच गई। हॉस्टल डेज नाम के बॉयज पीजी के मलबे में कई छात्रों के दबे होने की आशंका के बीच राहत और बचाव अभियान जारी है। हादसे में अब तक एक छात्र की मौत की सूचना है।

हादसे के बाद पीजी संचालक आनंद बंसल के कथित तौर पर लापता होने का मामला सामने आया है। पुलिस ने उसके

खिलाफ एफआईआर दर्ज कर तलाश शुरू कर दी है। पुलिस की एक टीम उसके गुरुग्राम स्थित घर भी पहुंची, लेकिन उसके बारे में तत्काल कोई जानकारी नहीं मिल सकी।

लखनऊ से बनेगा 50 किमी का नया लिंक एक्सप्रेसवे, पांच हाईवे होंगे एक-दूसरे से कनेक्ट

दिल्ली से पूर्वांचल-बिहार और बुंदेलखंड-झांसी का सफर होगा आसान, लखनऊ शहर में प्रवेश किए बिना मिलेगी हाईस्पीड कनेक्टिविटी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में एक्सप्रेसवे नेटवर्क को और मजबूत करने की दिशा में राज्य सरकार ने लखनऊ में करीब 50 किलोमीटर लंबे नए लिंक एक्सप्रेसवे को मंजूरी दी है। इस परियोजना से प्रदेश के पांच प्रमुख एक्सप्रेसवे आपस में जुड़ेंगे। इससे दिल्ली से पूर्वांचल, बिहार, बुंदेलखंड और झांसी की ओर जाने वाले यात्रियों को बड़ी राहत मिलने की उम्मीद है। उत्तर प्रदेश एक्सप्रेसवेज औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीडा) की ओर से तैयार की जा रही इस परियोजना का उद्देश्य पश्चिमी उत्तर प्रदेश को पूर्वांचल और बिहार से सीधी हाईस्पीड कनेक्टिविटी देना है। नया लिंक एक्सप्रेसवे आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे, लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेसवे, पूर्वांचल एक्सप्रेसवे और यमुना एक्सप्रेसवे समेत प्रमुख मार्गों को आपस में जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

लखनऊ शहर में फंसने की जरूरत नहीं

नए लिंक एक्सप्रेसवे का सबसे बड़ा फायदा दिल्ली और पश्चिमी उत्तर प्रदेश से पूर्वांचल की ओर जाने वाले वाहनों को होगा। फिलहाल आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे से पूर्वांचल एक्सप्रेसवे की ओर जाने के लिए लखनऊ के आसपास के मार्गों से गुजरना पड़ता है।

लेखनी में असीमित सामर्थ्य और क्षमताएं'
शब्द ही ब्रह्म हैं।

अक्षर को नश्वर बताया गया है ।वैसे तो शब्दों की तीव्रता तलवार से ज्यादा नुकीली और भाले से ज्यादा चुभने वाली होती है। तलवार की धार से मनुष्य एक बार बच भी सकता है पर मुंह से बोले गए शब्द व्यक्ति को मृत्यु सा मूर्छित कर देते है। इसीलिए चिंतकों ने कहा है बोलने से पहले कई बार

सोचें और बोलने के बाद सोचने वाला व्यक्ति समाज में मूर्खों की श्रेणी में गिना जाता है। राजनीति और कूटनीति में सारी जद्दोजहद शब्दावली और भाषणों की होती है कूटनीति में एक शब्द के कई अर्थ निकाले जाते हैं और उससे अपना हित अहित साधा जाता है। अकबर इलाहाबादी साहब कहते हैं,

खीचों न कमानों को, न तलवार निकालो,
जब तोप मुकाबिल हो तो अखबार निकालो।

मुंह से बोले गए शब्द और वाक्य बहुत सकारात्मक भी हो सकते हैं और बड़े ही भयंकर नकारात्मक भी हो सकते हैं। एक ही शब्द कहीं पर बड़े से बड़ा दंगा करवा सकते हैं और कहीं पर बोले गए प्यार के शब्द बड़े-बड़े विवादों में सुलह करा सकते हैं। शब्द की परिणति उसकी मुक्ति ही करती है। बड़े-बड़े राजनेता अभिनेता अपने मुंह से बोले गए शब्दों से लोकप्रियता के चरम पर पहुंच जाते हैं और कहीं किसी नेता के मुंह से निकला हुआ शब्द बाण समाज में विषाद और जहर भर देता है। शब्दों के जादूगर बड़ी-बड़ी आम सभाओं में सोच समझकर इस्तेमाल कर अपना सार्थक प्रभाव छोड़ते सत्ता परिवर्तन भी शब्दों के माया जाल से हि होता है। अंग्रेजी साहित्य में अरनेस्ट हेमिंग्वे को शब्दों का जादूगर माना जाता था उनके शब्दों का प्रभाव सीधे पाठकों के दिल तक पहुंच जाता था इसी तरह हिंदी में तुलसीदास विश्वव्यापी कवि है उनकी वाणी में सत्य और अमृत है। आधुनिक हिंदी साहित्य मेंअज्ञेय जी को इसी श्रेणी में रखा जा सकता है उनकी शब्दावली कठिन होते हुए भी पढ़ने वालों के मर्म तक पहुंच जाती है। महान कथाकार मुंशी प्रेमचंद हिंदी और देवनागरी लिपि को आत्मसात कर उपन्यास तथा कहानी और लिख कर अमृत्व को प्राप्त किया है। देवकीनंदन खत्री जी ने भी उपन्यासों खाकर चंद्रकांता संतति, भूतनाथ पढ़ने के लिए हिंदी को सीखा और मनन किया और लोकप्रिय उपन्यास की उत्पत्ति की, कबीर अपने फक्कड़पन की भाषा के कारण उत्तर भारत के सभी दिलों में समाए हुए हैं। निसंदेह शब्द जीवंतता प्रदान करते हैं और जीवनशैली को बेहतर बनाने की ओर अग्रसर करते हैं और द्रौपदी द्वारा कहे गए शब्द महाभारत की उत्पत्ति का कारण बनते हैं। इसलिए सदैव कहा जाता है की संभलकर बोलने से सद्गति प्राप्त होती है। इसीलिए तो संभल कर सही और उपयुक्त शब्दों का इस्तेमाल करना चाहिए। जो सदैव अच्छा वक्ता होता है अपने विचारों को संभल कर बोलता है भले ही वह दिलों को ना छुए पर उसका जनमानस को जीतना तय होता है और संसार पर वही राज करता है जो अपने शब्दों का सही इस्तेमाल करता है, गलत शब्द से, गलत संभाषण से गलत विचारों से बोला गया वाक्य प्रलय भी ला सकता है। शब्दों को तौल कर विचार कर बोलना चाहिए अन्यथा उसके नतीजे भयानक भी हो सकते हैं। शब्दों की मार बहुत ही तेज और बहुत मीठी भी होती है एक शब्द महायुद्ध करवा सकता है और दूसरा शब्द ऐसी शीतल फुहाँरे छोड़ता है कि सारा युद्ध उन्माद अखंड शांति में बदल जाता है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी अमेरिका रूस ,जापान, यूरोपीय देशों में दिए वहां के राष्ट्रपति व राजनेताओं द्वारा दिए गए भाषणों संभाषणों से युद्ध और कई बार शांति स्थापित हुई है। पाकिस्तान के राष्ट्रपति प्रधानमंत्री तथा उनके कैबिनेट के मंत्री अपने दिए गए वक्तव्य से ही सारी दुनिया से अलग अलग हो गए हैं। और भड़काऊ भाषण के कारण आज दुर्गति को प्राप्त हुए हैं। भारत शांति का दूत माना जाता है शांति स्थापना की सदैव मीठी वाणी बोलता आया है और यही कारण है कि भारत को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शांति का पुजारी एवं दूत कहा जाता है एवं सदैव अंतर्राष्ट्रीय विवादों में उनके राजनेताओं को मध्यस्थता अथवा समझौते के लिए आमंत्रित किया जाता रहा है। यही कारण है कि रूस यूक्रेन के लंबे युद्ध में विश्व के पूरे देश एवं रूस तथा यूक्रेन के राजनेता भी भारत की ओर युद्ध की शांति की पहल की प्रतीक्षा कर रहे हैं। यही कारण है की युवा पीढ़ी को सदैव कम बोलने, सदाचारी संभाषण देने के लिए प्रेरित किया जाता रहा है भारत की सांस्कृतिक तथा साहित्यिक विरासत को सत साहित्य और संतुलित भाषा का मनुष्य तथा समाज के विकास के लिए पर्याय माना गया है। इसीलिए संतुलित भाषा मीठी भाषा बोलने से सदैव समाज तथा देश का वातावरण विकास के अनुकूल होता आया है।

संजीव ठाकुर, स्तंभकार, चिंतक, वर्ल्ड रिकॉर्ड लेखक, रायपुर छत्तीसगढ़, 9009 415 415,

पवन जलावत आग को, पवन ही देत बुझाय। ऐसी नीति सरकार की, समझ न कोई पाय।

सरकार ही शराब बेचती है,
सरकार ही शराब से होने वाले नुकसान गिनाती है।
सरकार ही दुकानों के लाइसेंस देती है,
और सरकार ही विद्यालयों में बच्चों को नशे से दूर रहने का पाठ पढ़वाती है।
अब प्रधानमंत्री शिक्षकों से कह रहे हैं कि वे विद्यार्थियों को नशे के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक करें।
बिल्कुल करें—शिक्षक का काम ही बच्चों को सही रास्ता दिखाना है।
लेकिन सवाल थोड़ा असहज है—
जब बच्चे स्कूल से निकलकर सड़क पर आते हैं,
तो उन्हें नशे से बचाने वाला शिक्षक मिलेगा या शराब की दुकान?
एक तरफ शिक्षक कहे—
ह्लबेटा, शराब स्वास्थ्य और परिवार दोनों के लिए नुकसानदायक है।ह्व
दूसरी तरफ सरकारी दुकान कहे—
"भाई साहब, कौन-सी बोतल दूं?"
फिर सरकार कहे—
"नशा मत करो, समाज को जागरूक करो।"
वाह सरकार!
आग भी आपकी, पानी भी आपका,
और बुझाने की जिम्मेदारी भी शिक्षक की!
अगर सरकार वास्तव में नशामुक्ति को लेकर गंभीर है, तो केवल जागरूकता अभियान चलाने से आगे बढ़कर शराब की उपलब्धता, बिक्री और उससे जुड़े राजस्व मॉडल पर भी गंभीरता से विचार क्यों नहीं करती?
कंपनी बदलने से ज्यादा जरूरी है नीति बदलना—
क्योंकि नशे के खिलाफ भाषण से ज्यादा असर उस व्यवस्था का होगा,
जो नशे की पहुंच को ही कम कर दे।
पवन जलावत आग को, पवन ही देत बुझाय—
सरकारी नीति का यह खेल, जनता कैसे समझ पाए!

हिमालय पिघला तो प्रभावित होगा आधा एशिया

महेन्द्र तिवारी

हिमालय को केवल दुनिया की सबसे ऊंची पर्वत श्रृंखला मानना उसके महत्व को बहुत छोटा करके देखना होगा। हिमालय एशिया की जीवन रेखा है। इसकी बर्फीली चोटियों और हिमनदों से निकलने वाली नदियां करोड़ों नहीं, बल्कि अरबों लोगों के जीवन को सहारा देती हैं। गंगा, ब्रह्मपुत्र और सिंधु जैसी विशाल नदी प्रणालियां हिमालय के हिमनदों, हिमपात और वर्षा से पोषित होती हैं। यही कारण है कि हिमालय में होने वाला कोई भी बड़ा परिवर्तन केवल पहाड़ों तक सीमित नहीं रहता, बल्कि उसका प्रभाव खेतों, शहरों, उद्योगों, बिजलीघरों और आम लोगों के घरों तक पहुंचता है। आज यही हिमालय जलवायु परिवर्तन के कारण गंभीर बदलाव से गुजर रहा है और इसके हिमनदों का तेजी से पिघलना पूरी दुनिया के लिए चिंता का विषय बन गया है।

हिमालय तथा हिंदूकुश क्षेत्र में हजारों हिमनद मौजूद हैं। यह क्षेत्र ध्रुवीय क्षेत्रों के बाद बर्फ और हिम का सबसे बड़ा भंडार माना जाता है। इन हिमनदों से निकलने वाला पानी एशिया की प्रमुख नदी घाटियों को जीवन देता है। अंतरराष्ट्रीय पर्वतीय विकास केंद्र के अनुसार इस क्षेत्र के हिमनदों और हिमपात पर लगभग 2 अरब लोगों की जल सुरक्षा निर्भर है। हिमनदों का महत्व केवल इसलिए नहीं है कि वे पानी का विशाल भंडार हैं, बल्कि इसलिए भी है कि वे वर्ष भर नदियों में पानी के प्रवाह को संतुलित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। विशेषकर गर्मियों और वर्षा से पहले के महीनों में हिमनदों से मिलने वाला पानी कृषि और घरेलू आवश्यकताओं के लिए बेहद उपयोगी होता है।

लेकिन बढ़ते तापमान ने इस प्राकृतिक व्यवस्था को प्रभावित करना शुरू कर दिया है। तापमान बढ़ने से हिमनदों का बर्फीला क्षेत्र सिकुड़ रहा है। कई स्थानों पर हिमनद पीछे हट रहे हैं और उनके सामने या आसपास पानी जमा होकर नई झीलें बन रही हैं। कुछ पुरानी हिमनद झीलों का आकार भी लगातार बढ़ रहा है। वैज्ञानिकों के लिए चिंता का सबसे बड़ा कारण यही है कि इन झीलों में जमा पानी प्राकृतिक बांधों पर दबाव बढ़ाता है। यदि बर्फ, पत्थर और मिट्टी से बनी यह प्राकृतिक दीवार टूट जाए तो अचानक बड़ी मात्रा में पानी नीचे की ओर बह सकता है। ऐसी घटना को हिमनद झील विस्फोट बाढ़ कहा जाता है।

हिमनद झील विस्फोट बाढ़ सामान्य बाढ़ से अलग होती है। सामान्य बाढ़ में पानी धीरे-धीरे बढ़ सकता है, जिससे लोगों को सुरक्षित स्थानों पर जाने का कुछ समय मिल जाता है। इसके विपरीत हिमनद झील के अचानक टूटने पर पानी अत्यंत तेजी से नीचे की घाटियों में पहुंचता है। रास्ते में आने वाले पुल, सड़कें, घर, खेत, बिजली परियोजनाएं और अन्य निर्माण इसकी चपेट में आ सकते हैं। पर्वतीय क्षेत्रों की संकरी घाटियां इस खतरे को और गंभीर बना देती हैं क्योंकि पानी के बहाव को फैलने के लिए पर्याप्त स्थान नहीं मिलता।

हाल के वर्षों में हिमालय में ऐसी घटनाओं ने खतरे की गंभीरता को स्पष्ट किया है। वर्ष 2023 में सिक्किम की दक्षिण ल्होनक झील से जुड़ी हिमनद झील विस्फोट बाढ़ ने व्यापक तबाही मचाई थी। इसके बाद सिक्किम में कई उच्च जोखिम वाली हिमनद झीलों की पहचान की गई। अब वहां जोखिम का आकलन, जल निकासी और प्रारंभिक चेतावनी जैसी व्यवस्थाओं पर अधिक जोर दिया जा रहा है। हाल की घटनाओं ने हिमाचल प्रदेश के लाहौल और स्पीति क्षेत्र में भी चिंता बढ़ाई है। गेपन झील के संभावित खतरे को देखते हुए प्रशासन ने 32 संवेदनशील स्थानों की पहचान की है और प्रारंभिक चेतावनी व्यवस्था मजबूत करने की तैयारी की जा रही है।

नेपाल में हाल की विनाशकारी घटना ने इस संकट को और गंभीर रूप से सामने ला दिया है। हिमालयी क्षेत्र में हिमनद और चट्टानों के अस्थिर होने तथा अचानक आने वाली बाढ़ ने बड़े पैमाने पर जान-माल को नुकसान पहुंचाया। संयुक्त राष्ट्र के अधिकारियों और वैज्ञानिकों ने चेतावनी दी है कि तापमान में वृद्धि के साथ हिमालयी क्षेत्र में हिमनद झीलों से जुड़ी बाढ़ का खतरा आने वाले वर्षों में और बढ़ सकता है। नेपाल, भारत और चीन के हिमालयी हिस्से इस खतरे से विशेष रूप से प्रभावित हो सकते हैं।

इस संकट का दूसरा पक्ष भी कम गंभीर नहीं है। हिमनदों के पिघलने से शुरूआत में नदियों में पानी की मात्रा बढ़ सकती है, लेकिन जब हिमनद लगातार छोटे होते जाएंगे तो लंबे समय में शुष्क मौसम के दौरान नदियों में पानी कम होने का खतरा बढ़ेगा। इसका सीधा असर कृषि पर पड़ेगा। जिन क्षेत्रों में सिंचाई का आधार हिमनद और हिमपात से मिलने वाला पानी है, वहां किसानों के सामने नई चुनौती खड़ी हो सकती है। पानी की कमी खाद्य उत्पादन को प्रभावित करेगी और इससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर भी दबाव बढ़ सकता है।

जल-विद्युत क्षेत्र के लिए भी हिमालयी बदलाव गंभीर चेतावनी है। भारत, नेपाल और भूटान में अनेक जल-विद्युत परियोजनाएं पर्वतीय नदियों पर निर्भर हैं। यदि अचानक हिमनद झील विस्फोट बाढ़ आती है तो बिजली परियोजनाओं के साथ-साथ निमार्णाधीन बांध, सुरंगें, पुल और विद्युत व्यवस्था भी प्रभावित हो सकती है। हाल की हिमालयी आपदाओं ने दिखाया है कि पर्वतीय क्षेत्रों में बनी आधारभूत संरचनाओं को केवल सामान्य बाढ़ के आधार पर सुरक्षित मानना पर्याप्त नहीं होगा। भविष्य की योजनाओं में हिमनद झीलों, भूस्खलन और अचानक आने वाली बाढ़ के संयुक्त खतरे को शामिल करना होगा।

हिमालय का संकट केवल पानी और आपदा तक सीमित नहीं है। हिमनदों के पीछे हटने से पर्वतीय पारिस्थितिकी भी बदल रही है। वनस्पतियों, वन्यजीवों और स्थानीय समुदायों की जीवन पद्धति पर इसका प्रभाव पड़ सकता है। पहाड़ों में रहने वाले लोगों की आजीविका कृषि, पशुपालन, पर्यटन और स्थानीय जल स्रोतों से जुड़ी होती है। यदि जल स्रोतों का स्वरूप बदलता है तो उन्हें अपने पारंपरिक जीवन और रोजगार के तरीकों में बदलाव करना पड़ सकता है। इसीलिए हिमालयी जलवायु संकट को केवल पर्यावरण की समस्या समझना उचित नहीं होगा। यह सामाजिक और आर्थिक संकट भी है।

एक और चिंताजनक संकेत हिमपात में कमी है। हिंदकुश हिमालय क्षेत्र में वर्ष 2025 लगातार तीसरा ऐसा वर्ष रहा जिसमें मौसमी हिमपात सामान्य से कम रहा। अंतरराष्ट्रीय पर्वतीय विकास केंद्र ने इसे जल सुरक्षा के लिए गंभीर चेतावनी माना था। हिमपात कम होने का अर्थ केवल पहाड़ों पर कम बर्फ होना नहीं है। इसका प्रभाव आने वाले महीनों में नदियों और जल स्रोतों के प्रवाह पर भी पड़ सकता है।

इस चुनौती से निपटने के लिए केवल आपदा आने के बाद राहत पहुंचाना पर्याप्त नहीं होगा। सबसे पहले हिमनद झीलों की नियमित निगरानी आवश्यक है। उपग्रह चित्रों, दूरसंवेदी तकनीक, मौसम संबंधी आंकड़ों और जमीन पर किए जाने वाले वैज्ञानिक निरीक्षणों को एक साथ जोड़ना होगा। जिन झीलों को अत्यधिक जोखिम वाली श्रेणी में रखा गया है, वहां जलस्तर की निरंतर निगरानी और प्रारंभिक चेतावनी व्यवस्था होनी चाहिए। संवेदनशील क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को समय रहते सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाने की स्पष्ट योजना भी तैयार करनी होगी।

इसके साथ ही भारत, नेपाल, भूटान और चीन के बीच हिमालय से संबंधित वैज्ञानिक आंकड़ों का नियमित आदान-प्रदान जरूरी है। नदियां राजनीतिक सीमाओं को नहीं मानतीं। ऊपर पहाड़ों में हुई घटना का प्रभाव नीचे दूसरे देश में भी पहुंच सकता है। इसलिए जल और आपदा प्रबंधन को केवल राष्ट्रीय विषय मानने के बजाय क्षेत्रीय सहयोग के रूप में देखना होगा। हिमालयी देशों को साझा निगरानी तंत्र, संयुक्त वैज्ञानिक अध्ययन और एक-दूसरे को समय पर चेतावनी देने की व्यवस्था विकसित करनी चाहिए। अंतरराष्ट्रीय पर्वतीय विकास केंद्र ने भी हिमनद, हिमपात और स्थायी रूप से जमी भूमि की क्षेत्रीय निगरानी के लिए समन्वित व्यवस्था की आवश्यकता पर जोर दिया है।

सबसे महत्वपूर्ण समाधान फिर भी वैश्विक तापमान वृद्धि को सीमित करना है। यदि दुनिया जीवाश्म ईंधनों पर अपनी निर्भरता कम नहीं करती और वायुमंडल में बढ़ती ताप बढ़ाने वाली गैसों को नियंत्रित नहीं करती तो हिमालयी संकट को पूरी तरह रोकना संभव नहीं होगा। हिमालय को बचाना केवल पहाड़ों को बचाना नहीं है। इसका अर्थ एशिया की नदियों, खेतों, जंगलों, जैव विविधता और करोड़ों परिवारों के भविष्य को सुरक्षित करना है।

हिमालय आज हमें एक स्पष्ट संदेश दे रहा है। बर्फ की चोटियों में होने वाला परिवर्तन दूर की कोई घटना नहीं है। उसका असर आने वाले समय में हमारे खेतों में, हमारे शहरों में और हमारे जल स्रोतों में दिखाई देगा। यदि हिमनद तेजी से पिघलते रहे तो पहले बाढ़ का खतरा बढ़ेगा और बाद में पानी की कमी की समस्या गहरी हो सकती है। इसलिए हिमालय को केवल पर्यटन, धार्मिक आस्था या प्राकृतिक सुंदरता के दृष्टिकोण से देखने का समय समाप्त हो चुका है। उसे एशिया की जीवन-रेखा और जल सुरक्षा की आधारशिला के रूप में देखना होगा। वैज्ञानिक चेतावनियों को गंभीरता से लेकर अभी से तैयारी करना ही समझदारी है, क्योंकि हिमालय में होने वाले बदलाव को रोकने की कीमत आज जितनी कम होगी, कल उतनी ही अधिक हो सकती है।

रास्ते अब मंजिल तक नहीं, जीवन, स्वास्थ्य और प्रकृति से भी जोड़ेंगे

राजमार्गों के किनारे बोया जा रहा है सेहत और प्रकृति का भविष्य

राजमार्गों की खाली जमीन अब देश के स्वास्थ्य की जमीन बनेगी

रास्ते अब मंजिल तक नहीं, जीवन, स्वास्थ्य और प्रकृति से भी जोड़ेंगे। सड़कें किसी देश की केवल राहें नहीं, उसके विकास की दिशा भी बताती हैं। भारत में ये अब शहरों और बाजारों को जोड़ने वाले रास्ते भर नहीं रहीं, बल्कि बदलती विकास-दृष्टि की पहचान बन रही हैं। एनएचएआई की 'आरोग्य वन' पहल के तहत राजमार्गों के दोनों ओर नीम, आंवला, जामुन, इमली जैसी औषधीय वृक्ष प्रजातियाँ (और उपयुक्त स्थानों पर तुलसी, अश्वगंधा जैसी वनस्पतियाँ) कतारों में दिखें, तो यह केवल सड़क-सौंदर्य नहीं होगा। यह उस समझ का संकेत होगा कि तेज रफ्तार विकास को भी अंततः हवा, पानी और हरियाली की जरूरत है। सड़क किनारे खड़ा एक छोटा पौधा इसलिए मामूली नहीं—वह उस सोच का प्रतीक है, जिसमें विकास प्रकृति को पीछे छोड़कर नहीं, साथ लेकर आगे बढ़ना चाहता है।

इसे सिर्फ हरियाली की सरकारी कवायद मानना, इसके भीतर छिपे बड़े अर्थ को अनदेखा करना होगा। सड़क किनारे औषधीय पौधों की कतारें एक ऐसी मौन स्वास्थ्य-पट्टी बन सकती हैं, जो बिना कुछ कहे यात्री के मन तक पहुंचे। लंबी यात्रा में धूल, धुआं, शोर और तनाव के बीच तुलसी की सुगंध, नीम की छाया या आंवला-जामुन की हरियाली मन को ठहरने का अहसास दे सकती है। साथ ही, ये पौधे प्रकृति के उस पुराने ज्ञान की याद दिलाएंगे, जिसे आधुनिक जीवन सुविधा की दौड़ में पीछे छोड़ आया है। एक ओर वे कार्बन सोखकर हवा को बेहतर बनाएंगे, दूसरी ओर आयुर्वेद की परंपरा को आधुनिक राजमार्गों से जोड़ेंगे। सड़क और स्वास्थ्य का यह संगम विकास को थोड़ा और मानवीय बना सकता है।

किसी योजना की उम्र उसके उद्घाटन से नहीं, उसके निभाए जाने से तय होती है। 'आरोग्य वन' जैसी पहल तभी सचमुच जीवित रहेगी, जब सरकारी फाइलों से निकलकर स्थानीय समाज की जिम्मेदारी बने। राजमार्ग प्राधिकरण अकेले इसे नहीं संभाल सकता; स्थानीय समुदाय, स्वयंसेवी संस्थाएं, आयुष व वन विभाग और प्रशासन को साथ आना होगा। किसानों के लिए औषधीय पौधों की खेती अतिरिक्त आमदनी का द्वार खोल सकती है। स्कूल-कॉलेज के विद्यार्थियों को इनके संरक्षण और पहचान से जोड़ने पर पर्यावरण शिक्षा किताबों से निकलकर मिट्टी तक पहुंचेगी। तब पौधा किसी सरकारी योजना का आंकड़ा नहीं, गांव, किसान, विद्यार्थी और यात्री—सबकी साझा जिम्मेदारी बनेगा।

बड़ी योजनाएं जमीन पर उतरने वाले कदमों से आकार लेती हैं। एनएचएआई की मौजूदा योजना में पहले चरण में टोल प्लाजा और विश्राम स्थलों के पास चुनिंदा भूखंडों पर रोपण हो रहा है। राष्ट्रीय औषधीय पौधा बोर्ड (एनएमपीबी) और आयुष मंत्रालय के अनुभव से हरियाली के साथ औषधीय संसाधन भी तैयार किए जाएं। मॉडल जोन और सेंसर-आधारित सिंचाई उपयोगी हैं, लेकिन सूखे क्षेत्रों में पानी और रखरखाव जरूरी है। स्थानीय वैद्य और आयुर्वेद विशेषज्ञ क्षेत्रानुकूल प्रजातियां तय करें। कच्चे माल को स्थानीय फार्मेसियों और आयुष केंद्रों से जोड़ा जाए। विश्राम स्थलों पर सूचना-पट्ट लगें, ताकि यात्री पौधों का औषधीय महत्व जानें। तब सड़क सफर के साथ ज्ञान का रास्ता भी बनेगी।

राजमार्गों के किनारे पड़ी जमीन विकास की उस कहानी का अनकहा हिस्सा है, जिसे अक्सर कोई पढ़ता ही नहीं। धूल, तपिश, अतिक्रमण और प्रदूषण ने इन पट्टियों को उपेक्षा का भूगोल बना दिया है। औषधीय पौधों की योजनाबद्ध कतारें इसी भूले हुए भूभाग में फिर जीवन भर सकती हैं। घनी हरियाली धूल थामने, तापमान संतुलित करने और मिट्टी बचाने में मदद करेगी। साथ ही, यही वनस्पति पक्षियों, तितलियों और छोटे जीवों के लिए छोटे-छोटे आश्रय रचेगी। तब राजमार्ग केवल पहियों का गलियारा नहीं रहेगा; वह जैव-विविधता की जीवन-पट्टी भी बन सकेगा। जलवायु परिवर्तन के दौर में ऐसे हरित गलियारे भविष्य की पर्यावरण नीति का अहम आधार बन सकते हैं।

हरियाली का अर्थ तब खुलता है, जब वह जीवन को छूने लगे। इस योजना का महत्वपूर्ण पक्ष स्वास्थ्य है। आधुनिक जीवन ने बीमारी का नया भूगोल रचा है—तनाव, प्रदूषण और बिगड़ती जीवनशैली उसका हिस्सा हैं। ऐसे में औषधीय वनस्पतियों को सजावटी हरियाली मानना भूल होगी। वैज्ञानिक संरक्षण, कटाई और प्रसंस्करण से इनकी सामग्री सस्ती स्वास्थ्य-उपयोगों तक पहुंच सकती है। हालांकि राजमार्ग किनारे प्रदूषण (धूल, वाहन उत्सर्जन) से औषधीय गुणवत्ता प्रभावित हो सकती है, इसलिए कटाई-उपयोग से पहले वैज्ञानिक परीक्षण जरूरी है। ग्रामीण क्षेत्रों में, जहां स्वास्थ्य सुविधाएं दूर हैं, पारंपरिक ज्ञान और स्थानीय वनस्पतियां सहायक हो सकती हैं। लेकिन सावधानी जरूरी है—हर औषधीय पौधा हर व्यक्ति का उपचार नहीं। सही पहचान, वैज्ञानिक परीक्षण और विशेषज्ञ सलाह से ही इसकी संभावना जनहित में बदली जा सकती है। हर पौधा लग जाने से हरियाली नहीं बनती; उसकी सांसें बची रहें, तभी प्रयास सार्थक है। यही इस योजना की सबसे बड़ी चुनौती है। सरकारी योजनाओं में पौधों की संख्या गिनना आसान है, उनकी जीवित रहने की दर गिनना असली प्रशासनिक कसौटी है। इसलिए सफलता का पैमाना ह्यकितने पौधे लगाएह्ल नहीं, बल्कि ह्यकितने बचे, कितने बढ़े और कितना उपयोगी हुएह्ल होना चाहिए। राजमार्ग प्राधिकरण, वन विभाग और स्थानीय प्रशासन की जिम्मेदारियां स्पष्ट हों। नियमित स्वतंत्र मूल्यांकन हो और नष्ट पौधों का पुनरोपण सुनिश्चित किया जाए। स्थानीय लोगों को संरक्षण से जोड़ने के लिए पुरस्कार और प्रोत्साहन मिलें। जवाबदेही जितनी साफ होगी, योजना उतनी ही कागज से निकलकर जमीन पर जड़ पकड़ेगी।

सड़कें जब केवल दूरी नहीं, देश की सोच भी तय करने लगें, तभी विकास का अर्थ व्यापक होता है। राष्ट्रीय राजमार्गों पर औषधीय पौधों की पहल इसी बदलती सोच की अभिव्यक्ति है। राजमार्ग देश की धमनियां हैं तो उनके किनारे उगती हरियाली प्रकृति, स्वास्थ्य और समाज के बीच जीवंत सेतु बन सकती है। इसकी सफलता पौधों की संख्या या सड़क की सुंदरता में नहीं, बल्कि पर्यावरण संरक्षण, किसान की आय, आयुर्वेदिक ज्ञान, जैव-विविधता और स्वास्थ्य-जागरूकता में दिखाई देगी। तब राजमार्ग केवल दूरी घटाने वाली राह नहीं रहेगा—वह देश की यात्रा में जीवन को बेहतर बनाने वाली हरित धारा बन जाएगा।

प्रो. आरके जैन "अरिजीत"

नदियाँ और उनका रौद्र रूप

नदियाँ अपना रौद्र रूप धरती हैं,
तो सिर्फ.घर नहीं बहते-
बह जाते हैं सपने भी,
किसी माँ की उम्मीद,
किसी पिता की प्रतीक्षा,
बच्चों की आँखों में पलता कल भी।

देखों नेपाल की घाटियों में
आज पानी से ज्यादा
उन आँखों में नमी है,
हर आँकड़ा अपने भीतर
एक पूरा परिवार लिए खड़ा है।

कहीं कोई अपनों को खोज रहा,
कहीं कोई लौट आने की राह तक रहा,
और कहीं राहत की नाव,
यहाँ उजड़ गए हैं गाँव,
इंसानियत का हाथ बढ़ा रही है।

भले आँकड़े बढ़ते जाएँ,
इंसानियत के दर खुलते जाएँ,
पर संवेदनाएँ छोटी न हो;
लापता हर इंसान के लिए
उम्मीद की लौ बुझी न हो।

जो मिल गए, उन्हें घर मिले,
जो बिछुड़ गए, उनका पता मिले,
हर बेबस चेहरे को सहारा,
लाशों को अंतिम सम्मान मिलें,
हर घायल मन को दुआ मिले।
(संदर्भ - नेपाल हादसा : मौतों के बढ़ते आँकड़ों के बीच)

संजय एम तराणेकर
(कवि, लेखक व समीक्षक)
इन्दौर-452011 (मध्य प्रदेश)
मो. 98260 25986

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक रमन कुमार झा द्वारा सांई प्रिटिंग प्रेस बी-42 सेक्टर 07 नोएडा से मुद्रित कराकर नियर दुर्गा पब्लिक स्कूल श्याम लाल कॉलोनी बरौला सेक्टर 49 नोएडा 201304, गौतमबुद्धनगर उत्तर प्रदेश से प्रकाशित।
संपर्क 9891706853, संपादक- रमन कुमार झा, समस्त विवादों का निपटारा गौतमबुद्धनगर न्यायालय मे होगा। Website: https://samajjagran.in/ Email: vatankiawaz@gmail.com UPHIN/2021/84200

अंतरराष्ट्रीय मेहमानों के स्वागत के लिए सजी नई दिल्ली

ब्रिक्स शिखर सम्मेलन से पहले एनडीएमसी ने तेज की तैयारियां, सड़कों से गोलचक्करों तक सौंदर्यीकरण; 24 घंटे सक्रिय रहेगा कमांड सेंटर

समाज जागरण

नई दिल्ली। भारत की राजधानी नई दिल्ली 12 और 13 सितंबर को भारत मंडपम में होने वाले ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के लिए तैयार हो रही है। अंतरराष्ट्रीय मेहमानों के स्वागत को लेकर नई दिल्ली नगर परिषद (एनडीएमसी) ने राजधानी के प्रमुख हिस्सों में स्वच्छता, सौंदर्यीकरण, रोशनी, सड़क सुधार और यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने का अभियान तेज कर दिया है।

एनडीएमसी चेयरमैन मनोज द्विवेदी ने रविवार को सोशल मीडिया मंच एक्स पर तैयारियों की तस्वीरें और ब्रिक्स इंडिया 2026 का लोगो साझा किया। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय राजधानी के विभिन्न स्थानों पर ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के स्वागत और स्मरण के लिए विशेष व्यवस्थाएं की जा रही हैं। प्रमुख गोलचक्करों पर रोशनी और सौंदर्यीकरण का काम शुरू हो चुका है।

"नई दिल्ली, दुनिया का स्वागत करने के लिए तैयार।"
— नई दिल्ली नगर परिषद

एनडीएमसी के मुताबिक नई दिल्ली के प्रमुख क्षेत्रों को व्यापक सौंदर्यीकरण और सड़क सुधार के जरिए नया और जीवंत रूप दिया जा रहा है। गड्ढामुक्त सड़कों, बेहतर फुटपाथों और स्पष्ट जेब्रा क्रॉसिंग से लेकर थीम आधारित पेंटिंग, रोशन फव्वारों और उन्नत फुटपाथों तक कई कार्य किए जा रहे हैं। इनका उद्देश्य राजधानी को स्वच्छ, सुरक्षित और अधिक स्वागतयोग्य बनाना है।

5 से 14 सितंबर तक चौबीसों घंटे सक्रिय रहेगा कमांड सेंटर

ब्रिक्स सम्मेलन को देखते हुए पालिका केंद्र स्थित एनडीएमसी का एकीकृत कमांड एवं कंट्रोल सेंटर 5 से 14 सितंबर तक 24 घंटे सक्रिय रहेगा। यातायात की निगरानी और शिकायतों के निस्तारण के लिए विशेष कंट्रोल रूम भी संचालित किया जाएगा।
एनडीएमसी उपाध्यक्ष कुलजीत चहल ने बताया कि तीनों शिफ्ट में निदेशक या संयुक्त निदेशक स्तर के दो-दो अधिकारी तैनात रहेंगे। एनडीएमसी के 11 विंगों को रात्रि ड्यूटी सौंपी गई है, ताकि किसी भी समस्या का तत्काल समाधान किया जा सके।
संबंधित विभागों के प्रभारी अधिकारियों को भी कॉल अटेंड करने के लिए उपलब्ध रहने के निर्देश दिए गए हैं। मुख्य सुरक्षा अधिकारी दिल्ली पुलिस और यातायात पुलिस के साथ समन्वय स्थापित करेंगे, जिससे सम्मेलन के दौरान सुरक्षा और यातायात व्यवस्था सुचारु बनी रहे।

पांच प्रमुख मार्गों पर विशेष धुंध का छिड़काव

राजधानी में धूल और प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए पांच प्रमुख स्थानों पर विशेष धुंध का छिड़काव किया जाएगा। इनमें लोधी रोड, तिलक मार्ग, अफ्रीका एवेन्यू, शांतिपथ और जाकिर हुसैन रोड शामिल हैं। सम्मेलन के दौरान इन प्रमुख मार्गों पर स्वच्छता और पर्यावरणीय स्थिति बेहतर बनाए रखने के लिए विशेष निगरानी भी रखी जाएगी।

17 गोलचक्करों पर सजावटी रोशनी

एनडीएमसी की तैयारियों का बड़ा हिस्सा राजधानी के सौंदर्यीकरण से जुड़ा है। 17 प्रमुख गोलचक्करों, 11 होटलों और 10 एनडीएमसी भवनों पर सजावटी प्रकाश व्यवस्था की जा रही है।
इसके अलावा 15 स्थानों पर फूलों के बोर्ड और नौ स्थानों पर फूलों के फव्वारे लगाए जा रहे हैं। प्रमुख सड़कों और महत्वपूर्ण चौराहों के किनारे 15 हजार से अधिक फूलों के गमले लगाए जा रहे हैं।

सड़क से फुटपाथ तक बदली जा रही तस्वीर

एनडीएमसी प्रमुख क्षेत्रों में सड़क और पैदल यात्री सुविधाओं को भी बेहतर बना रही है। गड्ढों की मरम्मत, फुटपाथों को बेहतर करने, जेब्रा क्रॉसिंग को स्पष्ट करने और प्रमुख स्थानों पर थीम आधारित पेंटिंग जैसे कार्य किए जा रहे हैं।
इसका उद्देश्य केवल सम्मेलन के दौरान राजधानी को आकर्षक बनाना नहीं, बल्कि नई दिल्ली के सार्वजनिक स्थलों को अधिक व्यवस्थित, सुरक्षित और सुविधाजनक बनाना भी है।

दुनिया के सामने नई दिल्ली की नई तस्वीर

ब्रिक्स शिखर सम्मेलन भारत के लिए एक महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय आयोजन है। ऐसे में नई दिल्ली की सड़कों और सार्वजनिक स्थलों को अंतरराष्ट्रीय मेहमानों के अनुरूप तैयार किया जा रहा है। स्वच्छता, हरियाली, प्रकाश व्यवस्था, सड़क सुधार, यातायात प्रबंधन और सुरक्षा–इन सभी पहलुओं पर एक साथ काम किया जा रहा है।
एनडीएमसी की कोशिश है कि सम्मेलन में आने वाले विदेशी प्रतिनिधियों के सामने नई दिल्ली की ऐसी तस्वीर प्रस्तुत हो, जो आधुनिक, स्वच्छ, सुरक्षित और स्वागतयोग्य राजधानी की पहचान को मजबूत करे। ब्रिक्स सम्मेलन के लिए राजधानी की तैयारियां अब अंतिम चरण की ओर बढ़ रही हैं और आने वाले दिनों में नई दिल्ली के प्रमुख इलाकों का बदला हुआ रूप साफ तौर पर दिखाई देगा।

(इनपुट-आईएएनएस)

नोएडा प्राधिकरण की 223वीं बोर्ड बैठक में कई अहम फैसले

रुकी रियल एस्टेट परियोजनाओं में रजिस्ट्री होगी तेज, सेक्टर-153 में पुलिस आयुक्त कार्यालय के लिए भूमि आवंटित

नोएडा। नौएडा प्राधिकरण की 223वीं बोर्ड बैठक शनिवार को सेक्टर-96 स्थित मुख्य प्रशासनिक भवन में चेयरमैन दीपक कुमार की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में रुकी रियल एस्टेट परियोजनाओं में रजिस्ट्री प्रक्रिया तेज करने समेत शहर के विकास से जुड़े कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए।

बैठक में कॉरपस फंड की एसओपी को मंजूरी दी गई। औद्योगिक इकाइयों के लिए एकरूप नीति तैयार करने को समिति गठित की गई। सेक्टर-153 में पुलिस आयुक्त कार्यालय के लिए भूमि आवंटित करने तथा सेक्टर-145 में 100 टीपीडी वेस्ट-टू-एनर्जी प्लांट स्थापित करने का निर्णय लिया गया। सेक्टर-8 स्थित नर्सरी को आधुनिक एवं आत्मनिर्भर बनाने पर भी सहमति बनी।

जीबीएनएसआईए ने शिक्षकों और मेधावी विद्यार्थियों को किया सम्मानित

शिक्षक दिवस पर सेक्टर-22 के गणेश मंदिर में हुआ भव्य समारोह, शिक्षा के क्षेत्र में योगदान के लिए तीन शिक्षिकाओं का सम्मान

समाज जागरण

नोएडा। शिक्षक दिवस के अवसर पर गौतम बुद्ध नगर साउथ इंडियन एसोसिएशन (जीबीएनएस आईए) की ओर से सेक्टर-22 स्थित गणेश मंदिर में सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इस दौरान शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए प्रतिष्ठित शिक्षिकाओं इंदिरा पद्मनाभन, कुमुधा गुरुमूर्ति और विष्या बालाजी को सम्मानित किया गया।
समारोह में हाल ही में आयोजित सीबीएसई कक्षा 10वीं और 12वीं की बोर्ड परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले चार मेधावी विद्यार्थियों को भी सम्मानित किया गया। इनमें अनन्या सुरेश, साई सिंजना, धृति रंजीत और कृतिक हरिहरन शामिल रहे। एसोसिएशन पदाधिकारियों ने विद्यार्थियों को उनकी शैक्षणिक उपलब्धियों के लिए सम्मानित करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

शिक्षकों के योगदान को किया नमन

कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि शिक्षक विद्यार्थियों के जीवन को दिशा देने के साथ-साथ समाज और राष्ट्र के निर्माण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। शिक्षक दिवस ऐसे समर्पित शिक्षकों के योगदान को सम्मान देने का अवसर है।
समारोह में जीबीएनएसआईए अध्यक्ष डॉ. के. अरुणाचलम, महासचिव राजेश्वरी थियागराजन, संयुक्त सचिव-1 मुरली, संयुक्त सचिव-2 श्रीराम रवि, कोषाध्यक्ष श्रीधर अय्यर, लता सोमस्कंदन सहित कार्यकारिणी समिति के अन्य सदस्य मौजूद रहे। मंदिर समिति की ओर से श्रीमती जानकी भी कार्यक्रम में उपस्थित रहीं।
कार्यक्रम उत्साह और गरिमापूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। आयोजन में शिक्षकों के प्रति सम्मान व्यक्त करने के साथ मेधावी विद्यार्थियों की उपलब्धियों को प्रोत्साहित किया गया।

फेलिक्स हॉस्पिटल के मेगा हेल्थ कैंप में विशेषज्ञ डॉक्टरों ने की स्वास्थ्य जांच

विधायक पंकज सिंह ने किया शिविर का उद्घाटन, पौधारोपण कर दिया स्वस्थ समाज और पर्यावरण संरक्षण का संदेश

समाज जागरण

नोएडा। नंगला चरण दास स्थित जूनियर हाईस्कूल में रविवार को फेलिक्स हॉस्पिटल की ओर से निशुल्क मेगा हेल्थ कैंप का आयोजन किया गया। शिविर का उद्घाटन नोएडा विधायक पंकज सिंह ने किया। शिविर में क्षेत्र के लोगों को निशुल्क स्वास्थ्य जांच के साथ विशेषज्ञ चिकित्सकों से परामर्श की सुविधा उपलब्ध कराई गई।
इस अवसर पर पंकज सिंह ने कहा कि स्वस्थ समाज के निर्माण के लिए लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना जरूरी है। ग्रामीण और दूर-दराज के क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को कई बार सामान्य स्वास्थ्य समस्या के लिए भी अस्पताल तक जाना पड़ता है। ऐसे में उनके क्षेत्र में ही विशेषज्ञ चिकित्सकों की सलाह और स्वास्थ्य जांच की सुविधा उपलब्ध होना बेहद उपयोगी है।
उन्होंने कहा कि बीमारी का इलाज कराने से अधिक महत्वपूर्ण उसकी समय रहते पहचान करना है। इसके लिए नियमित स्वास्थ्य जांच और चिकित्सकीय परामर्श जरूरी है। उन्होंने सामाजिक संस्थाओं और अस्पतालों से भी जरूरतमंद लोगों के लिए नियमित स्वास्थ्य शिविर आयोजित करने का आह्वान किया।

समय पर जांच से बीमारी की पहचान संभव

फेलिक्स हॉस्पिटल के चेयरमैन डॉ. डीके गुप्ता ने बताया कि शिविर का उद्देश्य लोगों को उनके क्षेत्र में बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के साथ नियमित स्वास्थ्य जांच के प्रति जागरूक करना है। समय पर जांच होने से कई गंभीर बीमारियों की पहचान शुरूआती चरण में ही की जा सकती है।
शिविर में विभिन्न विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम ने लोगों की स्वास्थ्य जांच की और आवश्यक परामर्श दिया। इस दौरान लोगों को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने, नियमित जांच कराने तथा बीमारी के लक्षण दिखाई देने पर समय से चिकित्सकीय सलाह लेने के लिए जागरूक किया गया।

पौधारोपण कर दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

कार्यक्रम के दौरान पौधारोपण भी किया गया। विधायक पंकज सिंह सहित उपस्थित लोगों ने पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।
फेलिक्स हॉस्पिटल की निदेशक डॉ. रश्मि गुप्ता ने कहा कि स्वच्छ और स्वस्थ जीवन के लिए पर्यावरण का संरक्षण बेहद जरूरी है। पेड़-पौधे वायु प्रदूषण कम करने और वातावरण को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने लोगों से अधिक से अधिक पौधे लगाने के साथ उनकी देखभाल करने की अपील की।
उन्होंने कहा कि पानी की बबार्दी रोकना, प्लास्टिक का कम इस्तेमाल करना, कूड़ा निर्धारित स्थान पर डालना और संभव हो तो सार्वजनिक परिवहन का इस्तेमाल करना भी पर्यावरण संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं।

शिविर का उद्देश्य जरूरतमंद लोगों को स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के साथ उन्हें स्वस्थ जीवन और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करना रहा। फेलिक्स हॉस्पिटल की ओर से भविष्य में भी ऐसे स्वास्थ्य शिविर आयोजित करने की बात कही गई।

महर्षि यूनिवर्सिटी में इंडिया कनेक्ट एंड कोलेबोरेशन समिट-2026 आयोजित

त्रिनिदाद एवं टोबैगो के हाई कमिश्नर चंद्रदाथ सिंह ने भारत के साथ सहयोग की संभावनाओं पर रखे विचार, शिक्षा, उद्योग और कौशल विकास पर हुआ मंथन

समाज जागरण

संदीप गर्ग / नोएडा। महर्षि यूनिवर्सिटी के नोएडा कैंपस में रविवार को इंडिया कनेक्ट एंड कोलेबोरेशन समिट (क्ळउर-2026) का आयोजन किया गया। सम्मेलन में देश-विदेश के राजनयिक प्रतिनिधियों, केंद्र सरकार के विभिन्न मंत्रालयों के अधिकारियों, शिक्षाविदों और उद्योग जगत से जुड़े विशेषज्ञों ने भाग लिया। समिट में भारत और विभिन्न देशों के बीच शिक्षा, कौशल विकास, उद्योग, नवाचार तथा अन्य क्षेत्रों में सहयोग की संभावनाओं पर विचार-विमर्श किया गया।
कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भारत में त्रिनिदाद एवं टोबैगो के हाई कमिश्नर एच.ई. चंद्रदाथ सिंह रहे। उरुग्वे दूतावास के चीफ ऑफ कांसुलर सेक्शन पाब्लो रिकार्डो गोरोसिटो गेस्ट ऑफ ऑनर के रूप में शामिल हुए, जबकि सीबीएसई, नई दिल्ली के एडिशनल डायरेक्टर (स्किल एजुकेशन) आरपी सिंह विशेष अतिथि रहे।
कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों के स्वागत और दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इसके बाद गणेश पुष्पांजलि की प्रस्तुति दी गई। महर्षि यूनिवर्सिटी की ओर से रतिश गुप्ता ने स्वागत संबोधन किया। यूनिवर्सिटी के कुलपति डॉ. बी.पी. सिंह तथा महर्षि महेश योगी इंटरनेशनल एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी, कानपुर के कुलपति डॉ. पी.के. उपाध्याय ने भी अपने विचार रखे। महर्षि यूनिवर्सिटी नोएडा की डीन अकादमिक डॉ. तृप्ति अग्रवाल ने अतिथियों का आभार व्यक्त किया। ग्रीन पेटल्स ट्रस्ट के डायरेक्टर (ट्रेनिंग एंड इनोवेशन) एस.पी. वर्मा ने क्ळउर-2026 के विजन, उद्देश्यों और अपेक्षित परिणामों की जानकारी दी।

सरकारी अधिकारियों और विशेषज्ञों ने साझा किए विचार

समिट में केंद्र सरकार के विभिन्न मंत्रालयों से जुड़े अधिकारियों और विशेषज्ञों ने भी महत्वपूर्ण विषयों पर अपने विचार रखे। वित्त मंत्रालय के असिस्टेंट कमिश्नर डॉ. हरीश यादव, कॉरपोरेट कार्य मंत्रालय के डिप्टी डायरेक्टर प्रवीण एस., खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय के असिस्टेंट कमिश्नर सतीश कुमार, एमएसएमई मंत्रालय के असिस्टेंट कमिश्नर हेमंत यादव तथा सहकारिता मंत्रालय के डॉ. संजय ने सहभागिता की।

उद्योग जगत से टाटा पावर के कॉरपोरेट हेड सुधाकर यादव भी कार्यक्रम में शामिल हुए। दूसरे सत्र में एसएसबी, गृह मंत्रालय के सेकंड-इन-कमांड अजय सिंह, सीबीएसई के एडिशनल डायरेक्टर आरपी सिंह, एनआईओएस के डिप्टी डायरेक्टर (एडमिन) डॉ. पीयूष प्रसाद और शोभित डीम्ड-टू-बी यूनिवर्सिटी के प्रो वाइस चांसलर डॉ. जयानंद सहित अन्य वक्ताओं ने अपने विचार साझा किए।
संसदीय कार्य मंत्रालय के चीफ ऑफ मीडिया एंड कम्युनिकेशन डॉ. इबोमचा शर्मा अरिबम, कैडिला फार्मास्यूटिकल्स के पूर्व सीनियर वाइस प्रेसिडेंट डॉ. पी.के. राजपूत, इंडियन स्कूल्स लीडरशिप फोरम के चेयरमैन सरित घोष और श्रीराम एजुकेशन ट्रस्ट के प्रिंसिपल ट्रस्टी अजय कुमार शर्मा भी कार्यक्रम में मौजूद रहे।

महर्षि यूनिवर्सिटीज और इन्क्यूबेशन पर प्रस्तुति

समिट के दौरान डीन अकादमिक्स डॉ. तृप्ति अग्रवाल ने महर्षि यूनिवर्सिटीज की गतिविधियों और शिक्षा के क्षेत्र में संस्थानों द्वारा किए जा रहे कार्यों की जानकारी दी। इसके बाद एमयूआईटी इन्क्यूबेशन को लेकर प्रस्तुति दी गई, जिसमें नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा देने से जुड़े पहलुओं पर प्रकाश डाला गया।
कार्यक्रम के दौरान विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े विशिष्ट अतिथियों को सम्मानित भी किया गया। अंत में धन्यवाद ज्ञापन के बाद राष्ट्रगान हुआ। इसके पश्चात अतिथियों के लिए लंच का आयोजन किया गया।

महर्षि यूनिवर्सिटी में आयोजित क्ळउर-2026 ने शिक्षा, सरकारी संस्थानों, उद्योग जगत और अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधियों को एक साझा मंच उपलब्ध कराया। सम्मेलन में विभिन्न क्षेत्रों के प्रतिनिधियों ने अपने अनुभव साझा करते हुए भारत और अन्य देशों के बीच सहयोग के नए अवसरों पर विचार-विमर्श किया।

मोबाइल स्नैचिंग गिरोह के दो आरोपी गिरफ्तार, 31 मोबाइल और चाकू बरामद

सेक्टर-63 पुलिस की कार्रवाई, चोरी के मोबाइल से ऑनलाइन रकम ट्रांसफर करने का आरोप; वारदात में इस्तेमाल बाइक भी मिली

नोएडा। थाना सेक्टर-63 पुलिस ने मोबाइल स्नैचिंग और चोरी करने वाले गिरोह का खुलासा करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके कब्जे से 31 मोबाइल फोन, एक अवैध चाकू और वारदात में प्रयुक्त मोटरसाइकिल बरामद की है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान गाजियाबाद के कृष्णानगर बागू निवासी पुष्पेंद्र (23) और ध्रुव (19) के रूप में हुई है।
पुलिस के अनुसार दोनों आरोपियों को रविवार को लोकल इंटेलिजेंस और गोपनीय सूचना के आधार पर सेक्टर-63 में बी-1, हल्दीराम कट की ओर जाने वाली सर्विस रोड से गिरफ्तार किया गया।

मोबाइल छीनकर बैंक खाते से निकाली रकम

पुलिस ने बताया कि एक शिकायतकर्ता का सैमसंग मोबाइल बाइक सवार दो युवकों ने छीन लिया था। मोबाइल से जुड़े बैंक खाते के माध्यम से करीब 93,500 रुपये निकाल लिए गए। मामले में थाना सेक्टर-63 में मुकदमा दर्ज किया गया। पुलिस टीम ने तत्काल कार्रवाई करते हुए खाते से ट्रांसफर किए गए 70 हजार रुपये को डेबिट/फ्रीज कराया और जांच के दौरान आरोपियों को गिरफ्तार कर शिकायतकर्ता का मोबाइल बरामद कर लिया।

पासवर्ड तोड़कर करते थे ऑनलाइन ट्रांजेक्शन

पूछताछ में पुलिस के मुताबिक आरोपियों ने बताया कि वे बाइक से राह चलते लोगों के मोबाइल फोन छीनते थे। इसके बाद मोबाइल का पासवर्ड तोड़कर पेटीएम और फोनपे के जरिए रकम अपने खातों में ट्रांसफर करने का प्रयास करते थे। पर्याप्त संख्या में मोबाइल इकट्ठा होने के बाद उन्हें कम कीमत पर राह चलते लोगों को बेच देते थे।

पुलिस के अनुसार आरोपी लोगों को डराने-धमकाने के लिए चाकू अपने पास रखते थे। मोबाइल बेचकर मिलने वाली रकम आपस में बांटकर खर्च करते थे।

दोनों आरोपियों पर पहले से कई मुकदमे

पुलिस के मुताबिक आरोपी ध्रुव के खिलाफ गौतमबुद्धनगर और गाजियाबाद के विभिन्न थानों में चोरी, स्नैचिंग, बरामदगी और आर्म्स एक्ट समेत कई मामले दर्ज हैं। वहीं पुष्पेंद्र के खिलाफ भी थाना सेक्टर-63 में चोरी, स्नैचिंग और अवैध हथियार से संबंधित कई मुकदमे दर्ज बताए गए हैं।

यह सामान हुआ बरामद

30 चोरी/स्नैचिंग के मोबाइल फोन
1 सैमसंग मोबाइल फोन, संबंधित मुकदमे का
1 अवैध चाकू
1 हीरो एक्सट्रीम 125 मोटरसाइकिल

पुलिस का कहना है कि आरोपियों से पूछताछ के आधार पर मोबाइल स्नैचिंग की अन्य घटनाओं के संबंध में भी जानकारी जुटाई जा रही है।
(मीडिया सेल, पुलिस कमिश्नरेट गौतमबुद्धनगर)

आर्य युवक परिषद का 48वां स्थापना दिवस समारोह सम्पन्न

स्वामी श्रद्धानंद को भारत रत्न देने की मांग, युवाओं को संस्कारवान बनाने पर जोर

समाज जागरण

नई दिल्ली। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के 48वें स्थापना दिवस एवं स्वामी श्रद्धानंद बलिदान शताब्दी समारोह का आयोजन रविवार को आर्य समाज ग्रेटर कैलाश में किया गया। समारोह की अध्यक्षता एमिटी शिक्षण संस्थान के संस्थापक अध्यक्ष डॉ. अशोक कुमार चौहान ने की। उन्होंने कहा कि युवा शक्ति और संस्कारों के बल पर भारत को विश्वगुरु बनाया जा सकता है। उन्होंने कहा, ह्लहम और आप ही भारत और दुनिया को बदलेंगे।"
मुख्य वक्ताओं ने महर्षि दयानंद सरस्वती और स्वामी श्रद्धानंद के समाज सुधार एवं राष्ट्र निर्माण में योगदान को याद किया। परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने केंद्र सरकार से स्वामी श्रद्धानंद को भारत रत्न से सम्मानित करने की मांग की। उन्होंने कहा कि स्वामी श्रद्धानंद ने सामाजिक कुरीतियों के उन्मूलन और समाज सुधार के लिए उल्लेखनीय कार्य किया।
कार्यक्रम का शुभारंभ यज्ञ से हुआ। वैदिक विद्वानों ने अपने विचार रखे और भजनों की प्रस्तुति दी। व्यायाम शिक्षक गौरव सिंह के निर्देशन में आर्य युवकों का व्यायाम प्रदर्शन आकर्षण का केंद्र रहा। समारोह में जनसंख्या नियंत्रण कानून बनाने के लिए प्रस्ताव भी पारित किया गया। कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद ज्ञापन किया गया।

घर से चोरी करने वाले दंपती गिरफ्तार, 10 लाख की ज्वैलरी बरामद

नोएडा। थाना सेक्टर-39 पुलिस ने घरों से चोरी करने के आरोप में एक महिला समेत दो वांछित अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनके कब्जे से करीब 10 लाख रुपये कीमत की चोरी की ज्वैलरी बरामद की है। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपियों की पहचान नजमा परवीन (28) और उसके पति इकरामुल मियां (32) निवासी मूल रूप से कूचबिहार, पश्चिम बंगाल, हाल निवासी अगाहपुर, नोएडा के रूप में हुई है। दोनों को 5 सितंबर को नोएडा सिटी सेंटर के पास से गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में नजमा ने पुलिस को बताया कि वह जिस घर में मेड का काम करती थी, वहीं से दोनों ने आभूषण चोरी किए थे। मामले में थाना सेक्टर-39 में मुकदमा संख्या 439/2026 के तहत बीएनएस की संबंधित धाराओं में केस दर्ज है।

बारिश के बीच सड़क निर्माण पर उठे सवाल

सफाबार्द गांव के बाहर मेन रोड का निर्माण, गुणवत्ता और मानकों को लेकर उठी आपत्तियां

समाज जागरण

नोएडा। सफाबार्द गांव के बाहर मेन रोड पर बारिश के बीच कराए जा रहे सड़क निर्माण को लेकर नोएडा प्राधिकरण के वर्क सर्किल-6 की कार्यप्रणाली पर सवाल उठने लगे हैं। निर्माण कार्य के समय और गुणवत्ता को लेकर स्थानीय स्तर पर आपत्तियां सामने आई हैं।
सवाल उठाया जा रहा है कि जब बारिश हो रही है तो सड़क निर्माण कराने की इतनी जल्दबाजी क्यों की जा रही है। निर्माण में निर्धारित मानकों और गुणवत्ता का पालन हो रहा है या नहीं, इसे लेकर भी निगरानी व्यवस्था पर सवाल खड़े किए जा रहे हैं। स्थानीय स्तर पर वर्क सर्किल-6 के जीएम ए.के. अरोड़ा, जेई हरेंद्र मलिक, मैनेजर और एसएम अरुण कुमार की निगरानी व्यवस्था को लेकर भी सवाल उठाए गए हैं। आरोप है कि बारिश के बीच कराए जा रहे निर्माण की गुणवत्ता की समुचित जांच होनी चाहिए, ताकि सरकारी धन से होने वाले कार्य में मानकों से समझौता न हो। यह भी सवाल उठाया गया है कि कहीं केवल फोटो खींचकर कार्य पूरा दिखाने की औपचारिकता तो नहीं की जा रही।
ऐसे में संबंधित अधिकारियों से निर्माण कार्य की गुणवत्ता, इस्तेमाल की जा रही सामग्री और निर्धारित तकनीकी मानकों के पालन की स्थिति स्पष्ट करने की मांग की गई है।

बिजली के करंट से साधु की मौत, दो दिन से अधिक समय तक पड़ा रहा शव

आश्रम के बरामदे में तार से लिपटा मिला शव, दुर्गंध उठने पर स्थानीय लोगों को हुई जानकारी

समाज जागरण

बबराला थाना क्षेत्र के गंगा घाट राजघाट स्थित आश्रम के बरामदे में रविवार को एक साधु का शव मिलने से हड़कंप मच गया। शव करीब दो दिन से अधिक पुराना बताया जा रहा है। आशंका जताई जा रही है कि बिजली के करंट की चपेट में आने से साधु की मौत हुई है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घटना की जानकारी मिलने पर मृतक के परिजन भी मौके पर पहुंच गए। शव देखकर परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल रहा।

थाना कुढ़फतेहगढ़ क्षेत्र के निवासी महाराम सिंह (57) पुत्र मुन्नी सिंह करीब 30 वर्ष पहले साधु बन गए थे। वह खेती-बाड़ी का काम करने के साथ बबराला थाना क्षेत्र के राजघाट स्थित आश्रम में रहकर साधु जीवन व्यतीत करते थे। बताया गया कि वह चार दिन पहले अपने गांव से आश्रम पर आए थे।

रविवार सुबह करीब 11 बजे आश्रम के बरामदे में उनका शव पड़ा मिला। स्थानीय लोगों के अनुसार, आश्रम से दुर्गंध आने पर उन्होंने अंदर जाकर देखा तो महाराम सिंह का शव बिजली के तार से लिपटा पड़ा था। इसके बाद पुलिस और परिजनों को सूचना दी गई।

मृतक तीन भाइयों में सबसे छोटे थे। उनके बड़े भाई हुकुम सिंह और अजय पाल हैं। मृतक की एक शादीशुदा बेटी प्रीति है, जिसकी करीब छह माह पहले मुरादाबाद जिले के बिलारी थाना क्षेत्र के अहमदाबाद कसोरा गांव निवासी पुष्पेंद्र के साथ शादी हुई थी।

बबराला थाना प्रभारी लवनीश कुमार चौधरी ने बताया कि शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। मामले की जांच की जा रही है। परिजनों की ओर से अभी कोई तहरीर नहीं दी गई है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

जनसुनवाई में मिली शिकायत पर जिलाधिकारी ने लिया संज्ञान, लापरवाही बरतने पर सफाई कर्मचारी निलंबित

ग्राम कोकावास, मजरा नवादा एवं गदीशपुरी में सफाई कार्य में लापरवाही एवं उच्चाधिकारियों के निदेर्शों की अवहेलना का मामला

समाज जागरण

गुन्नौर।जिलाधिकारी कार्यालय पर जिलाधिकारी अंकित खण्डेलवाल के समक्ष जनसुनवाई में ग्राम कोकावास, मजरा नवादा एवं गदीशपुरी में सफाई व्यवस्था को लेकर शिकायत प्राप्त हुई थी। जिलाधिकारी ने शिकायत का संज्ञान लेते हुए जिला पंचायत राज अधिकारी ग्रीश कुमार को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी के निदेर्शों के क्रम में जिला पंचायत राज अधिकारी द्वारा प्रकरण की जांच एवं उपलब्ध अभिलेखों के आधार पर कार्रवाई करते हुए विकास खंड बनियाखेड़ा से संबद्ध सफाई कर्मचारी अमृतलाल पुत्र किशनलाल को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है।

प्राप्त शिकायत में आरोप लगाया गया था कि संबंधित सफाई कर्मचारी द्वारा अपनी तैनाती वाले ग्राम कोकावास, मजरा नवादा एवं गदीशपुरी में नियमित रूप से उपस्थित होकर सफाई कार्य नहीं किया जा रहा था। इसके कारण गांव में गंदगी की स्थिति उत्पन्न होने तथा बरसात के मौसम में संक्रामक बीमारियों के फैलने की आशंका बनी हुई थी।

प्रकरण में संबंधित कर्मचारी को कारण बताओ नोटिस जारी कर स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए थे। कर्मचारी द्वारा प्रस्तुत स्पष्टीकरण को संतोषजनक न पाए जाने पर उसके विरुद्ध निलंबन की कार्रवाई की गई।

आदेश में संबंधित कर्मचारी पर शासकीय कार्यों में लापरवाही एवं शिथिलता बरतने तथा उच्चाधिकारियों के आदेशों की अवहेलना करने के साथ-साथ अपने पदीय दायित्वों का समुचित निर्वहन न करने का आरोप भी अंकित किया गया है।

निलंबन अवधि में कर्मचारी को नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ता एवं अनुमन्य प्रतिकर भत्ते देय होंगे। निलंबन अवधि में संबंधित कर्मचारी को ग्राम पंचायत कोकावास, विकास खंड बनियाखेड़ा, जनपद सम्भल से संबद्ध किया गया है।

प्रकरण की जांच के लिए सहायक विकास अधिकारी (पंचायत), जुनावई को जांच अधिकारी नामित किया गया है। जांच अधिकारी को नियमानुसार संबंधित कर्मचारी के विरुद्ध आरोप-पत्र आदि की कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

जिला प्रशासन द्वारा जनशिकायतों को गंभीरता से लेते हुए शासकीय दायित्वों में लापरवाही बरतने वाले कार्मिकों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित की जा रही है।

नगर के प्रथम स्नातक बाबू राममोहन बीकॉम को उनकी 44 वी पुण्यतिथि पर किया याद

समाज जागरण

चन्दौसी। श्री राममोहन सेवा आश्रम रजि. के तत्वाधान में राम गली सीता रोड स्थित राधाकुंज भवन में नगर के प्रथम स्नातक, स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, इतिहासकार, साहित्यकार, पत्रकार एवं आर्य समाज के अनुयायी सहित्यभूषण बाबू राममोहन बीकॉम की 44 वी पुण्यतिथि पर विचार गोष्ठी आयोजित की गई।

विचार गोष्ठी का शुभारंभ अतिथियो द्वारा बाबू राममोहन बीकॉम के चित्र पर पुष्प अर्पित करके किया गया।

मुख्य अतिथि समाजसेवी कृष्ण गोपाल गुप्ता ने कहा बाबू राममोहन खादी प्रेमी थे उन्होंने हमेशा खादी कपड़ों के साथ जूते एवं बेल्ट भी कपड़े की ही पहनी उन्होंने स्वतंत्रता आंदोलन 1930 में भाग लिया। जिस दौरान उन्हें एक वर्ष का कठोर कारावास हुआ और मुरादाबाद कारागार में रखा गया।मुख्य वक्ता योगगुरु योगेंद्र कुमार शर्मा ने कहा बाबू राममोहन विभिन्न उपलब्धियां के साथ राष्ट्र एवम समाज को समर्पित रहे। उनकी शिक्षा एवं सेवा कार्य के लिए हम आज भी उन्हें याद कर रहे हैं ।ऐसे महापुरुषों के आदर्शों पर युवाओं को चलने की आवश्यकता है। सौभाग्यशाली हैं उनके सुपुत्र और सुपौत्र जो आज भी उन्हें उनकी जयंती के रूप में याद करते हैं।श्री राममोहन सेवा आश्रम के अध्यक्ष डॉ तुमुल विजय शास्त्री ने अपने पिता बाबू राममोहन बीकॉम के विषय मे बताया बाबूजी का जन्म 26 जून 1915 को चंदौसी के महाजन मोहल्ला स्थित नीम के तले लक्ष्मण दास के घर में हुआ ।वह राष्ट्र एवं शिक्षा के प्रति हमेशा जागरूक एवं एवं लगनशील रहे। जब चंदौसी में स्नातक तक पढ़ाई की सुविधा नहीं थी, तब उन्होंने कानपुर विश्वविद्यालय से 1941 में बीकॉम की परीक्षा पास की। उन्होंने आजादी के बाद कांग्रेस को छोड़कर भारतीय जनसंघ की सदस्यता ली,सामाजिक कार्यकर्ता डॉ टीएस पाल ने कहा बाबू राममोहन ने अपने जीवन मे अनेक सरकारी,अर्ध सरकारी नौकरियों की परन्तुस सभी चन्दौसी से प्रेम के कारण छोड़ दी।आप दो बार नगर पालिका चन्दौसी के अधिशासी अधिकारी रहे।आचार्य महेश कुमार वार्ष्णेय ने कहा बाबू जी ने 1970 के दशक में अनेक घी व्यापारी सम्मेलन चन्दौसी,मुरादाबाद,खुर्जा,लखनऊ में किये,एक बार बड़े स्टार पर चन्दौसी में घी व्यापारी सम्मेलन हुआ।जिससे तत्कालीन सरकार को घी व्यापारियो की मांग को मानना पड़ा।कार्यक्रम संयोजक डॉ तुमुल विजय अग्रवाल ने सभी अतिथियो का आभार व्यक्त किया। गोष्ठी की अध्यक्षता डॉ टीएस पाल ने एवं संचालन डॉ जयशंकर दुवे ने किया।कार्यक्रम में विश्व विजय एड,महेश चंद्र,नरेश भारती, राधा अग्रवाल,खुशबू अग्रवाल,कृष्ण गोपाल गुप्ता,आदि ने अपने विचार रखे।

दहीरपुर और लाहक कला पहुंचे खुर्शीद मंसूरी, 2027 में बदलाव के लिए मांगा जनता का समर्थन

समाज जागरण

जनपद बिजनौर नजीबाबाद। नजीबाबाद विधानसभा क्षेत्र के ग्राम दहीरपुर एवं लाहक कला में रविवार को साहनपुर चेयरमैन एवं आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) के भावी विधानसभा प्रत्याशी खुर्शीद मंसूरी ने दौरा कर ग्रामीणों एवं गांव के जिम्मेदार लोगों से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने क्षेत्र की समस्याओं और आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर लोगों से चर्चा की।

खुर्शीद मंसूरी ने कहा कि 2027 के विधानसभा चुनाव में दलित और मुस्लिम समाज को एकजुट होकर अपने अधिकारों और क्षेत्र के विकास के लिए मतदान करना होगा। उन्होंने कहा कि दलित-मुस्लिम एकता के दम पर ही भाजपा को सत्ता से हटाया जा सकता है।

उन्होंने कहा कि आजाद समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं सांसद चंद्रशेखर आजाद लगातार गरीब, मजलूम और कमजोर वर्गों की आवाज उठाने के साथ-साथ मुसलमानों के हक और इंसाफ की लड़ाई लड़ रहे हैं। उन्होंने लोगों से आगामी विधानसभा चुनाव में आजाद समाज पार्टी को मजबूत करने की अपील की।

जनसंपर्क के दौरान ग्रामीणों ने खुर्शीद मंसूरी का स्वागत करते हुए एकजुट होकर कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव में उन्हें मौका दिया जाएगा, क्योंकि क्षेत्र के विकास के लिए खुर्शीद मंसूरी को योग्य नेतृत्व के रूप में देखा जा रहा है।

इस मौके पर सूफी अकबर, बाबू खान, सत्तार, गफ्फार, अली हुसैन, इरफान अहमद, शोएब, आदिल, बिंदु, अनीस ठेकेदार, सिंह विधानसभा महासचिव, ओम प्रकाश, पोखर कुमार, चमन कुमार, बंटी कुमार, करण चौहान, इसरार कुरैशी, नजाकत कुरैशी, यूसुफ कुरैशी, फारूक कुरैशी, नसीर हाजी, रईस कुरैशी एवं जाहिर खान सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण एवं क्षेत्र के जिम्मेदार लोग मौजूद रहे

शिक्षक राष्ट्र का भाग्य विधाता भी है और निमार्ता भी- वैभव गुप्ता

40 शिक्षकों को सम्मानित८ करके हिंदू जागृति युवा मंच ने मनाया शिक्षक सम्मान समारोह

समाज जागरण

संभल।हिंदू जागृति युवा मंच ने 40 शिक्षक शिक्षिकाओं को सम्मानित करके शिक्षक सम्मान समारोह मनाया। साथ ही शिक्षक सम्मान का संकल्प लेकर शिक्षा, शिक्षार्थी एवं शिक्षक को सामाजिक सहयोग देते रहने की बात कही।

नगर के कोट पूर्वी में पंजाबी मंदिर में आयोजित शिक्षक सम्मान समारोह में सर्वप्रथम वैभव गुप्ता, पुनीत त्यागी, सजल सिंघल, पंकज सांख्यधर, मीनू रस्तोगी ने मुख्य अतिथि के रूप में भारत माता के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित करके माल्यार्पण किया। अधिवक्ता राकेश रस्तोगी ने वेद मंत्रों से शुरू किए गए अपने उद्बोधन में शिक्षक के अधिकार एवं कर्तव्य पर विचार केंद्रित करते हुए शिक्षक शिक्षा एवं शिक्षार्थी के बीच अटूट संबंध को रेखांकित किया। महिला मंच की जिला अध्यक्ष मीनू रस्तोगी ने कहा कि शिक्षक का सम्मान केवल एक दिन 5 सितंबर को ही नहीं बल्कि हमें हर क्षण हर पल शिक्षकों का कृतज्ञ रहना चाहिए। क्योंकि उनके प्रेरित करने से हम अपने जीवन को सुधार पाए हैं बना पाए हैं। हिंदू जागृति युवा मंच के प्रदेश अध्यक्ष वैभव गुप्ता ने अपने संबोधन में कहा कि शिक्षक किसी भी राष्ट्र का भाग्य विधाता भी होता है और राष्ट्र निमार्ता भी। इसलिए हमें शिक्षक का सम्मान अभिनंदन तन मन धन समय हर प्रकार से करना चाहिए। मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा नेता राजेश सिंघल नेहा मलय एवं हिंदू जागृति युवा मंच के प्रदेश अध्यक्ष वैभव गुप्ता सहित सभी अतिथियों ने राजेंद्र गुर्जर, अमित वार्ष्णेय, रचित रस्तोगी, मोहित गुप्ता, आशा गुप्ता, रूपाली गुप्ता, शुभ्रा गुप्ता, अरविंद शंकर शुक्ला, सुभाष चंद्र शर्मा, अतुल कुमार शर्मा, डॉ. शशिकांत गोयल, पारुल रस्तोगी सहित 40 शिक्षक शिक्षिकाओं को माल्यार्पण करके उपहार भेंट करते हुए उनके कार्य और भावनाओं को करबद्ध नमन किया। हिंदू जागृति मंच के विकास कुमार वर्मा ने डॉक्टर सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जन्म दिवस को शिक्षक दिवस के रूप में मनाने की बात कहकर डॉक्टर सर्वपल्ली राधाकृष्णन के व्यक्तित्व कृतित्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। मुख्य वक्ता के रूप में समाजसेवी सजल सिंघल ने हिंदू जागृति युवा मंच द्वारा आयोजित शिक्षक सम्मान समारोह की भूरि भूरि प्रशंसा की और कहा कि युवा पीढ़ी को बड़ों के सम्मान अभिनंदन में सदैव आगे रहना चाहिए और इसी कर्तव्य का पालन करते रहने का संकल्प हिंदू जागृति युवा मंच में दिखाई दे रहा है जो शेष समाज को भी प्रेरित करेगा।

उन्होंने सामाजिक संस्था हिंदू जागृति एवं मंच द्वारा शिक्षक सम्मान समारोह आयोजित करने के लिए दूरगामी संदेश देने की बात कही। पंकज सांख्यधर, निहाल वाल्मीकि, अभिषेक गुप्ता, वंश ठाकुर, साहिल गांधी आदि ने अपने विचार व्यक्त किये। समारोह की अध्यक्षता हिंदू जागृति महिला मंच की प्रदेश अध्यक्ष नेहा मलय ने की और संचालन सुबोध कुमार गुप्ता एवं अंकुश त्यागी ने संयुक्त रूप से किया।

लगातार बारिश से धान की फसल को नुकसान की आशंका, किसानों को सतर्क रहने की सलाह

खेतों से तत्काल जल निकासी करें किसान, धान में पौध गिरने, दाने काले पड़ने एवं फफूंदजनित रोगों से बचाव के लिए अपनाएं जरूरी उपाय

समाज जागरण

संभल।जनपद सम्भल में पिछले कई दिनों से लगातार हो रही बारिश को देखते हुए अगेती धान की फसल में नुकसान की संभावना बनी हुई है। बारिश के साथ तेज हवा चलने पर निकलती हुई बालियों तथा दाना भरने की अवस्था वाली धान की फसल के पौधे गिर सकते हैं। इससे पौध सड़न, दाने काले पड़ने, परागण प्रभावित होने तथा विभिन्न फफूंदजनित रोगों के प्रकोप की संभावना बढ़ जाती है।

उप कृषि निदेशक अरुण कुमार त्रिपाठी ने बताया कि किसान भाई सबसे पहले खेतों में जलभराव न होने दें तथा खेत से अतिरिक्त पानी की तत्काल निकासी सुनिश्चित करें। यदि धान के पौधे गिर गए हैं तो उन्हें बाली के नीचे से बांध दें। गिरे हुए पौधों में सड़न की समस्या दिखाई देने पर कार्बेन्डाजिम 2 ग्राम प्रति लीटर पानी की दर से घोल बनाकर छिड़काव किया जा सकता है।

उन्होंने बताया कि लगातार बारिश के मौसम में धान की निकलती हुई बालियों में परागण प्रभावित हो सकता है तथा दाने काले पड़ने के साथ अन्य फफूंदजनित रोग भी लग सकते हैं। अधिक नमी तथा लगभग 25 से 35 डिग्री सेल्सियस तापमान की स्थिति में धान में हल्दिया कंडवा रोग के प्रकोप की संभावना बढ़ जाती है। खेत में यूरिया का अत्यधिक प्रयोग करने पर इस रोग का प्रकोप तेजी से बढ़ सकता है। रोग के फफूंद बीजाणु हवा के माध्यम से स्वस्थ पौधों तक भी पहुंच सकते हैं।

हल्दिया कंडवा रोग के प्रकोप में दानों का आकार असामान्य रूप से बढ़ने लगता है तथा उनका रंग बदलकर बाद में काला पड़ सकता है। प्रभावित दाने खोखले हो जाते हैं और उनका वजन भी कम हो जाता है।

उप कृषि निदेशक ने बताया कि इस रोग से बचाव के लिए धान की बुवाई से पूर्व कार्बेन्डाजिम 2 ग्राम प्रति किलोग्राम बीज की दर से बीज उपचार करना चाहिए। किसानों को संतुलित मात्रा में उर्वरकों का प्रयोग करने की सलाह दी गई है। यदि खेत के किसी हिस्से में संक्रमित बालियां दिखाई दें तो उन्हें तत्काल खेत से निकालकर जमीन में गाड़ दें अथवा सुरक्षित तरीके से नष्ट कर दें।

रोग नियंत्रण के लिए कॉपर ऑक्सीक्लोराइड 50 प्रतिशत डब्ल्यू.पी. 2.5 ग्राम प्रति लीटर पानी, अथवा टेबुकोनाजोल 25.9 प्रतिशत ई.सी. 1 मिलीलीटर प्रति लीटर पानी, अथवा हेक्साकोनाजोल 5 प्रतिशत एस.सी. 1 से 2 मिलीलीटर प्रति लीटर पानी की दर से बालियां निकलने से पूर्व छिड़काव करने की सलाह दी गई है।

जिलाधिकारी अंकित खण्डेलवाल ने कहा कि लगातार बारिश के कारण धान की फसल में जलभराव एवं रोगों की संभावना को देखते हुए किसानों को समय रहते आवश्यक सावधानियां बरतनी चाहिए। किसान खेतों से अतिरिक्त पानी की निकासी तत्काल सुनिश्चित करें और फसल में किसी भी प्रकार के रोग या नुकसान के लक्षण दिखाई देने पर कृषि विभाग के अधिकारियों एवं विशेषज्ञों से सलाह लेकर आवश्यक उपचार करें।

ग्राम खानपुर खुमार में लगा राजस्व मेला, 30 प्रकरणों का मौके पर हुआ निस्तारण

अंश, नाम संशोधन, फार्मर रजिस्ट्री एवं निर्विवाद वरासत से संबंधित मामलों का किया गया त्वरित समाधान

समाज जागरण

संभल। जिलाधिकारी अंकित खण्डेलवाल के निदेर्शानुसार एवं उप जिलाधिकारी सम्भल विकास चन्द्र के निर्देशन में आज तहसील सम्भल के ग्राम खानपुर खुमार में वृहद राजस्व मेले का आयोजन किया गया। राजस्व मेले का उद्देश्य ग्रामीणों की राजस्व संबंधी समस्याओं एवं प्रकरणों का मौके

पर ही त्वरित, पारदर्शी एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करना रहा।

राजस्व मेले में ग्रामीणों की सुविधा के लिए विभिन्न स्टॉल स्थापित किए गए, जिनके माध्यम से अंश संशोधन, अभिलेखीय/नाम संशोधन, प्रमाण-पत्र निर्माण, शिकायत पंजीकरण, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, निर्विवाद वरासत/वरासत संबंधी वाद, सार्वजनिक भूमि संरक्षण तथा फार्मर रजिस्ट्री सहित राजस्व से संबंधित विभिन्न सेवाएं उपलब्ध कराई गईं। मेले के दौरान अंश, नाम संशोधन, फार्मर रजिस्ट्री एवं निर्विवाद वरासत से संबंधित कुल 30 आवेदनों/प्रकरणों का मौके पर ही निस्तारण किया गया। अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा ग्रामीणों की समस्याओं को गंभीरतापूर्वक सुनते हुए संबंधित अभिलेखों की जांच कर नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई की गई। राजस्व विभाग द्वारा आयोजित इस मेले से ग्रामीणों को तहसील कार्यालय के अनावश्यक चक्कर लगाने से राहत मिली तथा उन्हें अपनी राजस्व संबंधी समस्याओं के समाधान के लिए स्थानीय स्तर पर ही सुविधा उपलब्ध हुई। उप जिलाधिकारी सम्भल विकास चन्द्र ने संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देशित किया कि राजस्व मेले में प्राप्त प्रकरणों का निस्तारण शासन की मंशा के अनुरूप समयबद्ध, निष्पक्ष एवं गुणवत्तापूर्ण ढंग से किया जाए तथा ग्रामीणों को राजस्व सेवाओं का लाभ प्राप्त करने में किसी प्रकार की असुविधा न हो।

गुणवत्तापूर्ण शैक्षिक सेवाओं के लिए डॉ. संगीता गोयल को समिति ने किया सम्मानित

समाज जागरण

चन्दौसी। नारायण सेवा समिति रजि. द्वारा शिक्षक दिवस के अवसर पर एन.के.बी.एम.जी. कॉलेज में प्रोफेसर एवं प्रभारी संस्कृत विभाग डॉ. संगीता गोयल को उनके सुन्दर मोहल्ला स्थित आवास पर जाकर उनकी अनवरत और गुणवत्तापूर्ण शैक्षिक सेवाओं के लिए सम्मानित किया गया । कार्यक्रम

के शुभारंभ में समिति के संरक्षक के.जी. गुप्ता ने कहा कि बहनजी का संपूर्ण जीवनकाल विद्यार्थियों को उत्तम शिक्षा और दिशा निर्देशन देने में व्यतीत हो रहा है, हम सब उनके उच्च जीवन स्तर और दीघार्यु होने की कामना करते हैं । नानक चंद आदर्श इंटर कॉलेज के पूर्व प्रधानाचार्य एवं समिति के संरक्षक दृगपाल सिंह ने कहा कि शिक्षा ही एक ऐसा माध्यम है जो मनुष्य जीवन को श्रेष्ठतम श्रेणी प्रदान करता है। डॉ. संगीता गोयल जी ने भी शिक्षा के क्षेत्र में अपने दायित्व को बखूबी निभाया है। प्रबंधक हरीश कठेरिया एडवोकेट ने बताया कि समिति द्वारा प्रतिवर्ष सामूहिक रूप से कई शिक्षकों को सम्मानित करने अलावा समिति के संरक्षक श्रीकृष्ण गोपाल मंगलम्‌ के निर्देश पर डॉ. संगीता को घर पर ही सम्मानित किया जाता है।

कार्यक्रम के अंत में सभी ने डॉ. संगीता जी को शिक्षक दिवस की बधाइयां देते हुए उन्हें शुभकामनाएं प्रेषित की। अधिराज गुप्ता को भी कृष्णस्वरूप में चुलबुली शरारतों के लिए सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर राजेश कुमार गोयल, आशीष कुमार गुप्ता, अपूर्वा गोयल एवं अधिराज गुप्ता आदि उपस्थित रहे।

बमनेटा के निकट सड़क हादसे में छह लोगों की मृत्यु, पांच घायल

जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने घटनास्थल का निरीक्षण कर घायलों के उपचार के दिए निर्देश

समाज जागरण

बहजोई। आगरा-मुरादाबाद राष्ट्रीय राजमार्ग पर ग्राम बमनेटा के निकट एक दुखद सड़क हादसा हो गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, ट्राइसाइकिल को बचाने के प्रयास में एक ऑटो सामने से आ रहे बजरी लदे डंपर से टकरा गया। हादसे में छह लोगों की मृत्यु की आधिकारिक पुष्टि हुई है, जबकि पांच लोग घायल हुए हैं।

दुर्घटना की सूचना मिलते ही जिलाधिकारी अंकित खण्डेलवाल एवं पुलिस अधीक्षक विकास चन्द्र त्रिपाठी ने घटनास्थल पर पहुंचकर निरीक्षण किया तथा हादसे के कारणों की जानकारी ली। दुर्घटना के कारणों की विस्तृत जांच के लिए उप जिलाधिकारी चंदौसी, क्षेत्राधिकारी बहजोई, ट्रैफिक क्षेत्राधिकारी तथा एआरटीओ की संयुक्त जांच टीम गठित की गई है। जिलाधिकारी ने जांच टीम को एक सप्ताह के भीतर जांच रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं।

जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने हादसे में मृतकों के प्रति गहरी शोक संवेदना व्यक्त की। इसके उपरांत दोनों अधिकारियों ने श्री बांकेबिहारी अस्पताल पहुंचकर घायलों का हालचाल जाना और उनके उपचार की स्थिति की जानकारी ली। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि घायलों के उपचार में किसी प्रकार की कमी न रहे तथा उनका उपचार प्रशासन की ओर से कराया जाए। इसके बाद जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, बहजोई पहुंचकर भी घायलों का हालचाल जाना। जिलाधिकारी ने मुख्य चिकित्सा अधिकारी को घायलों के समुचित एवं बेहतर उपचार के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

हादसे में गंभीर रूप से घायल ब्रजकिशोर को जिला अस्पताल से बेहतर उपचार के लिए कॉसमॉस अस्पताल, मुरादाबाद रेफर किया गया है।

जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी घायलों के उपचार की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। साथ ही, मृतकों के आश्रितों को शासन की पात्र योजनाओं का लाभ दिलाना सुनिश्चित किया जाए तथा मोटर वाहन अधिनियम के अंतर्गत देय लाभ भी नियमानुसार उपलब्ध कराया जाए।

नजीबुद्दौला गर्ल्स इंटर कॉलेज मे शिक्षक दिवस के अवसर पर भव्य कार्यक्रम का आयोजन हुआ

समाज जागरण ब्यूरो शमीम सिद्दीकी

जनपद बिजनौर नजीबाबाद नजीबुद्दौला गर्ल्स इंटर कॉलेज, नजीबाबाद में 5 सितंबर को शिक्षक दिवस के अवसर पर भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय की प्रधानाचार्या शबाना परवीन के मार्गदर्शन में किया गया।

कार्यक्रम में छात्राओं ने शिक्षकों के सम्मान में भाषण, कविता, गीत एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियां प्रस्तुत कर सभी का मन मोह लिया। छात्राओं ने अपने शिक्षकों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि शिक्षक विद्यार्थियों को शिक्षा देने के साथ-साथ उन्हें जीवन में आगे बढ़ने और सही मार्ग चुनने की प्रेरणा देते हैं।

इस अवसर पर *कार्यक्रम अधिकारी गजाला मुमताज* सहित विद्यालय की शिक्षिकाओं ने छात्राओं को शिक्षक दिवस के महत्व के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि शिक्षक समाज के निर्माण की मजबूत नींव हैं। एक अच्छे

शिक्षक का मार्गदर्शन विद्यार्थी के जीवन को नई दिशा प्रदान करता है। प्रबन्धक महोदय सुहैल उर रहमान जी ने सभी शिक्षकों को दिवस की शुभकामनाएं देते हुए छात्राओं के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को अपने शिक्षकों का सम्मान करते हुए उनके बताए आदर्शों को अपने जीवन में अपनाना चाहिए।

कार्यक्रम के अंत में छात्राओं ने शिक्षकों के प्रति सम्मान एवं कृतज्ञता व्यक्त की। पूरे विद्यालय परिसर में उत्साह, उमंग और सम्मान का वातावरण रहा।

बाजार से लौट रहे बुजुर्ग को अज्ञात वाहन ने मारी टक्कर, इलाज के दौरान हुई मौत

समाज जागरण
ब्यूरो शमीम सिद्दीकी

जनपद बिजनौर जनपद बिजनौर के शेरकोट अज्ञात वाहन द्वारा टक्कर मार दिए जाने से गम्भीर रूप से हादसे में घायल उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। घटना से परिवार में कोहराम मच गया। जानकारी के अनुसार ग्राम मुबारकपुर निवासी यादराम सिंह गांव में लगने वाले साप्ताहिक बाजार से सामान खरीदकर घर लौट रहे थे। बताया जाता है कि वह हाईवे पार कर रहे थे। इसी दौरान धामपुर की ओर से अफजलगढ़ की ओर जा रहे तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने उन्हें टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही वह सड़क पर गिर पड़े और गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद मौके पर ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गई। सूचना मिलते ही परिजन घटना स्थल पर पंहुचे और घायल वृद्ध को उपचार के लिए धामपुर ले गए, जंहा उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। वृद्ध की मौत की खबर मिलते ही परिजनों में चीख-पुकार मच गई। परिजनों ने पुलिस को घटना की सूचना नही दी और मृतक का अंतिम संस्कार कर दिया। बताया जाता है कि मृतक अविवाहित थे और अपने भाइयों के साथ रहते थे।

उदय नारायण राय के निधन पर शोक संवेदना प्रकट करने पहुंचे डा0 अजीत सिंह

**बिकास राय ब्यूरो चीफ
गाजीपुर समाज जागरण**

गाजीपुर जनपद के मोहम्मदाबाद तहसील क्षेत्र के गोंडी निवासी उदय नारायण राय उम्र 70 वर्ष का हार्ट अटैक के कारण दिनांक 27 अगस्त गुरूवार को निधन हो गया।शोक संवेदना प्रकट करने वाले लोगों का शनिवार से पहुंचने का क्रम जारी है। प्रयागराज निवासी डाक्टर अजीत सिंह संपादक भोजपुरी संगम मासिक पत्रिका,घोसी सांसद राजीव राय ,पंकज राय वरिष्ठ पत्रकार इलाहाबाद विश्वविद्यालय के शताब्दी अध्यक्ष व सपा नेता एस पी पांडेय,पूर्व केन्द्रीय मंत्री स्व. कल्पनाथ राय के पौत्र व भाजपा नेत्री सीता राय के पुत्र अनंत राय।
डीसीएसके पीजी कॉलेज मऊ के छात्र संघ अध्यक्ष पद्मेश तिवारी, स्नातक एम एल सी देवेंद्र सिंह जी के प्रतिनिधि भदीड़ मऊ निवासी माखन सिंह, प्रधान बरबोझी बबलू सिंह, प्रधान देवलास अभिषेक यादव, श्याम बहादुर राय राजापुर, दिनेश राय गुड्डू प्रोपराइटर बिनायक प्रोडक्ट ,भाजपा किसान मोर्चा गाजीपुर अध्यक्ष कृष्णानंद राय, मेरठ यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर मयंक राय, इलाहाबाद विश्वविद्यालय से डॉ गौरव राय, असिटेंट कमिश्नर सेल टैक्स नोएडा प्रशांत राय, एपीओ मऊ प्रशांत राय, जोगा निवासी जेपी राय, जोगा निवासी राजेश राय, क्षेत्र पंचायत सदस्य जोगा गोलू श्रीवास्तव, मऊ से सांसद घोसी प्रतिनिधि प्रभात राय, संतोष राय, आशुतोष शाही, अमित सिंह, सुधीर सिंह , जहूराबाद सपा नेता अविनाश विद्यार्थी, सैदपुर से इलाहाबाद विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र संघ अध्यक्ष प्रत्याशी अजीत विधायक, समेत ढेर सारे लोगों ने गोंडी पहुंच कर शोक संवेदना प्रकट किया। मृत्युंजय राय ने बताया की त्रयोदशाह एवं श्रद्धांजलि का कार्यक्रम 8 सितंबर दिन मंगलवार को आयोजित किया जाएगा।

हार्टमनपुर में धूमधाम से मनाया गया शिक्षक दिवस एवं मदर टेरेसा निर्वाण दिवस

बच्चे और शिक्षक दोनों देश की उम्मीद है" - फादर पी० विक्टर

**बिकास राय ब्यूरो चीफ
गाजीपुर समाज जागरण**

हार्टमन इंटर कॉलेज ,हार्टमनपुर गाजीपुर में मदर टेरेसा निर्वाण दिवस एवं शिक्षक दिवस मनाया गया जिसके अंतर्गत सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया।
सर्वप्रथम अजीत कुमार, गणित अध्यापक द्वारा मुख्य अतिथि एवं सभी आगंतुकों का स्वागत किया गया। इसके बाद संत मदर टेरेसा एवं डॉ० सर्वपल्ली राधाकृष्णन के चित्र पर फादर पी० विक्टर, मुख्य अतिथि , आगंतुकों एवं सभी अध्यापकों द्वारा पुष्पांजलि अर्पित किया गया।
सांस्कृतिक कार्यक्रम का शुभारंभ सीनियर बालिकाओं द्वारा प्रार्थना नृत्य प्रस्तुत कर किया गया। प्राइमरी बच्चों द्वारा बधाई गीत प्रस्तुत किया गया। अनीशा शर्मा (9 ब) और राजकमल कुशवाहा (11 ब) ने क्रमशः हिंदी व अंग्रेजी में भाषण दिए। इसके पश्चात प्राइमरी प्रभाग के बच्चों द्वारा शिक्षक के महत्व एवं शिक्षक और विद्यार्थियों के बीच पवित्र रिश्ते तथा संत मदर टेरेसा द्वारा गरीब एवं असहाय लोगों पर दया और प्रेम को प्रेरणादायक एकांकियों के माध्यम से प्रस्तुत किया गया।
विगत वर्ष से फादर पी० विक्टर द्वारा प्रारंभ की गई एक नई परंपरा जिसमें सभी शिक्षकों को उनके द्वारा अपने कर्तव्यों एवं जिम्मेदारियो के सकुशल निर्वहन हेतु शपथ दिलाया गया। तत्पश्चात अध्यापकों द्वारा केक काटा गया एवं फादर पी० विक्टर द्वारा सभी अध्यापकों को उपहार भेंट किया गया।
कार्यक्रम के अगले कड़ी में मुख्य अतिथि अखिलेश कुमार सिंह, भूतपूर्व भूगोल प्रवक्ता, हार्टमन इंटर कॉलेज, हार्टमनपुर गाजीपुर तथा भूतपूर्व प्रधानाचार्य श्री रामशरण इंटर कॉलेज बसंतपुर, बलिया ने बच्चों को संबोधित करते हुए बताया कि यदि व्यक्ति अपने जीवन में ईमानदारी और अनुशासन का पालन करें तो वह हर मुकाम हासिल कर सकता है। त्रिभुज के कोणों के माध्यम से उन्होंने बच्चों को सरलता और विनम्रता से लक्ष्य प्राप्ति का मूल मंत्र बताए। उनके संबोधन के पश्चात फादर पी० विक्टर द्वारा मुख्य अतिथि को अंग वस्त्र,उपहार एवं गमला सहित पौधा प्रदान किया गया।
कार्यक्रम का समापन फादर पी० विक्टर के संबोधन से हुआ। सर्वप्रथम उन्होंने सभी अध्यापकों को शिक्षक दिवस की ढेर सारी शुभकामनाएं दिए और बताया कि बच्चे और शिक्षक दोनों हमारे उम्मीद है। शिक्षक एक सड़क मात्र है और विद्यार्थी हमारे बिना चल नहीं पाएंगे क्योंकि हमें किसी मंजिल तक जाने के लिए सड़क की आवश्यकता पड़ती है। हमें खुशी है कि तुम हमारे बताए हुए रास्ते पर चलकर आगे बढ़ते हो और हम उस सड़क को समतल एवं सुंदर बनने का सदैव प्रयास करते रहते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से आग्रह किया कि आप सबको अपने अध्यापकों, माता-पिता तथा बड़ों को सम्मान देना चाहिए । साथ ही शिक्षकों से भी विनम्र आग्रह किया कि आप बच्चों को अधिक से अधिक प्रेरित करें ताकि उनका भविष्य निर्माण के साथ-साथ चरित्र निर्माण का विकास हो सके।
अंत में सभी अध्यापकों को जलपान कराकर विदा किया गया।

करीमुद्दीन पुर में आयोजित जनसंवाद कार्यक्रम में शामिल हुए पंचायती राज मंत्री ओमप्रकाश राजभर

जनता से जनसंवाद कार्यक्रम में करीमुद्दीन पुर में बस अड्डा एवं ब्लाक स्थापित करने एवं अन्य बिकास कार्यो के लिए

**बिकास राय ब्यूरो चीफ
गाजीपुर समाज जागरण**

गाजीपुर जनपद के करीमुद्दीनपुर स्थित स्वागतम मैरेज हाल में क्षेत्रीय लोगों के साथ जनसंवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में क्षेत्र के विकास से जुड़े कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर विस्तार से चर्चा हुई।
जनसंवाद के दौरान ग्रामीण करीमुद्दीनपुर में मंगई नदी की समस्या के स्थायी समाधान की मांग प्रमुखता से उठाए। इसके साथ ही दशकों पुरानी ब्लॉक मुख्यालय और रोडवेज बस डिपो स्थापित किए जाने की मांग भी जोर-शोर से रखी गई।
कार्यक्रम के मुख्य अतिथि क्षेत्रीय विधायक एवं प्रदेश सरकार के पंचायती राज मंत्री ओमप्रकाश राजभर ने माना की क्षेत्र की सबसे बड़ी समस्या मंगई नदी है। इसके समाधान के लिए पूरा प्रयास किया जाएगा। उन्होंने कि इससे करीब दस हजार बीघा भूमि में किसानों को खेती का लाभ मिल सकेगा।
मंत्री ओमप्रकाश राजभर ने कहा कि करीमुद्दीनपुर में शीघ्र ही बस अड्डा स्थापित किया जाएगा। इसके अलावा रेलवे आरक्षण केंद्र और अन्य जरूरी सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए भी प्रयास किए जाएंगे।
करीमुद्दीनपुर में ब्लॉक मुख्यालय स्थापित करने के लिए प्रस्ताव मुख्यमंत्री को भेज दिया गया है। वहीं आयुष्मान कार्ड से वंचित जरूरतमंद लोगों के इलाज के सवाल पर उन्होंने कहा कि सरकार मुख्यमंत्री सहायता कोष के माध्यम से उपचार के लिए आर्थिक सहायता उपलब्ध कराती है।
जनसंवाद के दौरान राजभर राजनीतिक मुद्दे पर समाजवादी पार्टी पर भी निशाना साधे। कहे कि सपा को पहले भाजपा से नहीं, बल्कि उनसे लड़ना पड़ेगा। साथ ही दावा किए कि 2027 में सत्ता में वापसी के लिए सपा को अभी और इंतजार करना पड़ेगा।
इस दौरान ग्रामीणों ने मंत्री को मांगपत्र सौंपकर करीमुद्दीनपुर में ब्लॉक मुख्यालय स्थापित करने की मांग किया। मांगपत्र में बताया गया कि मुहम्मदाबाद-चितबड़ागांव मार्ग पर ब्लॉक मुख्यालय के लिए पर्याप्त भूमि उपलब्ध है।
ग्रामीणों ने बताया की क्षेत्र में रेलवे स्टेशन, कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय, ब्लॉक संसाधन केंद्र, यूनियन बैंक, सहकारी बैंक, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र और पशु चिकित्सालय जैसी महत्वपूर्ण सुविधाएं पहले से मौजूद हैं। ऐसे में करीमुद्दीनपुर में ब्लॉक मुख्यालय स्थापित होने से क्षेत्र के लोगों को प्रशासनिक कार्यों के लिए दूर नहीं जाना पड़ेगा।
ग्रामीणों ने यह भी बताया की करीमुद्दीनपुर की पूर्वांचल एक्सप्रेसवे और ग्रीनफील्ड एक्सप्रेसवे से बेहतर कनेक्टिविटी है। सड़क, रेल और एक्सप्रेसवे की सुविधा उपलब्ध होने के कारण यह स्थान प्रशासनिक केंद्र के लिए उपयुक्त है।
कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. दिनेश चंद्र राय और संचालन विनोद राय गुड्डू के द्वारा किया गया। इस अवसर पर पूर्व प्रधान प्रतिनिधि राजेश राय,भारत भूषण पाण्डेय टिंकू,पंकज राय प्रगतिशील किसान, हिमांशु राय पूर्व प्रधान,कृष्णानंद राय, छांगुर राय, मुन्ना राय,गोपाल राय, सुनील राय, रमेश चन्द्र राय, संदीप वर्मा, अखिलेश चौरसिया,राजेश राय बब्लू,सोनू शर्मा,दीपक स्वर्णकार, अनिल राय,सुरेश राजभर, देवेंद्र सिंह देवा, जगनिवास राय, रामदहिन पासवान, टुनटुन सिंह,पिंटू राय, श्रीप्रकाश राय, बब्लू जायसवाल, ओम प्रकाश तिवारी,कृष्णानंद राय, आशुतोष राय,अवनीश राय, मृत्युंजय राय बुल्लू,ओम प्रकाश तिवारी सहित ढेर सारे लोग उपस्थित रहे।

शिक्षक केवल किताबी ज्ञान ही नहीं देता, बल्कि जीवन जीने की कला भी सिखाता है-डा0 मसूद अहमद

विद्यालय में हर्षोल्लास से मनाया गया शिक्षक दिवस, निदेशक व प्रधानाचार्य ने दी शिक्षकों को बधाई

**बिकास राय ब्यूरो चीफ
गाजीपुर समाज जागरण**

गाजीपुर जनपद के ताज पब्लिक स्कूल ताजपुर में दिनांक 5 सितंबर को शिक्षक दिवस बड़े ही हर्ष और सम्मान के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में विद्यालय के डायरेक्टर और प्रिंसिपल ने शिक्षकों के योगदान को याद करते हुए छात्रों को शिक्षक के महत्व के बारे में बताया।
विद्यालय के डायरेक्टर डॉ० मसूद अहमद ने अपने वक्तव्य में कहा कि जीवन में सबसे पहली शिक्षा हमें अपनी माँ की गोद से मिलती है। माँ ही हमारी पहली शिक्षिका होती है, जो हमें बोलना, चलना और संस्कार सिखाती है। इसके बाद जब बच्चा विद्यालय आता है, तो वहाँ प्राइमरी शिक्षक की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण होती है। प्राइमरी शिक्षक ही बच्चे के जीवन की नींव को मजबूत करता है। जितनी इमारत की नींव मजबूत होगी, वैसे ही बच्चा आगे चलकर सफल होता है।
उन्होंने कहा कि समाज में चाहे डॉक्टर हो, इंजीनियर हो, मेजर हो या कोई बड़ा वैज्ञानिक, उन सभी को तैयार करने वाला एक शिक्षक ही होता है। इसलिए शिक्षक को राष्ट्र निमार्ता कहा जाता है। शिक्षक केवल किताबी ज्ञान ही नहीं देता, बल्कि जीवन जीने की कला भी सिखाता है।
विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ० रियाजुद्दीन अंसारी ने इस अवसर पर भारत के पूर्व राष्ट्रपति डॉ सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जीवन पर प्रकाश डाला।
डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन का संक्षिप्त जीवन परिचय देते हुए उन्होंने कहा कि उनका जन्म 5 सितंबर 1888 को तमिलनाडु के तिरुत्तानी गाँव में हुआ था। वे एक महान शिक्षक, दार्शनिक और लेखक थे। उन्होंने अपने जीवन के 40 वर्ष एक शिक्षक के रूप में बिताए। वे भारत के पहले उपराष्ट्रपति और दूसरे राष्ट्रपति बने। शिक्षा के क्षेत्र में उनके योगदान को देखते हुए भारत सरकार ने उन्हें भारत रत्न से सम्मानित किया।
शिक्षक दिवस मनाने का कारण बताते हुए प्रिंसिपल महोदय ने बताया कि डॉ. राधाकृष्णन का जन्मदिन 5 सितंबर को है। जब उनके छात्रों ने उनका जन्मदिन मनाने की इच्छा जताई, तो उन्होंने कहा कि मेरा जन्मदिन शिक्षक दिवस के रूप में मनाया जाए, ताकि सभी शिक्षकों का सम्मान हो सके। तभी से 1962 से हर साल 5 सितंबर को शिक्षक दिवस मनाया जाता है।
अंत में उन्होंने छात्रों से कहा कि सभी छात्रों को अपने शिक्षकों का आदर करना चाहिए और उनके द्वारा दिखाए गए मार्ग पर चलना चाहिए, तभी उनका और देश का भविष्य उज्जवल होगा।
कार्यक्रम में विद्यालय के कक्षा 7 के छात्र मोहम्मद यूसुफ ने शिक्षकों के सम्मान में अपने वक्तव्य में शिक्षकों के प्रति आभार प्रकट करते हुए कहा कि शिक्षा के अलावा शिक्षक छात्रों को नैतिकता, सदाचार,व्यावहारिक ज्ञान सिखाते हैं और भविष्य का मार्गदर्शन करते हैं। कार्यक्रम का समापन छात्रों द्वारा शिक्षकों के सम्मान और डायरेक्टर द्वारा शिक्षकों को उपहार देने के साथ हुआ।

विधायक प्रेमपाल सिंह धनगर के आश्वासन पर श्रीराम कॉलोनी का धरना समाप्त

नगर निगम की टीम ने मांगा 45 दिन का समय, तत्काल मिट्टी डालने का कार्य शुरू करने के निर्देश

समाज जागरण

फिरोजाबाद। श्रीराम कॉलोनी में विकास कार्यों की मांग को लेकर पिछले पांच दिनों से चल रहा धरना रविवार को विधायक टूंडला प्रेमपाल सिंह धनगर के हस्तक्षेप के बाद समाप्त हो गया। विधायक ने धरना स्थल पर पहुंचकर धरने पर बैठे लोगों से वार्ता की और नगर निगम के अधिकारियों को मौके पर बुलाकर कार्य शुरू कराने के निर्देश दिए।
विधायक प्रेमपाल सिंह धनगर ने सहायक नगर आयुक्त सहित नगर निगम की पूरी टीम को मौके पर बुलाया और अधिकारियों से पूछा कि कॉलोनी में विकास कार्य कितने समय में पूरा हो जाएगा। नगर निगम के अधिकारियों ने कार्य पूरा करने के लिए 45 दिन का समय मांगा। विधायक ने तत्काल मिट्टी डालने का कार्य शुरू कराने के निर्देश दिए, जिसके बाद धरने पर बैठे लोगों ने सहमति जताते हुए धरना समाप्त कर दिया। विधायक ने धरने पर बैठे सभी लोगों को कोल्ड ड्रिंक पिलाकर धरना समाप्त कराया।
धरने पर बैठे पंडित अखिलेश शर्मा ने कहा कि नगर निगम ने 45 दिन का समय मांगा है, लेकिन क्षेत्रवासी 60 दिन का समय दे रहे हैं। यदि निर्धारित अवधि में कार्य पूर्ण नहीं हुआ तो 70वें दिन कलेक्ट्रेट पर बड़ा धरना-प्रदर्शन किया जाएगा।
विधायक प्रेमपाल सिंह धनगर ने नगर निगम के अधिकारियों को सख्त निर्देश देते हुए कहा कि जनता की समस्याओं के समाधान के लिए नगर निगम को तत्परता से कार्य करना चाहिए। विकास कार्यों में किसी प्रकार की लापरवाही नहीं होनी चाहिए।
धरने में राजबहादुर तेनगुरिया, नवीन मिश्रा, सोनू मिश्रा, दिलीप राजपूत, संजय दुबे, श्री रामकृष्ण दुबे, विमल यादव, छोटेलाल राजपूत, वीरेश, सुनीता शर्मा, विकास तोमर, अनमोल तोमर, मयंक चतुर्वेदी, नीतू शुक्ला, रविंद्र परिहार सहित क्षेत्र के अनेक लोग मौजूद रहे।
धरना समाप्त होने पर पंडित अखिलेश शर्मा ने सभी समर्थकों एवं सहयोगियों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने विशेष रूप से कौशल किशोर उपाध्याय, राष्ट्रीय अधिकार मोर्चा के अध्यक्ष अरुण प्रताप शर्मा एवं उनकी पूरी टीम, समाजवादी पार्टी के प्रतिनिधिमंडल, ब्राह्मण महासभा के पदाधिकारियों, कासमी वेलफेयर सोसाइटी, भारतीय किसान यूनियन भानू के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूरी किसान यूनियन टीम, संजय शर्मा सहित धरने में सहयोग करने वाले सभी पदाधिकारियों का धन्यवाद किया। उन्होंने श्रीराम कॉलोनी के विकास की आवाज बुलंद करने और धरने को समर्थन देने वाले सभी क्षेत्रवासियों का भी आभार व्यक्त किया।

कायाकल्प साहित्य कला फाउंडेशन का 37वां स्थापना दिवस संपन्न, कायाकल्प गौरवश्री सम्मान 2026 से सम्मानित हुए पवन राज सिंह

समाज जागरण

नोएडाः सेक्टर-27 स्थित क्लब में साहित्य और कला के क्षेत्र में अग्रणी संस्था कायाकल्प साहित्य कला फाउंडेशन का 37वां स्थापना दिवस, सम्मान समारोह एवं सरस काव्य संध्या धूमधाम और गरिमा के साथ आयोजित की गई। कार्यक्रम में साहित्यकारों, कवियों, पत्रकारों और समाजसेवियों का समागम देखने को मिला।
फाउंडेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अशोक मधुप ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि संस्था पिछले 37 वर्षों से मां शारदे के चरणों में समर्पित होकर साहित्य और संस्कृति की सेवा कर रही है। उन्होंने कहा कि स्थापना दिवस के इस ऐतिहासिक अवसर पर उन विभूतियों को सम्मानित किया गया है, जिन्होंने अपने-अपने क्षेत्रों में उत्कृष्ट और अनुकरणीय योगदान दिया है।

विभिन्न श्रेणियों में दिए गए 'कायाकल्प सम्मान 2026'

कायाकल्प साहित्य शिरोमणि सम्मान, 2026: दिल्ली की लब्धप्रतिष्ठ वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. सविता चड्ढा एवं देहरादून के वरिष्ठ साहित्यकार सत्य प्रकाश शर्मा 'सत्य'।
कायाकल्प जे. सी. वर्मा स्मृति सम्मान, 2026: नोएडा के प्रतिष्ठित समाजसेवी कन्हैया लाल।
कायाकल्प गौरवश्री सम्मान, 2026: पीएनआई (PNI) न्यूज, नोएडा के संपादक पवन राज सिंह।
कायाकल्प हिन्दी गौरव सम्मान, 2026: कानपुर की प्रतिष्ठित कवयित्री शालिनी राय निगम 'शीरी'।
कायाकल्प साहित्य भूषण सम्मान, 2026: दिल्ली की अंतर्राष्ट्रीय शायरा डॉ. अना देहलवी, दिल्ली की वरिष्ठ कवयित्री व गीतकार डॉ. अनुराधा पाण्डेय, ग्रेटर नोएडा वेस्ट के वरिष्ठ साहित्यकार विजय प्रशान्त, ग्रेटर नोएडा के वरिष्ठ गीतकार डॉ. कुमार आदित्य, गाज़ियाबाद के वरिष्ठ कवि पीयूष कान्ति, गाज़ियाबाद के प्रतिष्ठित शाइर मासूम गाज़ियाबादी और नोएडा के वरिष्ठ गीतकार अशोक कश्यप।
कायाकल्प साहित्यश्री सम्मान, 2026: खुर्जा की ओजस्वी कवयित्री पूनम अदा, मुंबई की प्रतिष्ठित गजलकार सुमंगला सुमन, दिल्ली के प्रतिष्ठित दोहाकार डॉ. मनोज कामदेव, कानपुर के प्रतिष्ठित गीतकार डॉ. गोविन्द नारायण शाँडिल्य, गाज़ियाबाद के कवि-गजलकार जगदीश मीणा, दिल्ली के गजलकार एवं रेखाचित्रकार संजय कुमार गिरि तथा दिल्ली की प्रतिष्ठित कवयित्री भावना अरोड़ा मिलन।

सरस काव्य संध्या में बही भक्ति और रस की धारा

स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित 'सरस काव्य संध्या' में आमंत्रित देश के जाने-माने कवियों और कवयित्रियों ने अपनी रचनाओं से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। काव्य पाठ करने वाले मुख्य रचनाकारों में कवि जितेन्द्र जीत, कवि दास प्रेम, जमशेद माहिर, उमानाथ त्रिपाठी, सुरेश चन्द्रा, सुरेश चौरसिया, यश त्रिवेदी, विजया एहसास, नलिनी राज मौसम, डॉ. पारुल राज, डॉ. शिल्पा राजपूत, सुमन बहार, संगीता गोयल 'संग', दीपा शर्मा 'उजाला', सुजाता कुमारी, प्रवीण रंजन जौनपुरी और प्रेम सिंह शामिल रहे। सभी कवियों की ओजस्वी, श्रृंगार और समसामयिक रचनाओं पर सदन ने तालियों की गड़गड़ाहट से स्वागत किया।

पिंजरे में एक फंसा,दूसरे ने उड़ाई नींद,सरदारों वाले डेरे पर फिर दिखा गुलदार,दहशत में ग्रामीण, वन विभाग बेपरवाह

**समाज जागरण
ब्यूरो शमीम सिद्दीकी**

जनपद बिजनौर सहसपुर। कुछ दिनों ही पहले यहां सहसपुर देहात स्थित सरदारों डेरे से जहां आदिल प्रधान की कोशिशों से वन विभाग द्वारा लगाए गए पिंजरे में गुलदार पकड़ा गया था जिसके बाद ग्रामीणों ने राहत की सांस ली थी लेकिन अब हर रात फिर अन्य गुलदारो की चहल कदमी ने फिर से ग्रामीणों की नींद उड़ा दी है ।आदिल प्रधान ने बताया है कि कई बार वन विभाग को सूचना देने के बाद विभाग लगातार टाल मटोल कर रहा है शायद विभाग कोई अप्रिय घटना के इन्तजा में है। तमाम ग्रामीणों और आदिल प्रधान ने प्रशासन से इन गुलदारों को पकड़ने की मांग उठाई है।

पांच घंटे में 39 वारंटी गिरफ्तार, 37 पर एनबीडब्ल्यू

समाज जागरण

फिरोजाबाद। वारंटी और वांछित आरोपियों की धरपकड़ के लिए पुलिस ने शनिवार रात विशेष अभियान चलाया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक आदित्य लांग्हे के निर्देशन में रात 12 बजे से सुबह पांच बजे तक चले अभियान में पुलिस ने 39 आरोपियों को गिरफ्तार किया। इनमें 37 एनबीडब्ल्यू वारंटी और दो एसआर वांछित आरोपी शामिल हैं। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपियों को न्यायालय में पेश किया जाएगा। अभियान के दौरान सिटी सर्किल में रसूलपुर से आठ, उत्तर से छह और दक्षिण थाने से दो आरोपी गिरफ्तार किए गए।
टूंडला सर्किल में टूंडला से दो, पचोखरा और नारखी से एक-एक आरोपी पकड़ा गया। सिरसागंज सर्किल में सिरसागंज से दो, नसीरपुर और नगला खंगर से एक-एक गिरफ्तारी हुई।
जसराना सर्किल में एका से तीन, फरिहा और जसराना से एक-एक आरोपी गिरफ्तार हुआ। शिकोहाबाद सर्किल में शिकोहाबाद से पांच और खैरगढ़ से दो आरोपी पकड़े गए। सदर सर्किल के मटसेना थाने से एक आरोपी गिरफ्तार हुआ। वहीं लाइनपार पुलिस ने दो एसआर वांछित आरोपियों को गिरफ्तार किया।
पांच घंटे में 39 की गिरफ्तारी
पुलिस अधिकारियों के मुताबिक पांच घंटे चले अभियान में कुल 39 वारंटी और वांछित आरोपियों की गिरफ्तारी की गई। पुलिस का कहना है कि वारंटी और वांछित आरोपियों के खिलाफ अभियान आगे भी जारी रहेगा।

डॉ. दीपक शर्मा को मिला लायंस विशिष्ट सेवा सम्मान

समाज जागरण

अग्रवाल मंडी टटीरी। लायंस क्लब अग्रवाल मंडी मंडल 321 उ1 की ओर से रविवार को लायंस नेत्र चिकित्सा केंद्र में डॉ. दीपक शर्मा को लायंस विशिष्ट सेवा सम्मान से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर दृष्टिदूत एमजेएफ लायन अभिमन्यु गुप्ता ने कहा कि डॉ. दीपक शर्मा प्रत्येक रविवार को केंद्र

में निशुल्क चिकित्सा सेवाएं दे रहे हैं। जरूरतमंद और वंचित लोगों के लिए उनकी निरंतर सेवा सराहनीय है। लायंस क्लब के सचिव लायन दीपक गोयल ने कहा कि डॉ. दीपक शर्मा ने निशुल्क सेवा देकर समाज के सामने प्रेरणादायक मिसाल कायम की है। लायन पंकज गुप्ता ने कहा कि वे समाज के लिए प्रेरक व्यक्तित्व हैं और उनकी सेवाएं अन्य लोगों को भी जनसेवा के लिए प्रेरित करती हैं। कार्यक्रम में डॉ. दीपक शर्मा का माल्यार्पण कर, पटका पहनाकर, पगड़ी ओढ़ाकर और उपहार देकर सम्मान किया गया। इस दौरान लायन डॉ. रामलाल, लायन वीरेंद्र त्यागी, लायन मनोज गुप्ता, लायन डॉ. प्रदीप नैन, लायन डॉ. मयंक गोयल, कुमारी सोनम सहित करीब 50 मरीज उपस्थित रहे। सम्मान से अभिभूत डॉ. दीपक शर्मा ने कहा कि वे जीवन भर समाज के वंचित और जरूरतमंद लोगों की सेवा करते रहेंगे।

बागपत में शिक्षा की अलख जगाने निकले डॉ. शकील अहमद

समाज जागरण

बागपत। 5 सितंबर शिक्षक दिवस के अवसर पर माता कॉलोनी बागपत में तेली समाज के लोगों की बैठक आयोजित की गई। बैठक में डॉ. शकील अहमद ने परिवार, शहर, प्रदेश और देश के बेहतर भविष्य के लिए शिक्षा के महत्व को समझाया।

उन्होंने कहा कि बागपत में समाज के बच्चों के लिए इंटर कॉलेज और डिग्री कॉलेज बनाया जाना बहुत जरूरी है। इस मुद्दे पर मौजूद लोगों ने एक स्वर में हर तरह की मदद का भरोसा दिया।बैठक का संचालन मास्टर मोहम्मद उमर ने किया। बैठक में मुख्य रूप से डॉ. मुजीबुर्रहमान, दीन मुहम्मद, मांगे खान, इरफान मलिक, शौकीन मलिक डोल्चा, मेहंदी हसन, साजिद एडवोकेट, कारी साजिद अली, हाफिज शकील अहमद, डॉ. इमरान मलिक, जरीफ मलिक, हाजी बबलू, परवेज मलिक, डॉ. आबिद मलिक, अनीस मलिक, इरशाद मलिक सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

बारिश के बीच सारथी की 45वीं रसोई, जरूरतमंदों को कराया भोजन

समाज जागरण

बागपत। सारथी वेलफेयर फाउंडेशन के तत्वावधान में रविवार को 45वीं रसोई का आयोजन पत्थर मंडी मजदूर पुल के पास किया गया। फाउंडेशन की ओर से सभी मजदूर भाइयों और जरूरतमंद लोगों को प्रेम और सम्मान

के साथ गरमा-गरम छोले-चावल का प्रसाद वितरित किया गया। लगातार हो रही बारिश के बावजूद सदस्यों के उत्साह में कमी नहीं आई। बारिश से थोड़ी असुविधा जरूर हुई, लेकिन सेवा के संकल्प के आगे मौसम की कठिनाई छोटी पड़ गई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि ने फाउंडेशन के सेवा कार्य की सराहना की। कार्यक्रम को सफल बनाने में फाउंडेशन अध्यक्ष विकास गुप्ता के साथ वंदना गुप्ता, आशा ग्रोवर, अंशिका जैन, ममता सुनेजा, अनिल अरोड़ा, डॉ. आशुतोष शर्मा, विपिन सिंघल, भूपेंद्र दांगी, विवेक चौधरी, सचिन खोखर, विनोद मुरारी, सोनू तोमर, प्रांजल सहित सभी सदस्यों का सहयोग रहा।

सुसाइड नोट की हैंडराइटिंग से खुला राज, दंपती गिरफ्तार

समाज जागरण

फिरोजाबाद। आत्महत्या के लिए उकसाने के मामले में थाना दक्षिण पुलिस ने वांछित दंपती को गिरफ्तार किया है। मृतक के सुसाइड नोट की हैंडराइटिंग का विधि विज्ञान प्रयोगशाला से मिलान कराया गया था। लिखावट का मिलान होने के बाद पुलिस ने दोनों नामजद आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस के अनुसार, दो अक्तूबर 2025 को वादिया की तहरीर पर थाना दक्षिण

में मुकदमा संख्या 1098/2025 बीएनएस की धारा 108 के तहत विकास कुमार समेत दो लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई थी। विवेचना के दौरान मृतक शिवम कुमार द्वारा मृत्यु से पहले लिखे गए सुसाइड नोट को हैंडराइटिंग परीक्षण के लिए विधि विज्ञान प्रयोगशाला भेजा गया था।

जांच में सुसाइड नोट की लिखावट का मिलान होने के बाद पुलिस ने मामले में नामजद विकास कुमार पुत्र रामनाथ और उसकी पत्नी रूबी देवी को गिरफ्तार कर लिया। दोनों कानपुर देहात के अकबरपुर थाना क्षेत्र के गांव मुक्तापुर के निवासी हैं।

पुलिस ने दोनों आरोपियों को जैन मंदिर चौराहे से मुखबिर की सूचना पर गिरफ्तार किया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक आदित्य लांग्हे के निर्देशन में चलाए जा रहे वांछित आरोपियों की गिरफ्तारी अभियान के तहत यह कार्रवाई की गई। दोनों के खिलाफ आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है।

पुलिस टीमः थाना प्रभारी योगेंद्र पाल सिंह, उपनिरीक्षक गुलफाम, उपनिरीक्षक किरनपाल, कांस्टेबल ओमकार सिंह और महिला कांस्टेबल दीक्षा तिवारी।

ब्राह्मण समाज की बैठक, आर्थिक आधार पर आरक्षण की मांग

समाज जागरण

बड़ौत। किरठल गांव में ब्राह्मण समाज की बैठक आयोजित हुई। बैठक को संबोधित करते हुए देश खाप चौरासी चौधरी पं. सुभाष शर्मा ने कहा कि आरक्षण जातिगत नहीं बल्कि आर्थिक आधार पर होना चाहिए, क्योंकि गरीबी किसी एक जाति तक सीमित नहीं है। हर जाति-वर्ग में गरीब परिवार हैं, इसलिए आरक्षण का लाभ वास्तविक गरीबों को मिलना चाहिए। उन्होंने कहा कि आरक्षण के कारण योग्य और प्रतिभाशाली युवाओं को उच्च शिक्षा व सरकारी नौकरियों में अवसर नहीं मिल पा रहा है, जिससे देश की प्रगति प्रभावित हो रही है और मेरिट का हनन हो रहा है। सरकार इस पर विचार करे। आरक्षण के विरोध में गांव-गांव पंचायतें की जा रही हैं। बैठक में बसपा से बड़ौत विधायक प्रत्याशी रहे वरिष्ठ समाजसेवी पं. सचिन शर्मा ने कहा कि वह ब्राह्मण

समाज के साथ कंधे से कंधा मिलाकर चलेंगे। समाज के लोगों ने उन्हें आशीर्वाद दिया। थंबा चौधरी ओमकार शर्मा ने सवर्ण आयोग के गठन की मांग की, ताकि आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के युवाओं की आवाज उठाई जा सके। ब्लॉक अध्यक्ष जगदीश शर्मा ने कहा कि यूजीसी बिल भेदभावपूर्ण है, सरकार इसे वापस ले। पवन शर्मा ने कहा कि संविधान के अनुच्छेद 14, 15 और 16 समानता का अधिकार देते हैं, 70 साल से अधिक समय तक जातिगत आरक्षण समानता के विरुद्ध है। बैठक का संचालन श्याम बिहारी शर्मा ने किया। इस दौरान उज्ज्वल खाप चौधरी ओंकार शर्मा, थंबा चौधरी हरिओम शर्मा, ब्लॉक अध्यक्ष राममेहर शर्मा, थंबा बिजरौल चौधरी शिवकुमार शर्मा, अनिल शर्मा, मुकेश शर्मा, राजेंद्र शर्मा, सत्यपाल शर्मा, कृष्णपाल शर्मा, प्रमोद शर्मा, मास्टर राकेश शर्मा सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे।

लोक कल्याण महामंडल विधान का हुआ भावपूर्ण समापन

समाज जागरण

बागपत। तीर्थंकर बनने का मार्ग प्रशस्त करने वाली पवित्र सोलहकारण पर्व आराधना के अंतर्गत मंडी बड़ौत स्थित श्री अजितनाथ दिगंबर जैन प्राचीन मंदिर कमेटी के तत्वावधान में अजितनाथ सभागार में आयोजित आठ दिवसीय लोक कल्याण महामंडल विधान का श्रद्धा, भक्ति और आध्यात्मिक उल्लास के बीच भव्य समापन हुआ। 30 अगस्त से 6 सितंबर तक चले इस महाआयोजन में प्रतिदिन श्रद्धालुओं ने विविध भावनाओं के साथ जिनेंद्र प्रभु की आराधना की और आत्मशुद्धि के मार्ग पर आगे बढ़ने का संकल्प लिया।

विधान का आयोजन परम पूज्य, अध्यात्म योगी आचार्य श्री आर्जवसागर महाराज ससंघ के पावन सान्निध्य में संपन्न हुआ। आज के विधान में सौधर्म इन्द्र का सौभाग्य अंकुर जैन को प्राप्त हुआ। आठ दिनों तक अजितनाथ सभागार में ब्रह्मचारी गौरव भैया और ऋषिका दीदी के निर्देशन में, अभिषेक शांतिधारा,पूजन, विधान, अर्घ्य समर्पण, मंगल प्रवचन एवं धार्मिक अनुष्ठानों की अविरल धारा बहती रही। समापन अवसर पर श्रद्धालुओं के चेहरों पर आयोजन पूर्ण होने की प्रसन्नता दिखाई दी।

लोक कल्याण महामंडल विधान की विशेषता यह रही कि यह केवल धार्मिक अनुष्ठानों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि प्रत्येक दिन की आराधना ने साधकों को भक्ति, विनय, सेवा, तप, संयम और आत्मचिंतन का संदेश दिया। दर्शन विशुद्धि से लेकर अर्हद्भक्ति, आचार्यभक्ति और बहुश्रुतभक्ति आदि सहित मार्ग प्रभावना,प्रवचन वात्सल्य,जैसी भावनाओं के अर्घ्य श्रद्धापूर्वक समर्पित किए गए। इन भावनाओं के माध्यम से श्रद्धालुओं ने भगवान के गुणों का स्मरण करने के साथ यह भावना भी धारण की कि धर्म केवल मंदिर और विधान तक सीमित न रहे, बल्कि व्यवहार और जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में दिखाई दे। इस अवसर पर आचार्य श्री आर्जव सागर महाराज ने कहा कि समवसरण केवल एक दिव्य सभा का नाम नहीं, बल्कि वह जिनवाणी का ऐसा पवित्र केंद्र है, जहाँ से समस्त जीवों को आत्मकल्याण का मार्ग प्राप्त होता है। भगवान की वाणी किसी एक वर्ग या समुदाय के लिए नहीं, बल्कि प्रत्येक जीव को उसके कल्याण का मार्ग दिखाने वाली होती है।आचार्य श्री ने कहा कि पर्व और विधान की सार्थकता तभी है, जब उनके माध्यम से मनुष्य अपने भीतर परिवर्तन का संकल्प ले। पूजा की वेदी पर समर्पित प्रत्येक अर्घ्य वस्तुतः अपने भीतर के विकारों को छोड़ने और आत्मगुणों को जागृत करने की भावना का प्रतीक है। विधान में मुकेश जैन, वरदान जैन, प्रदीप जैन, नवीन जैन, अनिल जैन, सुनील जैन, इंद्राणी जैन, ऊषा जैन आदि उपस्थित थे।

बारिश में भीगते मिले गोवंश के बच्चे, डीएम ने केयरटेकर को लगाई फटकार

कान्हा गौशाला में 322 गोवंश संरक्षित, बीमार और घायल पशुओं का तत्काल इलाज कराने के निर्देश

समाज जागरण -ब्रजमोहन सिंह

फिरोजाबाद। ककरऊ कोठी स्थित कान्हा गौशाला में रविवार को निरीक्षण करने पहुंचे जिलाधिकारी संतोष कुमार शर्मा को गोवंश के छोटे बच्चे बारिश में भीगते मिले। यह देखकर डीएम का पारा चढ़ गया। उन्होंने संबंधित केयरटेकर और सेनेटरी इंस्पेक्टर को कड़ी फटकार लगाई और भविष्य में ऐसी लापरवाही मिलने पर कठोर कार्रवाई की चेतावनी दी।

डीएम ने अपर जिलाधिकारी न्यायिक अरविंद द्विवेदी और सिटी मजिस्ट्रेट विनोद कुमार पांडेय के साथ गौशाला का निरीक्षण किया। उन्होंने गोवंश के रखरखाव, खानपान और स्वास्थ्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया। बारिश में छोटे गोवंशों के भीगने पर उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि किसी भी हालत में गोवंश के बच्चे खुले में भीगते हुए नहीं मिलने चाहिए।

बीमार और घायल गोवंश का कराया जाए इलाज

निरीक्षण के दौरान कुछ गोवंश के बीमार और घायल होने की जानकारी मिलने पर डीएम ने मौके पर मौजूद चिकित्सकों और कर्मचारियों को तत्काल बेहतर उपचार कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि घायल और बीमार पशुओं के इलाज में किसी तरह की लापरवाही नहीं होनी चाहिए।

अधिकारियों ने डीएम को बताया कि गौशाला में वर्तमान में 322 गोवंश संरक्षित हैं। डीएम ने भूसा, हरे चारे और पेयजल की उपलब्धता की जानकारी ली। उन्होंने निर्देश दिए कि गोवंश के लिए चारे और पानी की पर्याप्त व्यवस्था हर समय बनी रहनी चाहिए।

लापरवाही मिली तो तय होगी जिम्मेदारी

डीएम ने कहा कि निराश्रित गोवंशों की सुरक्षा, संरक्षण और खानपान की व्यवस्था शासन की प्राथमिकता है। गोवंश के साथ संवेदनशील व्यवहार किया जाए और उनकी देखभाल में कोई कमी न छोड़ी जाए। उन्होंने चेतावनी दी कि गौशाला में भविष्य में इस तरह की लापरवाही मिली तो संबंधित की सीधी जवाबदेही तय कर कार्रवाई की जाएगी।

निरीक्षण के दौरान संबंधित अधिकारी, चिकित्सक और कर्मचारी मौजूद रहे।

आरोग्य मेले में 1255 मरीजों का इलाज, बैनर न लगा होने पर डीएम ने लगाई फटकार।

समाज जागरण -ब्रजमोहन सिंह

फिरोजाबाद। ककरऊ कोठी स्थित नगरीय हेल्थ एवं वैलनेस सेंटर का रविवार को जिलाधिकारी संतोष कुमार शर्मा ने औचक निरीक्षण किया। उन्होंने केंद्र पर आयोजित आयुष्मान आरोग्य मेले की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। केंद्र पर आयुष्मान आरोग्य मंदिर का बैनर सामने नहीं लगा होने पर डीएम ने संबंधित अधिकारी को फटकार लगाई। डीएम ने कहा कि बैनर सामने नहीं होने से मरीजों को केंद्र की पहचान करने में परेशानी होती है। उन्होंने बैनर को केंद्र के सामने प्रमुख स्थान पर लगाने के निर्देश दिए।

अधिकारियों ने बताया कि रविवार को जिले के 69 स्वास्थ्य केंद्रों पर आयोजित आयुष्मान आरोग्य मेले में 1255 मरीजों का उपचार किया गया। इनमें 591 पुरुष, 469

महिलाएं और 195 बच्चे शामिल हैं। ककरऊ कोठी स्थित केंद्र पर 64 मरीज पहुंचे।

डीएम ने केंद्र पर मरीजों को मिल रही चिकित्सा सुविधाओं, स्वास्थ्य जांच और दवाओं की उपलब्धता की जानकारी ली। उन्होंने मरीजों से बातचीत कर इलाज के बारे में भी पूछा। मरीजों ने मेले में समुचित उपचार मिलने की बात कही।

डीएम ने निर्देश दिए कि 30 वर्ष से अधिक उम्र के मरीजों की बीपी और शुगर समेत आवश्यक जांच जरूर की जाए। निरीक्षण के दौरान अपर जिलाधिकारी न्यायिक अरविंद कुमार द्विवेदी, सिटी मजिस्ट्रेट विनोद कुमार पांडेय और एसीएमओ डॉ. मोहम्मद फारूक मौजूद रहे।

मदरसा इजहारुल उलूम मोमिन मस्जिद बागपत में छमाही परीक्षाएं संपन्न

समाज जागरण

बागपत। मदरसा इजहारुल उलूम मोमिन मस्जिद बागपत में छात्र-छात्राओं की छमाही परीक्षाएं सफलतापूर्वक संपन्न हुईं। परीक्षाओं में अरबी कक्षाओं, हिफ्ज-ए-कुरआन और नाजिरा-ए-कुरआन के विद्यार्थियों ने भाग लिया।अरबी कक्षाओं की छात्राओं की परीक्षा मुफ्ती सखाउल्लाह साहब बड़ौत और मुफ्ती शाह आलम साहब मजाहिरी नायब सदर जमीयत उलेमा जिला बागपत ने ली। दोनों ने छात्राओं से विभिन्न विषयों और दीनी मसलों पर सवाल किए और तैयारी को संतोषजनक बताया। इस अवसर पर मुफ्ती शाह आलम साहब मजाहिरी ने कहा कि दीनी शिक्षा मुस्लिम समाज के सुधार में रीढ़ की हड्डी की हैसियत रखती है। अगर बचपन से ही बच्चों के अकायद मजबूत हो जाएं तो कोई ताकत उनके ईमान को डगमगा नहीं सकती। नई पीढ़ी को दीनी तालीम से जोड़ना

जरूरी है। मुफ्ती सखाउल्लाह साहब ने कहा कि एक महिला की शिक्षा से पूरा परिवार और समाज मार्गदर्शन प्राप्त करता है। छात्राओं को इल्म के साथ अमल और अच्छे अखलाक को अपनी जिंदगी का हिस्सा बनाना चाहिए। मौलाना शाहिद साहब मजाहिरी ने नाजिरा-ए-कुरआन की छात्राओं की तिलावत और मखारिज का जायजा लिया। मुफ्ती जुनैद साहब ने हिफ्ज कक्षा और मौलाना मुबीन साहब ने नाजिरा कक्षा के छात्रों की परीक्षा ली। परीक्षा के बाद सभी परीक्षकों ने विद्यार्थियों की मेहनत पर संतोष व्यक्त किया और उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए दुआ की। इस मौके पर मोहतमिम हाफिज इकबाल साहब ने सभी परीक्षकों का आभार व्यक्त किया। परीक्षाओं को सफल बनाने में मुफ्ती एहसान कासमी, मुफ्ती रईस, कारी मुस्तफा, कारी इकराम, मौलवी ताजीम, हाफिज असद और ओवैस सहित शिक्षकों का सहयोग रहा।

भागवत कथा में भगवान श्री कृष्ण व रुक्मणी के विवाह का सुनाया प्रसंग

समाज जागरण

बागपत। बागपत शहर के श्री कृष्णा एंक्लेव में चल रहे श्रीमद् भागवत सप्ताह ज्ञान यज्ञ में आज छठे दिवस पर प्रातः के समय में श्रीमद् भागवत सप्ताह ज्ञान यज्ञ में विराजमान समस्त देवी- देवताओं का मठाधीश आचार्य प्रशांत भारद्धाज अनुज जोशी द्वारा पूजन किया गया। आज प्रातः मुख्य यजमानों ने गणेश पूजन, नवग्रह, श्रीमद् भागवत व कथा में विराजमान समस्त देवी- देवताओं का पूजन किया। पूजन में मुख्य यजमान संजय प्रजापति धर्मेंद्र चौधरी कृष्णा एनक्लेव मनोज फैक्ट्री वाले विकास दांगी नितिन धामा सौरव पंडित जी रहे। शाम के समय की कथा में प्रसिद्ध कथा वाचक ईशान ज्योतिष गुरु

आचार्य मनोज जोशी के मुखारविंद से भक्तों को श्री कृष्ण भगवान जी का रुक्मणी के साथ विवाह का प्रसंग सुनाया। कथा में उपस्थित भक्त जनों में सनी चौहान अनमोल ढाका सौरभ कुमार विशाल त्यागी धर्मेंद्र सचिन कुमार कपिल दिल्ली पुलिस अमित प्रजापति अखिल चौधरी सुमित कुंवर प्रताप सिंह अजय खेड़ा राकेश प्रजापति व समस्त कृष्णा एनक्लेव के सनातन प्रेमी व भक्तिमाई माताएं उपस्थित रही।

डीएम ने अस्पतालों में देखी व्यवस्थाएं, लापरवाही पर कार्रवाई की चेतावनी

मरीजों और तीमारदारों से की बातचीत, लिफ्ट व खराब उपकरण तत्काल ठीक कराने के निर्देश

समाज जागरण

फिरोजाबाद। जिला अस्पताल में रविवार को उस समय अधिकारियों में खलबली मच गई, जब जिलाधिकारी संतोष कुमार शर्मा ने अपर जिलाधिकारी न्यायिक अरविंद द्विवेदी के साथ जिला अस्पताल, सौ शैय्या और 200 शैय्या चिकित्सा महाविद्यालय का औचक निरीक्षण किया। डीएम ने वार्डों, ओपीडी और अस्पताल परिसर का निरीक्षण कर स्वास्थ्य सेवाओं की हकीकत जानी। डीएम ने भर्ती मरीजों और उनके तीमारदारों से बातचीत की। उनसे दवाओं की उपलब्धता, इलाज, मिलने वाली सुविधाओं और कर्मचारियों के व्यवहार के बारे में जानकारी ली। मौसम बदलने के साथ बढ़ रहे सर्दी-जुकाम, बुखार और फ्लू के मरीजों के इलाज के लिए अस्पताल में की गई तैयारियों की भी जानकारी ली।

निरीक्षण के दौरान अस्पताल परिसर में मिली गंदगी और अव्यवस्थाओं को तत्काल दूर कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि लिफ्ट, चिकित्सा उपकरण या अन्य कोई सुविधा बंद पड़ी है तो उसे शीघ्र ठीक कराकर चालू कराया जाए। अस्पताल में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

स्वास्थ्य सेवाओं में लापरवाही पर होगी कार्रवाई

डीएम ने कहा कि स्वास्थ्य और शिक्षा मानव जीवन की मूलभूत आवश्यकताएं हैं। इनसे जुड़े कार्यों में लापरवाही मिलने पर जिम्मेदार अधिकारी और कर्मचारी के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी। शासन की मंशा के अनुरूप प्रत्येक नागरिक को सुलभ और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना प्रशासन की प्राथमिकता है।

उन्होंने कहा कि अस्पतालों का इसी तरह औचक निरीक्षण आगे भी जारी रहेगा। निरीक्षण के दौरान मुख्य चिकित्सा अधीक्षक, सिटी मजिस्ट्रेट विनोद कुमार पांडेय समेत अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

ठाकुर जी के डोले के नगर भ्रमण में उमड़ा श्रद्धा का सैलाब

परंपरा और आस्था के संगम में श्रद्धालुओं ने लगाए जयकारे, अतुल प्रताप सिंह ने आरती उतारकर किया डोला यात्रा का शुभारंभ

समाज जागरण

पाढ़म। श्री ठाकुर देवालय मंदिर ट्रस्ट के तत्वावधान में ठाकुर जी का डोला नगर भ्रमण एवं महाआरती कार्यक्रम श्रद्धा, भक्ति और उल्लास के साथ आयोजित किया गया। पर्यटन मंत्री ठाकुर जयवीर सिंह के पुत्र एवं जिला सहकारी बैंक के अध्यक्ष इंजीनियर अतुल प्रताप सिंह मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे। उन्होंने ठाकुर जी के डोले की आरती उतारकर नगर भ्रमण का शुभारंभ किया। उनके पहुंचने पर श्रद्धालुओं में खासा उत्साह देखने को मिला। इस दौरान भारतीय जीवन बीमा निगम मैनपुरी के विकास अधिकारी एवं समाजसेवी पवन कुमार माहेश्वरी ने इंजीनियर अतुल प्रताप सिंह को चांदी का मुकुट पहनाकर स्वागत किया। वहीं युवा समाजसेवी आशीष राघव ने अपने आवास पर पगड़ी बांधकर उनका अभिनंदन किया।

प्राचीन परंपरा को आगे बढ़ाना सराहनीय

इंजीनियर अतुल प्रताप सिंह ने कहा कि पवन माहेश्वरी और उनकी पूरी टीम बुजुर्गों से चली आ रही प्राचीन परंपरा को श्रद्धा और समर्पण के साथ आगे बढ़ा रही है। यह सराहनीय प्रयास है। उन्होंने सभी के स्वस्थ और सुखी जीवन की कामना करते हुए कहा कि प्रभु की कृपा प्रत्येक परिवार पर बनी रहे।

दो डोलों ने किया नगर भ्रमण

ठाकुर जी के दो डोले नगर भ्रमण के लिए निकले। एक डोला ठाकुर देवालय मंदिर से और दूसरा राजराजेश्वरी मंदिर से निकाला गया। दोनों डोले कस्बे की विभिन्न बस्तियों से होकर गुजरे। जगह-जगह श्रद्धालुओं ने पुष्पवर्षा और जयकारों के साथ डोले का स्वागत किया। भगवान के दर्शन के लिए लोगों की भीड़ उमड़ती रही। पूरे मार्ग में भक्ति और उत्साह का माहौल बना रहा।

डोले के साथ चलता रहा पुलिस बल

डोला यात्रा के दौरान सुरक्षा व्यवस्था को लेकर थाना प्रभारी जसराना भगवत सिंह गुर्जर, चौकी प्रभारी कस्बा पाढ़म आदेश भारद्वाज, ख्याली राम सहित अन्य पुलिसकर्मी डोले के साथ चलते रहे।

कार्यक्रम में अनिल वर्मा, अंकित वर्मा, पप्पू वर्मा, भोला वर्मा, कंचन भट्ट, आलोक शर्मा, पवन कुमार माहेश्वरी, सतीश सिंह चौहान, उदय चौहान, आशीष भदौरिया, पी. चौहान, एमपी चौहान, देव कुमार माहेश्वरी, अखिलेश माहेश्वरी, डॉ. कुलदीप कुलश्रेष्ठ, कमलकांत, राजीव पालीवाल, शिवम वर्मा, शोभित माहेश्वरी, राजीव माहेश्वरी, उदयपाल चौहान, शिवानंद कुलश्रेष्ठ, अनुभव वर्मा और आयुष वर्मा सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं गणमान्य लोग मौजूद रहे।

प्रदीप सिंगला जैतो ने भाजपा नेता तरुण चुघ से मुलाकात दौरान पंजाब की वर्तमान राजनीतिक व अमन व कानून स्थिति की दी जानकारी

समाज जागरण चीफ ब्यूरो पंजाब

जैतो,6 सितंबर : पंजाब राज्य उद्योगिक विकास निगम पंजाब सरकार के पूर्व डायरैक्टर एवं पंजाब भाजपा नेता प्रदीप सिंगला जैतो ने दिल्ली स्थित भाजपा के केंद्रीय मुख्यालय में भारतीय जनता पार्टी के राज्यसभा सांसद तरुण चुघ से मुलाकात कर उन्हें भाजपा के राष्ट्रीय कार्यालय का प्रभारी नियुक्त किए जाने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ दीं।इस अवसर पर पंजाब बूथ मैनेजमेंट प्रकोष्ठ के कन्वीनर गोबिंद राम अग्रवाल भी उनके साथ उपस्थित थे।प्रदीप सिंगला ने कहा कि तरुण चुघ जी का संगठन के प्रति समर्पण, कुशल नेतृत्व और केंद्रीय नेताओं के साथ साथ कार्यकताओं के साथ उनके आत्मीय संबंधों के कारण पार्टी में मिली नई ज़िम्मेदारी बहुत महत्वपूर्ण हैं। वे भाजपा के कार्यकताओं के लिए प्रेरणास्त्रोत हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि राष्ट्रीय कार्यालय के प्रभारी के रूप में तरुण चुघ जी के अनुभव एवं संगठनात्मक क्षमता से पार्टी को और अधिक मजबूती मिलेगी।उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय कार्यालय का प्रभारी जैसी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिलना तरुण चुघ जी की संगठनात्मक क्षमता, अनुभव और पार्टी के प्रति निष्ठा का सम्मान है। इस अवसर पर प्रदीप सिंगला ने पंजाब की वर्तमान राजनीतिक और अमन व कानून की स्थिति के बारे में भी जानकारी दी।
भाजपा के वरिष्ठ नेता प्रदीप सिंगला जैतो तरूण चुघ से मुलाकात करते हुए व अन्य।

हलका बवानी खेड़ा के विकास के लिए मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने दिल खोल कर की धन वर्षा

- कहा, डिलिमिटेशन का काम पूरा होते ही बवानी खेड़ा को मिलेगा उपमंडल का दर्जा

समाज जागरण, जिला संवाददाता।
(महेन्द्र सिंह जावला)

बवानीखेड़ा, 6 सितंबर। कस्बा बवानीखेड़ा की अनाज मंडी में आयोजित ह्यविकास संकल्प जनसभाह्व में कार्यक्रम के आयोजक बवानी खेड़ा के विधायक कपूर वाल्मिकी द्वारा मंच के माध्यम से रखी गई मांगों से भी आगे बढकर मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने दिल खोलकर धनवर्षा करते हुए करोंड़ों रुपये के नए विकास कार्यों की घोषणा की।

मुख्यमंत्री ने बवानी खेड़ा को उपमंडल का दर्जा देने की क्षेत्र के लोगों की वर्षों पुरानी मांग पर कहा कि डिलिमिटेशन का काम पूरा होते ही वर्ष 2028 में बवानी खेड़ा को उपमंडल का दर्जा मिलेगा। मुख्यमंत्री द्वारा की गई इस घोषणा पर उपस्थित जनसमूह ने तालियों और जयकारो के साथ मुख्यमंत्री का आभार प्रकट किया।

मुख्यमंत्री ने घोषणा करते हुए कहा कि बवानी खेड़ा कस्बे के 50 बिस्तरों के नागरिक अस्पताल का विस्तार करते हुए इस पर 50 करोड़ की राशि खर्च कर नए भवन का निर्माण व सभी प्रकार की अत्याधुनिक सुविधाएं उपलब्ध करवाई जाएंगी। गांव रेवाड़ी खेड़ा में साढ़े 16 करोड़ की लागत से 33 केवी सब स्टेशन का निर्माण कराया जाएगा। गांव खरक कलां में महिला कॉलेज के भवन का निर्माण कराया जाएगा। बवानी खेड़ा कस्बे में जमीन उपलब्ध होने के बाद नई सब्जी मंडी का निर्माण करवाया जाएगा।

हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी जिला भिवानी के बवानी खेड़ा में राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, गुजरानी के नए भवन का उद्घाटन करते हुए। साथ में हैं सिंचाई एवं जल संसाधन मंत्री श्रीमती श्रुति चौधरी, विधायक श्री कपूर सिंह वाल्मीकि व अन्य गणमान्य। (06.09.2026)

मुख्यमंत्री ने कहा कि गांव बलियाली व जमालपुर में 90-90 लाख की लागत से ग्राम सचिवालयों का निर्माण कराया जाएगा। गांव बड़सी गुजरान व गांव सैय में क्रमशः 90-90 लाख की लागत से बहुउद्देशीय हॉल का निर्माण करवाया जाएगा। मुख्यमंत्री ने गांव कलिंगा में 85 लाख की राशि से महाराणा प्रताप कम्युनिटी सेंटर व गांव मंढाणा में 1.75 करोड़ की लागत से और गांव मुंढाल कलां में 80 लाख की लागत से कम्युनिटी सेंटर का निर्माण करवाए जाने की घोषणा की।

मुख्यमंत्री ने गांव सिरसा घोघड़ा में 19 लाख की लागत से पार्क का निर्माण, गांव कलिंगा में 24 करोड़ 47 लाख की लागत से जल घर का पुनर्निर्माण व विस्तार, गांव जाटू लोहारी में भूमि उपलब्धता के आधार पर स्टेडियम और गांव तिगड़ाना व धनाना में 50-50 लाख रुपए की लागत से खेल सुविधाएं उपलब्ध करवाने की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने बवानी खेड़ा में एक करोड़ की लागत से ई-लाइब्रेरी और दो करोड़ की लागत से महर्षि वाल्मीकि भवन का निर्माण करवाए जाने की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने बवानी खेड़ा में 50 लाख की लागत से महात्मा ज्योति फूले के नाम से भवन का निर्माण करवाने और कस्बे में 5 करोड़ की लागत से बवानी खेड़ा नगर पालिका कार्यालय के नए भवन का निर्माण व 15 करोड़ की लागत से महर्षि वाल्मीकि के नाम से स्टेडियम और दस करोड़ की लागत से बवानी खेड़ा में लोक निर्माण विभाग के नए रेस्ट हाउस का निर्माण करवाए जाने की घोषणा की।

मुख्यमंत्री ने बवानी खेड़ा विधानसभा क्षेत्र की मार्केटिंग बोर्ड की 13 सडक जो डीएलपी के अधीन हैं, इन 40.7 किलोमीटर की सडको का रखरखाव संबंधित एजेंसी द्वारा कराए जाने, बवानी खेड़ा विधानसभा क्षेत्र की पीडब्ल्यूडी की 68 सडकें जो डीएलपी के अधीन हैं, इन 184.10 किलोमीटर की सडकों का रखरखाव एजेंसी द्वारा कराया जाएगा। मुख्यमंत्री ने 94.5 किलोमीटर लंबाई की 47 सडकों की 55 करोड़ 45 लाख की लागत से स्पेशल रिपेयर करवाई जाएगी। उन्होंने खेत खलिहान के 25 किलोमीटर के कच्चे रास्तों का निर्माण करवाने और विधानसभा के सभी गांवों के विकास के लिए 5 करोड़ की राशि जारी किए जाने की घोषणा की।

- 78 करोड़ रुपए की लागत की सात परियोजनाओं का किया उद्घाटन व शिलान्यास

मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने रविवार कस्बे की अनाज मंडी में आयोजित विकास जन संकल्प जनसभा के दौरान 3.51 करोड़ रुपये की लागत से तैयार राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय गुजरानी, 2.62 करोड़ रुपये की लागत से तैयार राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय कलिंगा के भवन, गांव खेड़ा में 16.98 करोड़ से तैयार हुए कैनाल रेस्ट हाउस के कार्यालय परिसर और स्टाफ आवासीय भवन तथा बवानी खेड़ा में 28.89 करोड़ रुपये की लागत से तैयार दो जलघरों के नवीनीकरण और जलापूर्ति वितरण नेटवर्क का उद्घाटन किया। इसके अलावा मुख्यमंत्री ने प्रेम नगर में 9.60 करोड़ रुपये की लागत से तैयार होने वाले दीनदयाल उपाध्याय 25 बिस्तरों के आयुर्वेदिक अस्पताल, नाथुवास से गुजरानी होते हुए बामला तक 10.59 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाली नई लिंक रोड और 4.72 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले बलियाली के प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र का शिलान्यास भी किया।

श्री बालाजी धाम डोभ में भव्य संकीर्तन सम्पन्न, पहुँची 106वीं पैदल ध्वजा यात्रा

रिंकू महादेव द्वारा आकर्षक एवं मनमोहक झांकियाँ प्रस्तुत की गईं

समाज जागरण, जिला संवाददाता।
(महेन्द्र सिंह जावला)

भिवानी, 6 सितम्बर । भिवानी रोड स्थित श्री बालाजी धाम, गांव डोभ में रविवार को भव्य संकीर्तन, भंडारा एवं निशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन श्रद्धा और उत्साह के साथ किया गया। धाम के संस्थापक प्रधान श्री पुरुषोत्तम दास बंसल ने जानकारी देते हुए बताया कि प्रत्येक रविवार दोपहर 12 बजे से 3 बजे तक धाम में संकीर्तन, भंडारा एवं निःशुल्क स्वास्थ्य सेवाएँ उपलब्ध करवाई जाती हैं।

उन्होंने बताया कि शिविर में आंखों की जांच, दांतों की जांच, फिजियोथेरेपी, मेडिसिन द्वारा उपचार की सुविधा दी जाती है। सभी मरीजों को दवाइयाँ एवं चश्मे निःशुल्क वितरित किए जाते हैं।

राजिन्द्र पाल सहगल और उनके परिवार द्वारा धाम पर भक्तों के लिए कढ़ी चावल का भंडारा लगाया गया कार्यक्रम के दौरान श्रद्धालुओं ने भक्ति रस में डूबकर बालाजी महाराज के भजनों का आनंद लिया विनोद गुप्ता, नीरज सैनी , अमन कौशिक ने मधुर भजनों की प्रस्तुति देकर वातावरण को भक्तिमय बना दिया, जबकि रिंकू महादेव द्वारा आकर्षक एवं मनमोहक झांकियाँ प्रस्तुत की गईं।

प्रत्येक रविवार शनि देव मित्र मंडल, रोहतक एवं अन्य भक्तजनों द्वारा श्री दुर्गा भवन मंदिर, भिवानी स्टैंड से श्री बालाजी धाम डोभ तक पैदल ध्वजा यात्रा निकाली जाती है। इस रविवार 106वीं पैदल ध्वजा यात्रा श्रद्धा एवं उत्साह के साथ धाम पहुँची। यात्रा में शामिल श्रद्धालु हाथों में ध्वजा लेकर जय श्री राम के जयकारों एवं भजनों के साथ झूमते-गाते हुए धाम तक पहुँचते हैं।

यात्रा के दौरान दो स्थानों पर भक्तों के विश्राम एवं जलपान की व्यवस्था की जाती है। पहला पड़ाव खुशबू गार्डन के सामने जगदम्बा ट्रैक्टर हाउस तथा दूसरा पड़ाव पंचमुखी हनुमान मंदिर, भिवानी रोड पर रखा जाता है। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए धाम से वापसी हेतु निःशुल्क ऑटो सेवा भी उपलब्ध करवाई जाती है। इस अवसर पर रमेश गुप्ता, बलदेव कात्याल, रमेश गाँधी,रवि चिटकारा,वंश चुघ, राजेश गोयल, पंडित नरेश, आनंद, सुनील निमड़ी, कविता निमड़ी,ममता सहित अनेक श्रद्धालु उपस्थित रहे।

मादक पदार्थ तस्करी के खिलाफ पुलिस की कार्रवाई

- 146 ग्राम हेरोइन बरामदगी मामले में सप्लायर गिरफ्तार

- सीआईए स्टाफ-2 भिवानी ने जींद से आरोपी को दबोचा, पूछताछ में दो आरोपियों ने अमित से हेरोइन खरीदकर लाने की बताई थी बात

समाज जागरण, जिला संवाददाता
(महेन्द्र सिंह जावला)

भिवानी। मादक पदार्थों की तस्करी एवं बिक्री के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत सीआईए स्टाफ-2 भिवानी की टीम ने 146 ग्राम हेरोइन बरामदगी के मामले में एक कथित सप्लायर को जिला जींद से गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपी की पहचान अमित पुत्र रोशन, निवासी गांव रसीदा, जिला जींद के रूप में हुई है।

पुलिस अधीक्षक भिवानी सुमित कुमार, आईपीएस के निदेशानुसार जिला पुलिस द्वारा मादक पदार्थों की तस्करी और बिक्री में संलिप्त आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। पुलिस का कहना है कि इस अभियान का उद्देश्य मादक पदार्थों के सप्लाई नेटवर्क पर प्रभावी कार्रवाई करना है।

पुलिस के अनुसार, 3 सितंबर 2026 को सीआईए स्टाफ-2 की टीम ने जमालपुर क्षेत्र में स्विफ्ट डिजायर कार सवार दो आरोपियों को काबू किया था। उनकी पहचान कुलदीप पुत्र गुलाब सिंह, निवासी तोशाम और सनी पुत्र बसाउ, निवासी तोशाम के रूप में हुई थी। कार की तलाशी के दौरान पुलिस ने उनके कब्जे से 146 ग्राम हेरोइन बरामद करने का दावा किया था।

इस संबंध में थाना बवानी खेड़ा में एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई थी। पुलिस के मुताबिक, प्रारंभिक पूछताछ में दोनों आरोपियों ने बताया था कि वे उक्त मादक पदार्थ अमित निवासी गांव रसीदा, जिला जींद से लेकर आए थे।

इसके बाद मामले की जांच को आगे बढ़ाते हुए 5 सितंबर 2026 को सहायक उप निरीक्षक सुरेंद्र के नेतृत्व में सीआईए स्टाफ-2 भिवानी की टीम ने कथित सप्लायर अमित को जिला जींद से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी को न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे जिला कारागार भेजने के आदेश दिए गए। पुलिस का कहना है कि मादक पदार्थों की तस्करी एवं बिक्री में शामिल आरोपियों और उनके सप्लाई नेटवर्क के खिलाफ कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

पुरुष वर्ग में 31,000 की प्रथम कुश्ती प्रतीक चैहड कलां और परमजीत सोनीपत के बीच हुई, जिसमें प्रतीक चैहड कलां विजेता रहे

गोगा जी मेले एवं विशाल कुश्ती दंगल का सफल आयोजन, पहलवानों ने दिखाया दमखम

समाज जागरण, जिला संवाददाता।
(महेन्द्र सिंह जावला)

बहल। ग्राम बहल में गोगा जी मेले के अवसर पर आयोजित विशाल कुश्ती दंगल उत्साह, उमंग एवं खेल भावना के साथ सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। दंगल में दूर-दराज के क्षेत्रों से पहुंचे पुरुष एवं महिला पहलवानों ने शानदार कुश्ती का प्रदर्शन कर दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया। विजेता पहलवानों को नकद इनाम देकर सम्मानित किया गया।

पुरुष वर्ग में 31,000 की प्रथम कुश्ती प्रतीक चहंड कलां और परमजीत सोनीपत के बीच हुई, जिसमें प्रतीक चहंड कलां विजेता रहे। 21,000 की कुश्ती भोलू रोहतक और अतुल महम के बीच हुई, जिसमें अतुल महम विजेता रहे। वहीं 11,000 की कुश्ती साहिल लेघां और विकी रोहतक के बीच हुई। यह रोमांचक मुकाबला लगभग 30-35 मिनट तक चला और बिना निर्णय के बराबरी पर समाप्त हुआ। दोनों पहलवानों के शानदार प्रदर्शन को देखते हुए सरपंच श्री साधु राम पनिहार की ओर से प्रोत्साहन स्वरूप 3,000-3,000 की राशि प्रदान की गई।

महिला पहलवानों ने भी दिखाया दमखम

महिला वर्ग में 5,100 की कुश्ती कंचन हिसार और सुशीला हिसार के बीच हुई, जिसमें कंचन हिसार विजेता रहीं। इसके अलावा 5,100 की अन्य कुश्तियां भी करवाई गईं, जिनमें प्रिया लेघां और दिशा बिधनोई सहित अनेक महिला पहलवानों ने भाग लिया। 11,000 की महिला कुश्ती में नवीता देवाघड़ा, दादरी विजेता रहीं।

दंगल की विशेष बात यह रही कि सरपंच श्री साधु राम पनिहार ने विजेता खिलाड़ियों के साथ-साथ मुकाबलों में हारने वाले पुरुष एवं महिला पहलवानों का भी सम्मान किया। खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाने के उद्देश्य से हारने वाले पहलवानों को भी प्रोत्साहन स्वरूप इनाम राशि का कुछ हिस्सा प्रदान किया गया। सरपंच ने कहा कि खेल में हार-जीत से अधिक महत्वपूर्ण खिलाड़ी की मेहनत, अनुशासन और खेल भावना होती है।

दंगल में स्थानीय एवं आसपास के क्षेत्रों के पहलवानों ने भी बढ़-चढ़कर भाग लिया। ग्राम पंचायत की ओर से अनेक छोटी कुश्तियां भी करवाई गईं तथा खिलाड़ियों को प्रोत्साहित किया गया। इस अवसर पर सरपंच श्री साधु राम पनिहार ने अगले वर्ष आयोजित होने वाले गोगा जी मेले के कुश्ती दंगल के लिए 1,51,000 की सहयोग राशि देने की घोषणा भी की।

गोगा जी खेल बगीची में पंचायत ने करवाए विकास कार्य

गोगा जी मेले एवं दंगल को देखते हुए ग्राम पंचायत बहल द्वारा गोगा जी खेल बगीची में पीने के पानी के लिए बोर, पानी की टंकी, गेट निर्माण, पुरुष एवं महिलाओं के लिए अलग-अलग शौचालयों का निर्माण, स्टेज निर्माण तथा रास्ते/पगडंडी के निर्माण सहित विभिन्न विकास एवं सुविधा संबंधी कार्य करवाए गए। इन कार्यों एवं मेले के आयोजन में सहयोग के लिए गोगा जी मेला कमेटी तथा ग्रामवासियों ने सरपंच श्री साधु राम पनिहार का धन्यवाद एवं आभार व्यक्त किया।

आयोजन को सफल बनाने में ग्रामवासियों, गोगा जी मेला कमेटी के सदस्यों, गणमान्य व्यक्तियों, पहलवानों एवं खेल प्रेमियों का विशेष सहयोग रहा। ग्राम पंचायत बहल एवं सरपंच श्री साधु राम पनिहार ने दंगल में भाग लेने वाले सभी खिलाड़ियों, सहयोगकताओं, कमेटी सदस्यों एवं ग्रामवासियों का हृदय से आभार व्यक्त किया।

मिस्त्री 1500 व मजदूर 1000 मजदूरी करने का किया ऐलान

10 सितम्बर से होगे लागू नियमों की उल्लघंन करने पर 5100 का जमार्ना किया जाऐगा

समाज जागरण

कालांवाली 6 सितंबर 2026 (सुरेश जोरासिया) बढ़ती महंगी को लेकर मिनी वार्टर बुस्टिंग कालांवाली में मजदूर व मिस्त्री व अन्य मजदूरों की खास बैठक हुई। इसकी अगुवाई प्रमिन्द्र सिंह पुत्र राम सिंह की अगुवाई में

बैठक का आयोजन किया गया। बैठक के दौरान मजदूर वर्ग ने अपनी मांगों को लेकर विचार विर्मश किया गया। सभी मजदूरों के समर्थन से प्रमिन्द्रर सिंह लड्डू ने कहा कि सर्वसम्मति से मिस्त्री की 1500 मजदूर 1000 महिला मजदूर 700ड्ड नरमा चुगाई 30 रुपए प्रति किलो. मजदूरी करने का ऐलान किया गया। जो कोई भी कम मजदूरी में काम करेगा उससे 5100रुपए जमार्ना किया जाऐगा। यह नियम 10 सितम्बर से लागू होगा। जो कोई कम मजदूरी में काम करने वाले मजदूर की सूचना देगा, उसे 2100 बतौर ईनाम दिया जाऐगा। इस मौके पर सरपंच अजैब सिंह, प्रमिन्द्र सिंह लड्डू पंच सेवक सिंह, ईकेदार गुरसेवक सिंह मिस्त्री सुखा सिंह जीवन सिंह पलेदार, गगनदीप सिंह बग्गड़ सिंह सुरभान, आदि मौजूद रहे।

माली थाना क्षेत्र से स्कॉर्पियो से बड़ी मात्रा में शराब बरामद, दो तस्कर गिरफ्तार

समाज जागरण अनील कुमार संवाददाता नबीनगर (औरंगाबाद)

नबीनगर (बिहार) नबीनगर प्रखंड के माली थाना क्षेत्र के सिमरी धमनी

बाजार से पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर बड़ी कार्रवाई की है।पुलिस ने एक स्कॉर्पियो गाड़ी से 652 लीटर देसी शराब बरामद किया है। वहीं मौके से दो तस्करों को गिरफ्तार किया गया है।गिरफ्तार अभियुक्तों की पहचान रफीगंज थाना क्षेत्र के बिजोलिया गांव निवासी सरविंद कुमार पिता सुरेश यादव और नबीनगर थाना क्षेत्र के गझंडा गांव निवासी गणेश गुप्ता पिता कपिलदेव साव के रूप में हुई है। थानाध्यक्ष दीपक कुमार राय ने बताया कि पुलिस ने स्कॉर्पियो गाड़ी को जब्त कर दोनों के खिलाफ मद्य निषेध अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर न्यायिक हिरासत मे भेज दिया है।

बाढ़ प्रभावित परिवारों को हर संभव सहायता मिले, फसल और मकान क्षति का तत्काल सर्वे कराकर मुआवजा दें : मुख्यमंत्री योगी

समाज जागरण

लखनऊ, 06 सितंबरः अतिवृष्टि से प्रभावित जनपद चित्रकूट का भ्रमण कर लौटे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक कर राहत एवं पुनर्वास कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि प्रभावित परिवारों को हर संभव सहायता उपलब्ध कराई जाए और फसल तथा मकान की क्षति का तत्काल सर्वे कराकर पात्र लोगों को नियमानुसार सहायता दी जाए। मुख्यमंत्री ने मंदाकिनी नदी के कैचमेंट एरिया में हुए अतिक्रमण का चिन्हांकन कर उसे हटाने की कार्रवाई कराने, नदी पर बने फुट ओवर ब्रिज का सेफ्टी ऑडिट कराने तथा मंदाकिनी में सीवर और नालों का पानी किसी भी दशा में न जाने देने के लिए ठोस कार्ययोजना बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने चित्रकूट धाम के व्यापारियों और मठ-मंदिरों को हुए नुकसान का आकलन कर सहायता उपलब्ध कराने के साथ ही भविष्य में ऐसी स्थिति से होने वाले नुकसान को कम करने के लिए दीर्घकालिक कार्ययोजना तैयार करने को कहा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बाढ़ से प्रभावित किसानों की फसल क्षति का सर्वे शीघ्र पूरा कराया जाए और पात्र किसानों को नियमानुसार मुआवजा उपलब्ध कराया जाए। पूर्ण रूप से क्षतिग्रस्त मकानों के परिवारों को मुख्यमंत्री आवास योजना का लाभ दिलाया जाए। आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त मकानों की मरम्मत के लिए भी प्रभावित परिवारों को वित्तीय सहायता उपलब्ध कराई जाए।

मुख्यमंत्री ने चित्रकूट धाम के व्यापारियों को हुए नुकसान का आकलन कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रभावित व्यापारियों को सहायता और मुआवजा उपलब्ध कराने के लिए विशेष व्यवस्था की जाए। मठ-मंदिरों को हुई क्षति का भी सर्वे कराया जाए और उनकी मरम्मत का कार्य शीघ्र शुरू कराया जाए। इन धार्मिक और सांस्कृतिक स्थलों के संरक्षण में शासन आवश्यक सहयोग करेगा। राहत कार्यों की समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि शेष राहत किट का वितरण 48 घंटे के भीतर प्रभावित लोगों के बीच सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि राहत सामग्री पहुंचाने में किसी तरह की लापरवाही नहीं होनी चाहिए। प्रशासन प्रभावित परिवारों के बीच लगातार मौजूद रहकर उनकी जरूरत के अनुसार सहायता उपलब्ध कराए। मुख्यमंत्री ने बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर भी विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य विभाग की टीमें बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में लगातार उपलब्ध रहें और प्रभावित लोगों को आवश्यक चिकित्सा सहायता समय पर मिले। उन्होंने कहा कि बाढ़ का पानी उतरने के बाद संक्रामक बीमारियों के फैलने की आशंका बढ़ जाती है। इसे देखते हुए प्रभावित क्षेत्रों में साफ-सफाई, शुद्ध पेयजल और स्वास्थ्य संबंधी जरूरी व्यवस्थाओं पर विशेष ध्यान दिया जाए। मुख्य चिकित्सा अधिकारी के नेतृत्व में स्वास्थ्य विभाग की टीमें प्रभावित क्षेत्रों में लगातार निगरानी रखें और किसी भी बीमारी के लक्षण सामने आने पर तत्काल उपचार और आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करें।

मुख्यमंत्री ने मंदाकिनी नदी के कैचमेंट एरिया में अतिक्रमण के संबंध में शासन के अधिकारियों को जनपदीय अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों और स्थानीय नागरिकों के साथ संवाद करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कैचमेंट एरिया में हुए अतिक्रमण का चिन्हांकन कर नियमानुसार उसे हटाने की कार्रवाई की जाए। साथ ही, घाट के विस्तारीकरण के लिए आवश्यक कार्ययोजना तैयार की जाए।

मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि पवित्र मंदाकिनी नदी में किसी भी दशा में सीवर या नालों का पानी नहीं जाना चाहिए। इसके लिए पर्यटन, सिंचाई और नगर विकास विभाग आपसी समन्वय से ठोस कार्ययोजना तैयार कर उसे लागू करें। उन्होंने कहा कि मंदाकिनी चित्रकूट की आस्था से जुड़ी है। इसकी स्वच्छता और निर्मलता बनाए रखना सभी संबंधित विभागों की जिम्मेदारी है।

बाढ़ प्रभावितों के साथ योगी सरकार, 5.94 लाख लंच पैकेट व 1.03 लाख से ज्यादा बाढ़ राहत किट वितरित

समाज जागरण

लखनऊ, 06 सितंबर। उत्तर प्रदेश में बाढ़ की चुनौती के बीच योगी सरकार का राहत और बचाव अभियान लगातार युद्धस्तर पर जारी है। सरकार की तत्परता से प्रभावित लोगों तक भोजन, सुरक्षित आश्रय, स्वास्थ्य सुविधाएं और जरूरी राहत सामग्री पहुंचाई जा रही हैं। उत्तर प्रदेश राहत आयुक्त कार्यालय के मुताबिक अब तक 19,454 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जा चुका है, जबकि 5.94 लाख से अधिक लंच पैकेट और 1.03 लाख से ज्यादा बाढ़ राहत किट वितरित किए गए हैं। रेस्क्यू अभियान में अब तक 2,075 नाव एवं मोटरबोट का इस्तेमाल किया गया है। इन प्रयासों से प्रदेश में अब तक जन व पशुहानि शून्य दर्ज की गई है।

अब तक 19,454 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया

प्रदेश में अब तक 37 जिले प्रभावित हुए हैं। वर्तमान में 25 जिलों में बाढ़ का प्रभाव बना हुआ है। प्रशासन की ओर से संवेदनशील क्षेत्रों में लगातार निगरानी रखते हुए राहत एवं बचाव कार्य संचालित किया जा रहा है। योगी सरकार की प्राथमिकता बाढ़ प्रभावितों की सुरक्षा है। इसी के तहत अब तक 19,454 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। रविवार को ही 8,264 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है।

2,075 नाव-मोटरबोट से लगातार बचाव अभियान जारी

बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में राहत दलों की पहुंच सुनिश्चित करने के लिए व्यापक स्तर पर नाव और मोटरबोट तैनात की गई हैं। अब तक 2,075 नाव एवं मोटरबोट का प्रयोग किया जा चुका है। इससे प्रभावित स्थानों में फंसे लोगों को सुरक्षित निकालने के साथ राहत सामग्री पहुंचाने में भी मदद मिल रही है। बाढ़ के दौरान किसी भी परिवार को भोजन की समस्या न हो, इसके लिए सरकार ने व्यापक खाद्य वितरण अभियान चलाया है। अब तक 5.94 लाख से अधिक लंच पैकेट और 1.03 लाख से अधिक बाढ़ राहत किट वितरित किए जा चुके हैं। रविवार को भी 63,955 लंच पैकेट और 11,249 खाद्यान्न पैकेट वितरित किए गए। इससे बाढ़ प्रभावित परिवारों को तत्काल खाद्य सहायता मिल रही है।

स्वास्थ्य सुरक्षा के लिए मेडिकल टीमें और जरूरी दवाएं

बाढ़ के बाद संक्रमण और जलजनित बीमारियों की आशंका को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग को भी पूरी तरह सक्रिय रखा गया है। प्रदेश में अब तक 1,072 मेडिकल टीमें गठित की गई हैं। वहीं प्रभावित क्षेत्रों में स्वच्छता और स्वास्थ्य सुरक्षा के लिए 6.47 लाख से ज्यादा क्लोरीन टैबलेट और 2.49 लाख से अधिक ओआरएस पैकेट वितरित किए जा चुके हैं।

1,315 बाढ़ शरणालय स्थापित, हजारों लोगों को सुरक्षित आश्रय

प्रभावित लोगों को सुरक्षित स्थान उपलब्ध कराने के लिए प्रदेश में अब तक 1,315 बाढ़ शरणालय स्थापित किए गए हैं।

वर्षों से लंबित मांगों पर भड़का आक्रोश,आंदोलन की चेतावनी

समाज जागरण अनील कुमार संवाददाता नबीनगर (औरंगाबाद)

नबीनगर (बिहार)नवीनगर प्रखंड के केरका पंचायत अंतर्गत कजराई गांव में रविवार को नवीनगर थर्मल पावर विस्थापित किसान-मजदूर वेलफेयर समिति की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में बड़ी की संख्या में किसान, मजदूर और ग्रामीण शामिल हुए।बैठक में वर्ष 2012 में बीआरबीसीएलके साथ हुए समझौते के बावजूद वर्षों से लंबित पड़ी समस्याओं को लेकर चर्चा हुई। विस्थापितों ने कहा कि परियोजना के लिए अपनी जमीन देने के

बाद भी उन्हें अब तक कई अधिकारों और सुविधाओं का पूरा लाभ नहीं मिल पाया है।समिति ने लंबित मुआवजा, यूनिटी, 750 दिनों की मजदूरी, किसानों के खेतों में जल-जमाव और रासायनिक प्रदूषण से प्रभावित करीब 200 एकड़ भूमि, सड़क निर्माण समेत अन्य मांगों को जल्द पूरा करने की मांग की।समिति के अध्यक्ष रामप्रसाद सिंह ने कहा कि जिन किसानों ने परियोजना के लिए अपनी जमीन दी, वे वर्षों बाद भी अपने हक के लिए संघर्ष कर रहे हैं। सभी लंबित मामलों का निष्पक्ष और समयबद्ध समाधान होना चाहिए।उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि समस्याओं का समाधान नहीं हुआ तो समिति लोकतांत्रिक तरीके से आंदोलन का रास्ता अपनाएगी।

विवाहिता से छेड़छाड़ का आरोप केस दर्ज

समाज जागरण रंजीत तिवारी

रामेश्वर वाराणसी। जंसा थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी विवाहिता ने पुलिस को प्रार्थना पत्र देकर गांव के ही एक युवक पर छेड़छाड़ और जबरदस्ती करने का आरोप लगाया है। पुलिस ने पीड़िता की तहरीर के आधार पर संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।पीड़िता के अनुसार, गांव में पंचक्रोशी मार्ग पर कृष्ण जन्माष्टमी का पर्व मनाया जा रहा था। वह पूजा-पाठ करने के बाद रात में अपने घर लौट रही थी। आरोप है कि इसी दौरान गांव का ही अमरजीत यादव पुत्र सुभाष यादव उसे रास्ते में मिल गया। पीड़िता का आरोप है कि उक्त युवक पिछले कई दिनों से उसे देखकर आपत्तिजनक टिप्पणी करता था।

पीड़िता के मुताबिक, घटना वाली रात अंधेरे का फायदा उठाकर युवक ने उसका हाथ जबरन पकड़ लिया और उसके साथ जोर-जबरदस्ती करने लगा। किसी तरह अपना हाथ छुड़ाकर वह वहां से भागी और शोर मचाते हुए ग्रामीणों को घटना की जानकारी दी। शोर सुनकर ग्रामीणों के एकत्र होने पर आरोपी युवक ताल की ओर भाग गया।वहीं, सूचना मिलने के बाद जंसा पुलिस ने पीड़िता की तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस मामले की जांच-पड़ताल के साथ आरोपी की तलाश में जुटी है।

आकाशीय बिजली गिरने से तीन पशु की मौत

समाज जागरण रंजीत तिवारी

रामेश्वर वाराणसी। जंसा थाना क्षेत्र के कतवारूपुर (देवपालपुर) गांव में शनिवार रात तेज बारिश और गरज-चमक के बीच आकाशीय बिजली गिरने से तीन पशुओं की मौत हो गई। ये पशु एक टीन शेड में बंधे थे। इस घटना से पशुपालक परिवार को गहरा सदमा लगा है।देवपालपुर निवासी पशुपालक राजकुमार सिंह ने शनिवार शाम को अपने पशुओं को चारा खिलाकर टीन शेड में बांध दिया था। रात अचानक तेज बारिश के साथ बिजली गिरी, जिसकी चपेट में आने से तीनों पशुओं की मौके पर ही मौत हो गई।मृत पशुओं में दो गाय और एक बछड़ा शामिल हैं। इनमें से एक गाय दुधारू थी और दूसरी गर्भवती बताई गई है। पशुपालक के अनुसार, इस हादसे में उन्हें करीब एक लाख रुपये का नुकसान हुआ है।घटना की सूचना मिलने पर सेवापुरी के पशु चिकित्सक मौके पर पहुंचे। उन्होंने मृत पशुओं का पोस्टमार्टम करने के बाद उन्हें पशुपालक को सौंप दिया। ग्रामीणों ने प्रशासन से पीड़ित पशुपालक को नियमों के हिसाब से आर्थिक मदद दिलाने की मांग की है। साथ ही, खराब मौसम में लोगों से खुले स्थानों और पेड़ों के नीचे खड़े न होने की अपील भी की गई है।

चक्का जनजाति बस्ती में बाढ़ प्रभावित बच्चों के बीच बांटे स्नैक्स फूड पैकेट

सी जन कल्याण फाउंडेशन बच्चों के चेहरों पर बिखेरी मुस्कान, समस्याएं सरकार तक पहुंचाने का संकल्प।

समाज जागरण अनिल कुमार

हरहुआ वाराणसी स्थानीय ब्लॉक अंतर्गत ग्राम सभा चक्का स्थित जनजाति बस्ती (मुसहर) में बाढ़ प्रभावित परिवारों के बच्चों के बीच रविवार को 'सी जन कल्याण फाउंडेशन' की ओर से बच्चों को स्नैक्स फूड पैकेट वितरित किए गए। राहत सामग्री पाकर बच्चों के चेहरों पर मुस्कान खिल उठी।

फाउंडेशन के संस्थापक गगन चौबे ने कहा कि आपदा की घड़ी में जरूरतमंद परिवारों के साथ खड़ा होना संस्था की प्राथमिकता है। उद्देश्य केवल राहत सामग्री बांटना नहीं, बल्कि समाज के अंतिम पायदान पर खड़े लोगों की समस्याओं को प्रशासन और सरकार तक पहुंचाना भी है। बाढ़ से प्रभावित परिवारों की आवश्यकताओं की जानकारी संबंधित अधिकारियों तक पहुंचाकर पात्र लोगों को सरकारी योजनाओं और राहत सुविधाओं का लाभ मिल सके। फाउंडेशन आगे भी जरूरत के अनुसार सेवा एवं जागरूकता अभियान चलाएगा।

गगन चौबे ने कहा कि आपदा के समय समाज के सक्षम लोगों और सामाजिक संगठनों को आगे आकर जरूरतमंदों की मदद करनी चाहिए। सामूहिक प्रयासों से प्रभावित परिवारों की परेशानियों को काफी हद तक कम किया जा सकता है।

इस अवसर पर फाउंडेशन के वॉलंटियर्स उत्साहपूर्वक बच्चों के बीच स्नैक्स फूड पैकेट वितरित किए और बाढ़ प्रभावित परिवारों से उनकी समस्याओं की जानकारी ली।

अहरौरा में क्रेशर प्लांट के पास हादसे में मृतक श्रमिकों के परिवारों को 15-15 लाख रुपए की प्रदान की गई सहायता राशि

मंत्री समाज कल्याण ने मृतक के परिजनों को सौंपा सहायता चेक- 25-25 हजार रूपए अन्तिम संस्कार के लिए भी दी गई धनराशि

समाज जागरण

मीरजापुर /अहरौरा क्रेशर प्लांट के पास डग/कक्ष के ढहने से चार मजदूरों की दुखद मृत्यु की हृदयविदारक घटना के पश्चात आज राज्यमंत्री समाज कल्याण संजीव कुमार गौड़ के द्वारा श्रमिकों के परिजनों को 15-15 लाख रुपए की सहायता राशि एवं 25-25 हजार रुपए अन्तिम संस्कार के लिए चेक प्रदान किया गया। यह सहायता राशि जिला प्रशासन ने एस0एस0 रंजन क्रेशर कम्पनी की तरफ से दिलवाई गई। राज्यमंत्री जी द्वारा मृतकों के परिजनों में क्रमशः कविता, किरन देवी, कुसुम कली विश्वकर्मा एवं संगीता को उपरोक्त धनराशि का चेक प्रदान किया गया। इस अवसर पर जिला खान अधिकारी जितेन्द्र सिंह सहित मीरजापुर व सोनभद्र के अन्य सम्बन्धित अधिकारी उपस्थित रहे।

जर्जर विद्युत पोल से हादसे का खतरा, एबीसी केबल के सहारे टिका खंभा

समाज जागरण अनिल कुमार

हरहुआ वाराणसी। बिजली विभाग की लापरवाही के चलते बड़ागांव फीडर क्षेत्र में बाबतपुर-वाराणसी मार्ग पर इंडियन ऑयल बॉटलिंग गैस प्लांट के सामने एक जर्जर विद्युत पोल हादसे को दावत दे रहा है। ढाबे के सामने लगा लोहे का यह पोल पूरी तरह जंग लगकर सड़ चुका है। पोल का निचला हिस्सा टूटकर सड़क की ओर झुक गया है और वर्तमान में केवल बिजली सप्लाई के लिए लगाए गए एबीसी केबल के सहारे टीका हुआ है। इससे किसी भी समय पोल के सड़क पर गिरने की आशंका बनी हुई है।

पोल पर कनेक्शन बॉक्स भी लगा है, जिससे आसपास के कई उपभोक्ताओं को विद्युत आपूर्ति होती है। सड़क की ओर झुके पोल के कारण राहगीरों और वाहन चालकों के लिए खतरा लगातार बना हुआ है। खास बात यह है कि इसी सर्विस रोड पर प्रतिदिन इंडियन ऑयल गैस बॉटलिंग प्लांट के टैंकर और ट्रक खड़े रहते हैं। इसके अलावा सड़क से बड़ी संख्या में लोगों का आवागमन होता है।

जर्जर पोल के समीप ही ओयो होटल तथा पीछे रहमान ढाबा और चिकन बिरयानी की दुकान है, जहां प्रतिदिन सैकड़ों लोग पहुंचते हैं। ऐसे में पोल गिरने से जान-माल के नुकसान की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता। ग्रामीणों का कहना है कि पोल के गिरने पर आसपास खड़े वाहनों के साथ ही गैस प्लांट से जुड़े वाहनों को भी नुकसान पहुंच सकता है।

स्थानीय निवासी राकेश सिंह, रहमान अंसारी, राजीव कुमार सिंह, राजू यादव, गीता देवी समेत अन्य ग्रामीणों ने बताया कि यह विद्युत पोल लंबे समय से टूटकर लटका हुआ है। इसकी शिकायत सातोमहुआ स्थित हरहुआ विद्युत उपकेंद्र पर कई बार मौखिक और लिखित रूप से की जा चुकी है, लेकिन अब तक पोल को बदलने की कार्रवाई नहीं हुई।

ग्रामीणों के अनुसार शिकायत पर संविदा कर्मचारी मौके पर आते हैं और स्थिति देखने के बाद चले जाते हैं, लेकिन जर्जर पोल को बदलने की दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। ग्रामीणों ने बिजली विभाग के अधिकारियों से मांग की है कि किसी बड़ी दुर्घटना से पहले तत्काल पोल को बदलवाया जाए। उनका कहना है कि यदि केबल भी टूट गया तो पोल सड़क पर गिर सकता है, जिससे गंभीर हादसा हो सकता है।

काशी रत्न सम्मान समारोह का आयोजन

समाज जागरण रंजीत तिवारी

वाराणसी। भारतीय राजनीति के प्रखर स्वतंत्रता संग्राम सेनानी और समाजवादी पुरोधा, स्व. 'लोकबंधु' राजनारायण और स्व डॉ रघुनाथ सिंह को मरणोपरांत प्रतिष्ठित 'काशी-रत्न सम्मान २०२६' से अलंकृत किया गया है। सी.सी.आर.टी. (संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली) एवं स्वरात्मिका फाउंडेशन ट्रस्ट, वाराणसी के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस गरिमामय समारोह में लोकबंधु जी के पोत्र तथा डॉ. राम मनोहर लोहिया कॉलेज के प्रबंधक सुशील कुमार सिंह 'तोयज' ने यह सम्मान ग्रहण किया।और स्व डॉ रघुनाथ सिंह के पौत्र संतोष कुमार सिंह को सम्मानित किया गया। इस समारोह में देश की कई गणमान्य हस्तियों की उपस्थिति में लोकबंधु राजनारायण जी के अतुलनीय सामाजिक व राजनीतिक योगदान को याद किया गया।

सम्मान ग्रहण करने के पश्चात सुशील कुमार सिंह 'तोयज' ने कहा कि लोकबंधु जी का संपूर्ण जीवन निर्भीकता, जन-सेवा और सामाजिक न्याय के सिद्धांतों के प्रति समर्पित था। काशी की मिट्टी से निकले इस महान नेता को 'काशी-रत्न' से सम्मानित किया जाना संपूर्ण क्षेत्र के लिए अत्यंत गर्व और सम्मान की बात है।

समारोह के दौरान लोकबंधु राजनारायण जी के साथ-साथ स्व. डॉ. रघुनाथ सिंह जी को भी मरणोपरांत 'काशी-रत्न सम्मान' तथा पद्मश्री अशोक भगत जी को 'काशी-रत्न सम्मान' से सम्मानित किया गया। यह आयोजन स्व. पं. श्रीधत लाल बहादुर राय जी की स्मृति में आयोजित 'काशी-रत्न सम्मान' व 'स्वरात्मिका संगीत महोत्सव' का मुख्य हिस्सा रहा।

स्टाम्प एवं पंजीयन के नए भवन का राज्यमंत्री स्टाम्प एवं न्यायालय शुल्क व पंजीयन विभाग ने भूमि पूजन कर किया शिलान्यास

- उप महानिरीक्षक निबंधन, सहायक निरीक्षक एवं उप महानिबंधक सदर कार्यालय का एक ही भवन में होगा निर्माण-465 लाख की लागत से बनेगा आधुनिक भवन
- विधायक मड़िहान, ब्लाक प्रमुख पहाड़ी, अपर जिलाधिकारी वि0/रा0 रहे उपस्थित-15 दिसम्बर तक नवीन भवन में कार्यालय संचालित करने का निर्देश
- निबंधन कार्यालय का नए आधुनिक भवन से लोगों को सुविधा मिलने के साथ ही रजिस्ट्री प्रक्रिया होगी और आसान - रवीन्द्र जायसवाल

समाज जागरण

मीरजापुर /प्रदेश के राज्यमंत्री स्टाम्प एवं न्यायालय शुल्क एवं पंजीयन विभाग श्री रवीन्द्र जायसवाल ने आज जनपद भ्रमण के दौरान जनपद मुख्यालय के ग्राम चन्दईपुर में उप महानिरीक्षक निबंधन, सहायक महानिरीक्षक निबंधन एवं उप निबंधक कार्यालय सदर के नव निर्मित नवीन भवन का वैदिक मंत्रोच्चार के साथ नींव की ईंट का पूजन कर शिलान्यास किया। इस अवसर पर विधायक मड़िहान रमाशंकर सिंह पटेल, ब्लाक प्रमुख पहाड़ी इन्द्र बहादुर पाण्डेय, अपर जिलाधिकारी वि0/रा0 विनोद कुमार सिंह के अलावा स्टाम्प विभाग के सभी अधिकारी व अधिवक्तागण उपस्थित रहे।इस अवसर पर उपस्थित नागरिकों, प्रेस प्रतिनिधियों से वार्ता के दौरान राज्यमंत्री ने कहा कि नए भवन के बन जाने से जनता को एक ही छत के नीचे सभी निबंधन सम्बंधी सूचनाएं व कार्य हो सकेंगे। उन्होंने कहा कि जनपद मीरजापुर का निबंधन कार्यालय काफी दिनों से कलेक्ट्रेट के अलग-अलग कक्षों में संचालित होता रहा है जिससे लोगों को काफी परेशानी होती है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ की मंशा है कि प्रदेश के प्रत्येक जनपद में निबंधन विभाग का अपना अत्याधुनिक कार्यालय हो जहां जनता को सम्मान के साथ सुविधाएं मिल सकें।मंत्री ने कहा कि स्टाम्प एवं पंजीयन विभाग सरकार के राजस्व का सबसे बड़ा विभाग है। नवीन भवन के तैयार होने से इसमें पूरी तरह से आनलाइन एवं पारदर्शी रूप से निबंधन कार्य होगा। मंत्री ने कहा कि रजिस्ट्री कराने के लिए लोगों को पहले कई दिन चक्कर लगाने पड़ते थे अब हमारी सरकार के द्वारा यह व्यवस्था की गई है कि एक दिन में रजिस्ट्री और बैनामा किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि ई-स्टाम्पिंग और ई-पंजीयन से जनता को काफी राहत मिल रही है। उन्होंने बताया कि मीरजापुर में भी नया भवन बनने से लोगों को एयर कंडीशन हाल में बैठने की सुविधा मिलेगी और रजिस्ट्री प्रक्रिया आसान होगी।इस दौरान उप महानिरीक्षक निबंधन ने बताया कि 465.27 लाख की लागत से बनने वाले इस नवीन भवन के लिए अभी तक 232.64 लाख शासन द्वारा कार्यदायी संस्था सी0एण्ड0डी0एस0 को अवमुक्त कर दिया गया है जिसके पूर्ण होने की तिथि 31.10.2027 निर्धारित की गई है। जिस पर मा0 राज्यमंत्री ने कहा कि निमार्णाधीन भवन में गुणवत्ता के साथ समयबद्धता का ध्यान रखा जाए। निमार्णाधीन कार्यालय में कार्यालय उप निबंधक सदर, सहायक उप महानिरीक्षक निबंधन एवं केन्द्रीय अभिलेखागार रहेगा। उप निबंधक सदर एवं केन्द्रीय अभिलेखागार जी-भूतल पर, सहायक महानिरीक्षक निबंधन एवं उप महानिरीक्षक निबंधन जी प्लस-01 पर के अलावा टॉयलेट, कैंटीन, पार्किंग, सी0सी0 रोड, बाउंड्रीवाल, गेट, लिफ्ट के निर्माण कार्य के अलावा 10 के0वी0ए0 का सोलर सिस्टम तथा वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम से सुसज्जित भवन होगा।

पद्मश्री प्रो. टीके लहरी से मारपीट का आरोप

समाज जागरण रंजीत तिवारी

एसोसिएट प्रोफेसर पर थप्पड़ मारने का आरोप

वाराणसी। बीएचयू के सर सुंदरलाल अस्पताल में लंबे समय से आईसीयू में भर्ती पद्मश्री प्रो. टीके लहरी से मारपीट हुई है. उन्होंने विभाग के ही एक एसोसिएट प्रोफेसर पर मारपीट और दुर्व्यवहार का गंभीर आरोप लगाया है।

मामले की शिकायत सामने आने के बाद बीएचयू प्रशासन ने जांच के लिए मेडिकल बोर्ड गठित किया है. प्रो. टीके लहरी चिकित्सा जगत में मरीजों के प्रति समर्पण और नियमितता के लिए जाने जाते हैं. बताया जाता है कि जब वह बीएचयू परिसर से गुजरते थे तो उनकी नियमित दिनचर्या को देखते हुए लोग अपनी घड़ी तक मिला लिया करते थे. लंबे समय तक मरीजों की सेवा में सक्रिय रहने के कारण उन्होंने चिकित्सा क्षेत्र में अलग पहचान बनाई.

मिली जानकारी के अनुसार, प्रो. लहरी का आरोप है कि अगस्त के अंतिम सप्ताह में विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. अरविंद पांडे ने उनके साथ गाली-गलौज और मारपीट की. शिकायत के मुताबिक, उन्हें थप्पड़ भी मारा गया. घटना के बाद सामने आई तस्वीर में प्रो. लहरी के चेहरे और आंख के आसपास चोट के निशान दिखाई देने का दावा किया गया है।बताया गया है कि मामले को लेकर 1 सितंबर को ईमेल के माध्यम से शिकायत दर्ज कराई गई. शिकायत में मारपीट और दुर्व्यवहार के आरोप लगाए गए हैं. हालांकि, शिकायत के बाद अब तक किसी ठोस कार्रवाई की जानकारी सामने नहीं आई है. मामले की वास्तविकता जानने के लिए मेडिकल बोर्ड गठित किया गया है, जो उपलब्ध तथ्यों और चिकित्सकीय स्थिति का परीक्षण करेगा। निदेशक ने आई सी यू पहुंचकर जाना हाल

मामला सामने आने के बाद बीएचयू अस्पताल प्रशासन भी सक्रिय हुआ. बीएचयू आई एम एस के निदेशक ने आईसीयू पहुंचकर प्रो. लहरी के स्वास्थ्य की जानकारी ली. वहीं, उनके समर्थन में सामने आए लोगों ने मामले में निष्पक्ष जांच और उचित कार्रवाई की मांग की है. फिलहाल आरोपों की पुष्टि जांच पूरी होने के बाद ही हो सकेगी. बीएचयू प्रशासन की ओर से मामले में आगे की कार्रवाई जांच रिपोर्ट के आधार पर किए जाने की उम्मीद है.

पिंजरे में कैद हुआ दहशत का कारण बना गुलदार ग्रामीणों ने ली राहत की सांस

समाज जागरण मुस्कान खान

जनपद बिजनौर नहटौर क्षेत्र के सदरुद्दीन नगर गांव में पिछले कई दिनों से दहशत का कारण बना एक गुलदार आखिरकार वन विभाग द्वारा लगाए गए पिंजरे में कैद हो गया।

गुलदार के पकड़े जाने से स्थानीय ग्रामीणों ने राहत की सांस ली है। ग्रामीणों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए वन विभाग ने करीब पांच दिन पहले गांव के ही पवन कुमार के खेत के पास एक पिंजरा लगाया था। शनिवार सुबह लगभग 7 बजे जब स्थानीय किसान खेतों में काम करने जा रहे थे, तब उन्होंने पिंजरे के पास हलचल देखी। पास जाकर देखने पर पता चला कि एक गुलदार पिंजरे के अंदर कैद हो चुका है। गुलदार के पिंजरे में फंसने की खबर आग की तरह फैल गई और आसपास के खेतों में काम कर रहे ग्रामीण मौके पर एकत्र हो गए। ग्रामीणों ने तुरंत इस घटना की सूचना वन विभाग के अधिकारियों को दी। सूचना मिलते ही डिप्टी वन रेंजर हरदेव सिंह ने मामले पर त्वरित कार्रवाई की। उन्होंने बताया कि वन विभाग की एक विशेष रेस्क्यू टीम को मौके पर भेज दिया गया है, जो गुलदार को सुरक्षित स्थान पर ले जाने की प्रक्रिया पूरी करेगी।

भाजपा युवा मोर्चा जिला मंत्री संदीप दुबे ने रेस्क्यू टीम बुलाकर कुएं से बछड़े को निकलवाया

समाज जागरण शिव तिवारी

बड़ागांव वाराणसी साधोगंज बैंक के पास एक गाय का बछड़ा अचानक कुएं में गिर गया, जिससे मौके पर अफरा-तफरी मच गई। घटना की जानकारी मिलते ही भाजपा जिला मंत्री संदीप दुबे तत्काल मौके पर पहुंचे और बछड़े को सुरक्षित बाहर निकलवाने के लिए रेस्क्यू टीम को सूचना देकर बुलवाया।

रेस्क्यू टीम के पहुंचने तक संदीप दुबे अमित मिश्रा मौके पर मौजूद रहे और बचाव कार्य में हर संभव सहयोग प्रदान किया। काफी प्रयास के बाद टीम ने बछड़े को सुरक्षित कुएं से बाहर निकाल लिया। बछड़े के सुरक्षित निकलने पर स्थानीय लोगों ने राहत की सांस ली। इस दौरान संदीप दुबे ने मौजूद लोगों से कहा कि क्षेत्र में कहीं भी कोई घटना, दुर्घटना या अन्य समस्या हो तो इसकी सूचना उन्हें तत्काल दें। उन्होंने आश्वासन दिया कि जरूरतमंदों की सहायता के लिए वह अपनी ओर से हर संभव मदद करेंगे। स्थानीय लोगों ने उनकी तत्परता और सहयोग की सराहना की।

मोहनलालगंज में पेड़ की कटाई के दौरान हाइड्रा पलटा, मजदूर की दबकर हुई मौत

विवेक कुमार
समाज जागरण संवाददाता

मोहनलालगंज थाना क्षेत्र के ग्राम धनवारा में रविवार को बड़ा हादसा हो गया। प्राथमिक विद्यालय परिसर में पेड़ों की कटाई के दौरान हाइड्रा वाहन असंतुलित होकर गिर गया, जिसकी चपेट में आकर एक मजदूर की मौत हो गई। मिली जानकारी के अनुसार धनवारा स्थित प्राथमिक विद्यालय परिसर में यूकेलिप्टस के पेड़ों की कटाई का कार्य उपजिलाधिकारी मोहनलालगंज की अनुमति के बाद कराया जा रहा था। कार्य में ग्राम मऊ निवासी सोनू पुत्र राजू गौतम उम्र करीब 22 वर्ष मजदूरी करने गया था।

बताया जा रहा है कि मौके पर हाइड्रा वाहन संख्या UP32 WN 4434 से कटी लकड़ी उठाने का काम किया जा रहा था। इसी दौरान लकड़ी उठाते समय हाइड्रा अचानक असंतुलित होकर पलट गया। हाइड्रा की चपेट में आने से सोनू गंभीर रूप से घायल हो गया।सूचना मिलते ही मोहनलालगंज पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और घायल मजदूर को सीएचसी मोहनलालगंज ले गई, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा व पोस्टमार्टम की कार्रवाई शुरू कर दी है। थाना प्रभारी राम बाबू सिंह ने बताया कि तहरीर मिलने पर सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज कर विधिक कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल मौके पर शांति एवं कानून-व्यवस्था कायम है।

खच्चरों की तलाश में घोड़े से तेज दौड़ी पुलिस, अलीगढ़ से आठों खच्चर बरामद

एक आरोपी गिरफ्तार, खच्चरों के साथ वारदात में इस्तेमाल पिकअप भी जब्त

समाज जागरण संवाददाता लखनऊ

लखनऊ पीजीआई थाना क्षेत्र से चोरी हुए आठ खच्चरों की तलाश में पुलिस घोड़े से भी तेज दौड़ी और आखिरकार अलीगढ़ पहुंचकर सभी आठ खच्चरों को बरामद कर लिया। पुलिस ने मामले में करीब 40 वर्षीय बच्चन सिंह पुत्र जयपाल सिंह को गिरफ्तार किया है। उसके कब्जे से चोरी के आठों खच्चरों के साथ वारदात में इस्तेमाल पिकअप वाहन UP81 HT 0782 भी जब्त किया गया।

गांधीनगर, माती निवासी रकमनाथ ने 26 अगस्त को पीजीआई थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया कि बबीता पत्नी स्वर्गीय शनिनाथ और रविनाथ पुत्र स्वर्गीय महेंद्रनाथ के आठ खच्चर 23 अगस्त को उतरटिया रेलवे क्रॉसिंग के पास से चोरी हो गए थे। शिकायत पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर खच्चरों की तलाश शुरू की। आठ खच्चरों की बरामदगी के लिए पीजीआई पुलिस ने कई टीमें लगाईं। तकनीकी जांच और स्थानीय सूचना के आधार पर पुलिस ने वारदात में इस्तेमाल पिकअप वाहन का सुराग लगाया। वाहन नंबर UP81 HT 0782 का पीछा करते हुए पुलिस टीम अलीगढ़ के गोंडा थाना क्षेत्र के नगला मानसुजान गांव पहुंची, जहां से बच्चन सिंह को गिरफ्तार कर लिया गया और उसके कब्जे से आठों खच्चर बरामद हो गए। पूछताछ में बच्चन सिंह ने पुलिस को बताया कि करीब 12-13 दिन पहले वह अपने लोडर से भाड़ा लेकर लखनऊ आया था। इसी दौरान उसके गांव के गोलू शर्मा पुत्र रामखिलाड़ी ने फोन कर बताया कि लखनऊ में उसके कुछ जानवर हैं और उन्हें अपने वाहन से ले जाने को कहा।

आरोपी के मुताबिक, गोलू शर्मा और उसके साथी ने ही खच्चरों को चोरी किया था और बेचने तक उन्हें उसके पास रखने के लिए कहा था। पुलिस अब गोलू शर्मा और उसके साथी की तलाश में जुटी है।

टीईटी से मुक्ति की मांग, शिक्षकों ने भेजा पत्र

समाज जागरण मुस्कान खान

बिजनौर। शिक्षक दिवस पर प्राथमिक शिक्षक संघ ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पत्र भेजकर 23 अगस्त 2011 से पूर्व नियुक्त शिक्षकों को टीईटी की अनिवार्यता से मुक्त करने की मांग की। जिलाध्यक्ष भूपेंद्र चौहान ने कहा कि निर्धारित योग्यता के आधार पर नियुक्त शिक्षकों पर बाद में लागू योग्यता की शर्त थोपना उचित नहीं है। संघ ने सरकार से शीघ्र राहत देने की मांग की है। पत्र पर कई शिक्षकों के हस्ताक्षर हैं।

फिर उफान पर गंगा, डेढ़ फीट पानी में डूबा नारनौर-दत्तियाना मार्ग

समाज जागरण
ब्यूरो शमीम सिद्दीकी

जनपद बिजनौर चांदपुर शुक्रवार की मध्य रात्रि से गंगा का पानी लगातार बढ़ने से नारनौर-दत्तियाना मार्ग पर डेढ़ फीट तक पानी बह रहा हैं जिससे मेरठ मार्ग बाधित हो गया हैं। फसले जलमग्न हैं। पहाड़ों में मैदानी क्षेत्र में लगातार हो रही बारिश से गंगा में आये उफान के कारण गंगा का जलस्तर बढ़ गया जिससे खादर क्षेत्र के ग्राम रायपुर खादर, जलालपुर, सीकरी, सलेमपुर, नारनौर आदि गावों के जगलो में 4 से 5 फीट तक पानी भर गया हैं। जंगलों में पानी ही पानी होने के कारण ग्रामीणों को चारा लाने में भारी समस्या का सामना करना पड़ रहा हैं। मेरठ मार्ग बाधित होने के कारण राहगीरों को भी भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा हैं।

सड़क टूटी है, मगर बहस आंदोलन किसने किया इस पर!

बस स्टैंड से इंदिरा चौक मार्ग की बदहाली पर सियासत गरमाई, जनता बोली–हमें आंदोलन नहीं, सड़क चाहिए

समाज जागरण

शहडोल। शहर के महत्वपूर्ण बस स्टैंड से इंदिरा चौक मार्ग की बदहाल स्थिति लंबे समय से लोगों के लिए परेशानी का कारण बनी हुई है। सड़क पर जगह-जगह गड्ढे, उखड़ी सतह और आवागमन में हो रही दिक्कतों को लेकर कांग्रेस द्वारा आंदोलन किए जाने के बाद अब मुद्दा सड़क से आगे बढ़कर सियासी बहस में तब्दील होता नजर आ रहा है।

कांग्रेस के आंदोलन के बाद शहर में सवाल उठ रहा है कि जब नगर परिषद में कांग्रेस का प्रतिनिधित्व और अध्यक्ष हैं, तो सड़क की बदहाली को लेकर आंदोलन क्यों किया गया? सवाल अपनी जगह है, लेकिन इसके साथ एक दूसरा सवाल भी खड़ा हो रहा है कि अन्य राजनीतिक दलों या उनके स्थानीय प्रतिनिधियों ने अब तक सड़क की बदहाली को लेकर प्रदर्शन या आवाज क्यों नहीं उठाई?

जनता के बीच सबसे बड़ा सवाल यह है कि आखिर सड़क के मुद्दे को राजनीतिक चश्मे से क्यों देखा जा रहा है। आम नागरिक के लिए इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि सड़क के लिए आंदोलन कांग्रेस ने किया या भाजपा ने। उसे तो बस यह चाहिए कि सड़क का निर्माण हो, गड्ढे भरे जाएं और रोजाना आवागमन में हो रही परेशानी से राहत मिले।

शहरवासियों का कहना है कि सड़क किसी राजनीतिक दल की नहीं, बल्कि जनता की होती है। इस सड़क से रोजाना हजारों लोग आवागमन करते हैं। ऐसे में सड़क की बदहाली को लेकर जो भी आवाज उठाए, उसका उद्देश्य यदि समाधान है तो उस पर राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप के बजाय समस्या के निराकरण पर ध्यान दिया जाना चाहिए।

वहीं, राजनीतिक दलों के बीच यह बहस भी महत्वपूर्ण है कि स्थानीय निकाय की जिम्मेदारी क्या है और शासन स्तर पर किसकी जवाबदेही बनती है। लेकिन इन सवालों के बीच आम जनता की प्राथमिकता बिल्कुल स्पष्ट है–उसे राजनीति नहीं, बेहतर सड़क चाहिए।

सवाल यह नहीं होना चाहिए कि आंदोलन किसने किया?

सवाल यह होना चाहिए कि सड़क अब तक बनी क्यों नहीं?

सियासत के चश्मे से सड़क देखने के बजाय यदि इसे जनता की नजर से देखा जाए तो तस्वीर शायद ज्यादा साफ दिखाई देगी। गड्ढे किसी पार्टी के नहीं होते, लेकिन उनमें गिरने का दर्द जनता को ही सहना पड़ता है।

रामेश्वर प्रजापति को कलेक्टर कोर्ट से झटका, स्वामीदीन कोल की जमीन पर कब्जे का मामला

– आदिवासी जमीन पर कब्जे को लेकर चली कानूनी लड़ाई में गैर-आदिवासी पक्ष की अपील खारिज, एसडीएम का बेदखली आदेश बरकरार

समाज जागरण

जैतहरी। आदिवासी की जमीन पर कब्जे को लेकर चल रही कानूनी लड़ाई में रामेश्वर प्रजापति को कलेक्टर न्यायालय से बड़ा झटका लगा है। कलेक्टर न्यायालय अनूपपुर ने रामेश्वर प्रजापति की अपील खारिज करते हुए एसडीएम जैतहरी के उस आदेश को बरकरार रखा है, जिसमें विवादित जमीन से बेदखली कर आदिवासी भूमि स्वामी स्वामीदीन कोल को कब्जा दिलाने के निर्देश दिए गए थे। मामला जैतहरी के खसरा नंबर 812, रकबा 0.061 हेक्टेयर भूमि का है। राजस्व रिकॉर्ड में उक्त जमीन आदिवासी वर्ग के स्वामीदीन कोल के नाम दर्ज बताई गई है। आरोप था कि उक्त जमीन पर गैर-आदिवासी पक्ष द्वारा मकान बनाकर कब्जा किया गया है।

एसडीएम कोर्ट ने दिया था बेदखली का आदेश

मामले में मध्यप्रदेश भू-राजस्व संहिता की धारा 170-ख के तहत एसडीएम जैतहरी की अदालत में कार्रवाई शुरू हुई। सुनवाई के बाद एसडीएम न्यायालय ने जमीन पर बने मकान से रामेश्वर प्रजापति को बेदखल कर जमीन का कब्जा आदिवासी भूमि स्वामी को सौंपने का आदेश दिया था। तहसीलदार जैतहरी को सात दिन के भीतर कब्जा दिलाकर पालन प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के निर्देश भी दिए गए थे।

एसडीएम के फैसले के खिलाफ कलेक्टर कोर्ट पहुंचे रामेश्वर

एसडीएम के आदेश से असंतुष्ट रामेश्वर प्रजापति ने कलेक्टर न्यायालय अनूपपुर में अपील दायर की। अपील में उनके द्वारा जमीन के संबंध में लेन-देन होने और कब्जा दिए जाने की बात कही गई। साथ ही यह तर्क भी रखा गया कि जमीन की रजिस्ट्री नहीं हुई है और मामला धारा 170-ख के तहत नहीं बनता। वहीं आदिवासी पक्ष की ओर से कहा गया कि जमीन राजस्व रिकॉर्ड में स्वामीदीन कोल के नाम दर्ज है और गैर-आदिवासी व्यक्ति द्वारा उस पर कब्जा किया गया है।

जमीन पर हक के पुख्ता कागज नहीं दिखा सके अपीलार्थी

कलेक्टर न्यायालय ने दोनों पक्षों की दलीलों के साथ राजस्व रिकॉर्ड और उपलब्ध दस्तावेजों का परीक्षण किया। सुनवाई के दौरान विवादित जमीन आदिवासी व्यक्ति के नाम राजस्व रिकॉर्ड में दर्ज होना सामने आया। वहीं रामेश्वर प्रजापति अपने पक्ष में जमीन के मालिकाना हक अथवा वैध अधिकार को साबित करने वाले ठोस दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सके।न्यायालय ने निचली अदालत के आदेश को कानून के अनुरूप मानते हुए अपील को खारिज कर दिया।

अब राजस्व अमले पर अमल कराने की जिम्मेदारी

कलेक्टर न्यायालय द्वारा अपील खारिज किए जाने के बाद एसडीएम जैतहरी का पूर्व आदेश कायम हो गया है। ऐसे में अब संबंधित राजस्व अमले के सामने न्यायालय के आदेश का पालन कराते हुए जमीन का कब्जा उसके आदिवासी भूमि स्वामी को दिलाने की कार्रवाई का रास्ता साफ हो गया है।

फिलहाल जैतहरी की इस जमीन को लेकर चली कानूनी लड़ाई में स्वामीदीन कोल पक्ष को राहत मिली है, जबकि रामेश्वर प्रजापति की अपील कलेक्टर कोर्ट में टिक नहीं सकी।

गलहथा पुलिया के नीचे फिर अवैध रेत खनन का आरोप

समाज जागरण
विशेष रिपोर्ट (जैतपुर)

जैतपुर/शहडोलः जैतपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत गलहथा पुलिया के ऊपर नदी में रेत का अवैध उत्खनन एक बार फिर धड़ल्ले से शुरू हो चुका है। सूत्रों से मिली पक्की खबर के मुताबिक, मौके पर दो ट्रैक्टर खुलेआम सीना तानकर नदी का सीना चीरने में जुटे हुए हैं। ☞ कानून को ठेंगा दिखाकर जारी इस अवैध कारोबार से साफ जाहिर है कि खनन माफिया के हौसले किस कदर बुलंद हैं।

☞ 'यादव' आरक्षक का 'पुराना' रुतबा और नया खेल!

सबसे गंभीर और चौंकाने वाली जानकारी तो यह छनकर आ रही है कि इस पूरे खेल के पीछे महकमे का ही एक 'खास' किरदार शामिल है। चर्चा है कि पूर्व थाना प्रभारी का करीबी माना जाने वाला 'यादव' नाम का एक आरक्षक आज भी अपनी पुरानी पकड़ और सेटिंग का पूरा इस्तेमाल कर रहा है। सूत्रों का दावा है कि साहब भले ही बदल गए हों, लेकिन 'यादव आरक्षक' का पुराना तंत्र अभी भी वैसा ही सक्रिय है और उसकी शह पर ही इलाके में यह अवैध खनन धड़ल्ले से चल रहा है।

☞ क्या नवागत थाना प्रभारी और प्रशासन लेंगे संज्ञान?

स्थानीय ग्रामीणों में इस बात को लेकर भारी आक्रोश है कि जब जिम्मेदार महकमा ही चुप्पी साधे रखेगा, तो माफियाओं पर नकेल कौन कसेगा? गलहथा पुलिया पर लगातार हो रहे इस उत्खनन से न केवल प्राकृतिक संपदा का दोहन हो रहा है, ☞ बल्कि शासन को राजस्व का भी भारी चूना लग रहा है।

अब देखना यह दिलचस्प होगा कि इस पूरे मामले की जानकारी उजागर होने के बाद क्या पुलिस प्रशासन अपने इस विवादित आरक्षक और मौके पर चल रहे रेत माफिया पर कठोर कार्रवाई करने का साहस जुटा पाता है, या फिर यह 'सेटिंग' यूं ही बेधड़क चलती रहेगी।

बाईपास की मांग उठाना गुनाह या संगठन की मयार्दा का सवाल ?

पदयात्रा के ऐलान पर भाजयुमो जिलाध्यक्ष को नोटिस, चाचा नगर पालिका अध्यक्ष की कुर्सी पर–फिर भतीजे को क्यों नहीं समझा पाए संगठन की मयार्दा?

समाज जागरण

गौरेला-पेंड्रा-मरवाही। गौरेला-पेंड्रा बाईपास की वर्षों पुरानी मांग को लेकर शुरू हुई पदयात्रा की घोषणा अब सड़क से निकलकर भाजपा के संगठनात्मक गलियारों तक पहुंच गई है। भारतीय जनता युवा मोर्चा के जिलाध्यक्ष सिद्धार्थ दुबे द्वारा बाईपास निर्माण की मांग को लेकर सोशल मीडिया पर पदयात्रा का ऐलान किए जाने के बाद संगठन ने उन्हें कारण बताओ नोटिस जारी कर दिया। वहीं भाजपा जिला महामंत्री युवा मोर्चा महेश राठौर से भी जवाब मांगा गया है।

मामले ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं–क्या क्षेत्र की जनसमस्या को लेकर आवाज उठाना संगठनात्मक अनुशासन के खिलाफ है? क्या पदयात्रा गलत थी या उसका सार्वजनिक ऐलान? और यदि मुद्दा जनहित का था तो संगठन के भीतर ही संवाद कर समाधान निकालने की कोशिश क्यों नहीं हुई?

सड़क की मांग पर नोटिस, आखिर संदेश क्या?

बाईपास सड़क को लेकर क्षेत्र में लंबे समय से मांग उठती रही है। ऐसे में भाजयुमो जिलाध्यक्ष द्वारा इस मुद्दे पर पदयात्रा का ऐलान करना पहली नजर में जनसमस्या को राजनीतिक मंच देने की पहल माना जा सकता है। लेकिन संगठन ने सोशल मीडिया पोस्ट को निर्धारित कार्यप्रणाली और संगठनात्मक मयार्दा के विपरीत मानते हुए नोटिस जारी किया।

यहीं से विरोधाभास पैदा होता है। जब भाजपा स्वयं जनसमस्याओं को लेकर जनता के बीच जाने और उनकी आवाज बनने की बात करती है, तो उसी संगठन का युवा पदाधिकारी किसी स्थानीय सड़क की मांग को लेकर पदयात्रा घोषित करता है तो उसे अनुशासनहीनता के दायरे में क्यों देखा गया?

दूसरी तरफ संगठन का तर्क यह हो सकता है कि किसी भी सार्वजनिक कार्यक्रम की घोषणा से पहले निर्धारित प्रक्रिया और वरिष्ठ नेतृत्व की अनुमति जरूरी है। ऐसे में असली सवाल अब यही है कि विवाद मुद्दे पर है या प्रक्रिया पर?

चाचा नगर पालिका अध्यक्ष, फिर भतीजे को नोटिस क्यों?

इस पूरे घटनाक्रम का एक और राजनीतिक पहलू चर्चा में है। सिद्धार्थ दुबे के चाचा भाजपा के वरिष्ठ नेता बताए जाते हैं और वर्तमान में भाजपा के टिकट पर नगर पालिका अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं।

ऐसे में सवाल उठना स्वाभाविक है कि जब परिवार में ही भाजपा का वरिष्ठ राजनीतिक अनुभव मौजूद है, तो क्या भतीजे को संगठनात्मक मयार्दा और पार्टी की प्रक्रिया समझाने में संवाद की कोई कमी रह गई?

यदि चाचा अपने ही पार्टी के कार्यकर्ता और भतीजे को इस तरह के कदम से पहले संगठन की प्रक्रिया के अनुरूप चलने के लिए तैयार नहीं कर पाए, तो क्या यह केवल सिद्धार्थ दुबे की गलती है या संगठन के भीतर संवाद और मार्गदर्शन की व्यवस्था पर भी सवाल उठना चाहिए?

हालांकि यह भी स्पष्ट है कि केवल पारिवारिक संबंध के आधार पर किसी व्यक्ति की राजनीतिक क्षमता या संगठनात्मक भूमिका पर निष्कर्ष निकालना उचित नहीं होगा। फिर भी वर्तमान घटनाक्रम ने इस रिश्ते को लेकर राजनीतिक चचाओं को जरूर हवा दे दी है।

जनहित की आवाज या संगठन से टकराव?

विवाद का सबसे बड़ा विरोधाभास यही है कि एक तरफ बाईपास की मांग को क्षेत्र की जनसमस्या बताया जा रहा है, दूसरी तरफ उसी मांग को लेकर पदयात्रा का ऐलान संगठनात्मक अनुशासन के दायरे में जांचा जा रहा है।

यदि पदयात्रा का उद्देश्य केवल जनसमस्या को शासन-प्रशासन तक पहुंचाना था तो क्या संगठन को इसे संवाद के माध्यम से आगे बढ़ाने का रास्ता नहीं तलाशना चाहिए था? और यदि बिना अनुमति कार्यक्रम घोषित करना संगठनात्मक रूप से गलत था तो क्या पार्टी के भीतर जनसमस्याओं को उठाने की कोई स्पष्ट व्यवस्था है?

महेश राठौर को भी नोटिस

मामला केवल भाजयुमो जिलाध्यक्ष तक सीमित नहीं है। जानकारी के अनुसार भाजपा जिला महामंत्री युवा मोर्चा महेश राठौर को भी नोटिस जारी कर जवाब मांगा गया है। इससे संकेत मिलता है कि संगठन ने पूरे घटनाक्रम को गंभीरता से लिया है।

अब नजर इस बात पर है कि संबंधित पदाधिकारी संगठन के सामने क्या जवाब रखते हैं और उनके जवाब के बाद पार्टी नेतृत्व क्या निर्णय लेता है।

अब असली परीक्षा संगठन और नेतृत्व की

बाईपास की मांग को लेकर उठे इस विवाद में अब सिर्फ सिद्धार्थ दुबे का जवाब महत्वपूर्ण नहीं है। सवाल संगठन के सामने भी है–क्या जनसमस्याओं को उठाने वाले अपने युवा कार्यकताओं को संवाद के जरिए साथ लेकर चला जाएगा या सार्वजनिक घोषणा को अनुशासन का विषय बनाकर कार्रवाई आगे बढ़ेगी?

वहीं सिद्धार्थ दुबे के लिए भी यह परीक्षा की घड़ी है कि वे अपने कदम को संगठन की मयार्दा के भीतर किस तरह उचित ठहराते हैं। फिलहाल बाईपास की सड़क की मांग से शुरू हुआ मामला संगठनात्मक अनुशासन के चौराहे पर खड़ा है। एक तरफ क्षेत्र की जनता की सड़क की मांग है, दूसरी तरफ पार्टी की निर्धारित प्रक्रिया। अब देखना यह होगा कि भाजपा नेतृत्व इस विरोधाभास का समाधान कैसे करता है–जनसमस्या की आवाज को रास्ता देकर या संगठनात्मक अनुशासन की सीमा रेखा खींचकर।

राकेश तिवारी गुड्डू ,मीना, ज्योति एवं रश्मि बनी भाजपा जिला कार्य समिति की सदस्य

समाज जागरण

अमलाई। भारतीय जनता पार्टी जिला अनूपपुर के जिला कार्य समिति सदस्यों के नाम की घोषणा कर दी गई है। सदस्यों में राकेश तिवारी गुड्डू देवहरा, मीना तंवर ,रश्मि खरे एवं ज्योति शर्मा चचाई के नाम शामिल है। उक्त चारों नवनियुक्त जिला कार्य समिति सदस्य कई वर्षों से भाजपा संगठन से जुड़े हुए हैं और पदाधिकारी भी रह चुके हैं। सभी के मनोनयन से नगर परिषद क्षेत्र, ऊर्जा नगरी ,कोयलांचल के भारतीय जनता पार्टी के कार्यकताओं में हर्ष की लहर देखी जा रही है। कार्यकताओं ने बधाई प्रेषित की है बधाई प्रेषित करने वालों में वरिष्ठ भाजपा नेता रामनारायण उरमलिया, गणेश प्यासी, नर्मदा तिवारी, सतीश तिवारी, नगर परिषद अध्यक्ष गीता गुप्ता, उपाध्यक्ष राज तिवारी, पार्षद पवन कुमार चीनी सुंदर बाई ,विश्वकर्मा ,किरण मौर्य, सौरभ कुमार, तारा तिवारी रंजन सोनी, अभिषेक गुप्ता, मनोनीत पार्षद संदीप पुरी, सुभाष मिश्रा, अजय सिंह, अनिल बैग, मनीष तिवारी ,रवि दुबे, अजय दहिया, डॉ राज पांडे ,सुमित सिंह, नीरज गुप्ता, विवेक पांडे, किशोर कहर, सुधीर मिश्रा अखिलेश सिंह सौरभ सिंह आदि ने बधाई प्रेषित की है।

झीरम घाटी मामले में फैसला न्याय की दिशा में महत्वपूर्ण कदम, लेकिन पूरा सच सामने आना बाकी : कांग्रेस

जिला कांग्रेस कमेटी ने की प्रेस वार्ता, कहा–न्यायालय के फैसले का पूरा सम्मान, घटना से जुड़े अनुत्तरित सवालों की भी हो निष्पक्ष जांच

समाज जागरण विजय तिवारी

गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही। झीरम घाटी नक्सली हमले के मामले में आए न्यायालय के फैसले को लेकर जिला कांग्रेस कमेटी गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही द्वारा स्थानीय जिला प्रेस क्लब भवन में प्रेस वार्ता आयोजित की गई। प्रेस वार्ता में कांग्रेस नेताओं ने न्यायालय के फैसले का सम्मान करते हुए कहा कि मामले में 10 आरोपियों का दोषी ठहराया जाना न्याय की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है, लेकिन झीरम घाटी की घटना से जुड़े कई सवालों का जवाब और घटना का पूरा सच प्रदेश की जनता के सामने आना अभी बाकी है।

जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष गजमती भानु ने कहा कि झीरम घाटी की घटना छत्तीसगढ़ के इतिहास की सबसे दुखद और गंभीर घटनाओं में से एक है। 25 मई 2013 को कांग्रेस की परिवर्तन यात्रा पर हुए नक्सली हमले में कांग्रेस ने अपने कई वरिष्ठ नेताओं, जनप्रतिनिधियों और कार्यकताओं को खोया था। इस घटना ने न केवल कांग्रेस बल्कि पूरे छत्तीसगढ़ को गहरा आघात पहुंचाया था। इतने वर्षों बाद मामले में न्यायालय का फैसला आने और आरोपियों के दोषी ठहराए जाने से न्याय की उम्मीद मजबूत हुई है।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी न्यायपालिका का पूरा सम्मान करती है और दोषी पाए गए लोगों को कानून के अनुसार सजा मिलनी चाहिए। इसके साथ ही कांग्रेस शुरू से यह मांग करती रही है कि झीरम घाटी की घटना से जुड़े हर पहलू की पूरी और निष्पक्ष जांच हो, ताकि किसी प्रकार का संदेह शेष न रहे और प्रदेश की जनता के सामने घटना की पूरी सच्चाई आ सके।

मरवाही के पूर्व विधायक डॉ. के.के. ध्रुव ने कहा कि झीरम घाटी में कांग्रेस के वरिष्ठ नेतृत्व को निशाना बनाया गया था। न्यायालय द्वारा आरोपियों को दोषी ठहराया जाना महत्वपूर्ण है, लेकिन घटना के दौरान सुरक्षा व्यवस्था, उस समय की परिस्थितियों तथा कथित बड़ी साजिश से जुड़े जो सवाल समय-समय पर उठते रहे हैं, उनकी भी निष्पक्ष एवं संपूर्ण जांच होनी चाहिए।

डॉ. ध्रुव ने कहा कि दोषी व्यक्ति चाहे कोई भी हो, कानून से ऊपर कोई नहीं होना चाहिए। यदि आगे की जांच में किसी अन्य व्यक्ति या स्तर की जिम्मेदारी सामने आती है तो उसके खिलाफ भी कानून के अनुसार कार्रवाई होनी चाहिए। झीरम घाटी जैसे गंभीर मामले में प्रदेश की जनता को यह जानने का अधिकार है कि उस दिन आखिर किन परिस्थितियों में इतनी बड़ी घटना घटी और क्या घटना से जुड़े सभी पहलुओं की पूरी तरह जांच की गई है।

प्रेस वार्ता में कांग्रेस नेताओं ने स्पष्ट किया कि कांग्रेस का सवाल न्यायालय के फैसले पर नहीं, बल्कि जांच के उन पहलुओं को लेकर है जिनके संबंध में पार्टी लगातार सवाल उठाती रही है। कांग्रेस न्यायपालिका के फैसले का सम्मान करती है। पार्टी की मांग केवल इतनी है कि झीरम घाटी कांड से जुड़े प्रत्येक पहलू की निष्पक्ष जांच हो और यदि कोई तथ्य या जिम्मेदारी अभी सामने आना बाकी है तो उसे भी प्रदेश की जनता के सामने लाया जाए।

कांग्रेस नेताओं ने कहा कि झीरम घाटी हमले में पार्टी ने अपने कई वरिष्ठ नेताओं और समर्पित कार्यकताओं को खोया। इसलिए यह कांग्रेस के लिए केवल एक राजनीतिक या कानूनी मामला नहीं, बल्कि अपने दिवंगत नेताओं और कार्यकताओं को न्याय दिलाने से जुड़ा विषय भी है। इतने वर्षों बाद दोषियों का दोषसिद्ध होना महत्वपूर्ण उपलब्धि है, लेकिन कांग्रेस तब तक इस मामले में पूर्ण न्याय की मांग करती रहेगी, जब तक घटना से जुड़े प्रत्येक सवाल का संतोषजनक जवाब सामने नहीं आता।

कांग्रेस नेताओं ने मांग की कि झीरम घाटी कांड की जांच में सुरक्षा व्यवस्था, घटना की परिस्थितियों और कथित व्यापक साजिश से जुड़े सभी पहलुओं को पूरी गंभीरता से देखा जाए। यदि किसी स्तर पर चूक, लापरवाही अथवा अन्य जिम्मेदारी सामने आती है तो उसकी जवाबदेही तय की जाए।

प्रेस वार्ता में जिला महामंत्री मूलचंद कुशराम, जिला उपाध्यक्ष बेचूराम अहिरेश, विधायक प्रतिनिधि पंकज तिवारी, सरपंच संघ अध्यक्ष लालचंद सोनवानी, राहुल भेना तथा सोशल मीडिया प्रभारी रियांश सोनी सहित कांग्रेसजन उपस्थित रहे। प्रेस वार्ता का संचालन जिला कांग्रेस कमेटी के प्रवक्ता ओमप्रकाश बंका ने किया।

अंत में कांग्रेस नेताओं ने कहा कि ह्लदोषियों को सजा मिलना न्याय की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है, लेकिन झीरम का पूरा सच सामने आना और घटना से जुड़े हर जिम्मेदार व्यक्ति तक कानून का पहुंचना ही शहीद नेताओं एवं कार्यकताओं के प्रति सच्चा न्याय होगा।

मानपुर क्षेत्र में जारी है भारी मात्रा में अवैध कच्ची शराब की तस्करी

कच्ची शराब की लत ने उजाड़ दिया कितनो का हंसता खेलता परिवार

समाज जागरण

उमरिया जिले के मानपुर विधानसभा मुख्यालय सहित आस पास के क्षेत्रों में इन दिनो सुरा प्रेमियों को सस्ते दाम में आसानी से उपलब्ध हो जाने के कारण क्षेत्र में कच्ची शराब की ज्यादा डिमांड बढ़ गया है जिस कारण क्षेत्र में कई ऐसे ठीहे पनप रहे हैं जहां भारी मात्रा में कच्ची शराब का निर्माण कर थोक के भाव अन्य क्षेत्रों में सप्लाई कर जगह जगह आसानी से पियक्कड़ों को कच्ची शराब उपलब्ध कराई जाती है सूत्रों की माने तो मानपुर से लगे ग्राम रक्सा,अमिलिया एवं सिगुड़ी यह तीनों गांव ऐसे हैं जहां स्मगलरों द्वारा थोक

के भाव शराब बनाई जाती है मानो अगर किसी को पचास लीटर कच्ची शराब चाहिए हो तो नशे के सौदागरों द्वारा चंद घंटों के अंदर शराब उपलब्ध करा दिया जाता है ऐसा भी नहीं है कि आबकारी विभाग को संबंधित मामले की जानकारी न हो बल्कि सब कुछ जानते हुए भी कार्यवाही नहीं की जाती बल्कि महीने में क्षेत्र का दौड़ा कर संपर्क अभियान चलाते हुए खनापूर्ति जरूर कर ली जाती है अगर मामले की सत्यता जाननी हो तो जिम्मेदारों के कॉल डिटेल से लेकर फोन पे की जांच कर लिया जाए जिसके बाद मामला परत दर परत खुलता ही चला जाएगा और थामने का नाम ही नहीं लेगा

महुआ लाहन बनाने में करते हैं जहरीले केमिकल का स्तेमाल सूत्रों की माने तो नाम न बताने की शर्त पर कुछ शुरा प्रेमियों द्वारा बताया गया कि कच्ची शराब बना कर बेंचने वाले कारोबारी शराब बनाने के लिए महुआ लाहन को जल्दी सड़ाने के लिए यूरिया वा केमिकल जैसे घातक जहरीले पदार्थ का स्तेमाल किया जाता है जिस कारण महुआ लाहन जल्दी तैयार होता है और क्षमता से अधिक मात्रा में शराब निकलता है इतना ही नहीं जहरीला पदार्थ होने के कारण शराब में नशा भी भरपूर होता है अब मामले में कितनी सच्चाई है यह बता पाना मुश्किल होगा लेकिन इतना जरूर है कि क्षेत्र में भारी मात्रा में कच्ची शराब की तस्करी जोरों पर है

सूत्रों की माने तो अभी हाल ही में सागर जिले की बंडा तहसील के ग्राम गोगरा खुर्द, नौरोज, और पाटन में नकली शराब पीने से कई लोगों की मौत हो गई जिसको संज्ञान में लेते हुए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देश पर प्रशासन ने बंडा थाना प्रभारी और गोगरा चौकी प्रभारी को निलंबित कर दिया है। इनसे पहले प्रशासन ने तीन अधिकारियों को निलंबित कर दिया था और एक अधिकारी को ग्वालियर मुख्यालय अटैच कर दिया था गौरतलब हो कि ऐसी किसी बड़ी घटना दुर्घटना का सामना करने से पहले ही क्षेत्र में अवैध कच्ची शराब की बिक्री पर प्रतिबंध लगाया जाना चाहिए साथ ही अवैध शराब बनाने वालों को चिन्हित कर उनपर प्रतिबंधात्मक कार्यवाही के साथ कानूनी शिकंजा कसा जाना चाहिए ताकि सागर की तरह अपना उमरिया जिले को बदनामी से बचाया जा सके जिला कलेक्टर से जनापेक्षा है कि संबंधित मामले को संज्ञान में लेते हुए आबकारी विभाग को सतर्क किया जाए और जगह जगह छापामार कार्यवाही करते हुए अवैध कच्ची शराब के बड़े व थोक कारोबारियों पर कानूनी कार्यवाही किया जाए

टूटी पुलिया पर खुद फावड़ा लेकर उतरे पार्षद, शासन-प्रशासन की अनदेखी पर उठे सवाल

बाणसागर विस्थापितों की बसाहट में सुविधाओं का अभाव, वार्डवासियों ने कहा–कब मिलेगा स्थायी समाधान?

समाज जागरण

ब्योहारी। नगर पंचायत ब्योहारी के वार्ड क्रमांक 9 न्यू बरौधा में बाणसागर परियोजना से विस्थापित परिवारों की बसाहट है। बड़ी आबादी वाले इस वार्ड की एक महत्वपूर्ण पुलिया पिछले वर्ष हुई अतिवृष्टि के दौरान क्षतिग्रस्त हो गई थी। पुलिया टूटने के बाद से वार्डवासियों को आवागमन में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

पुलिया के पुनर्निर्माण और स्थायी मरम्मत की मांग को लेकर वार्ड पार्षद धर्मेंद्र सिंह एवं वार्डवासियों द्वारा एसडीएम, नगर पंचायत अध्यक्ष, कलेक्टर शहडोल सहित मुख्यमंत्री को कई बार आवेदन दिए गए। इसके बावजूद लंबे समय बाद भी समस्या का स्थायी समाधान नहीं हो सका। बताया गया कि मुख्यमंत्री के ब्योहारी प्रवास के दौरान आयोजित जनविश्वास कार्यक्रम में भी वार्डवासियों ने मौके पर पहुंचकर यह समस्या उनके सामने रखी थी, लेकिन इसके बाद भी अपेक्षित कार्रवाई नहीं हुई।

जब प्रशासन नहीं जागा तो पार्षद ने खुद संभाला मोर्चा

लगातार उपेक्षा से परेशान वार्ड पार्षद धर्मेंद्र सिंह ने आखिरकार पुलिया की मरम्मत का बीड़ा स्वयं उठाया। पार्षद फावड़ा और गैती लेकर वार्डवासियों के साथ क्षतिग्रस्त पुलिया की मरम्मत में जुट गए, ताकि लोगों का आवागमन सुचारू हो सके। जनप्रतिनिधि को स्वयं श्रम करते देख वार्डवासियों ने उनके प्रयास की सराहना की।

वार्डवासियों का कहना है कि बाणसागर परियोजना के कारण विस्थापन का दंश झेल चुके परिवारों को आज भी मूलभूत सुविधाओं के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है। उनका आरोप है कि विस्थापित परिवारों की समस्याओं के प्रति शासन-प्रशासन का रवैया संवेदनशील नहीं है, जिसके चलते उन्हें बार-बार अपनी समस्याओं को लेकर अधिकारियों के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं।

नए कलेक्टर से जगी उम्मीद

वार्ड क्रमांक 9 में बड़ी आबादी निवास करती है और इसी क्षेत्र में क्षेत्रीय विधायक शरद जुगलाल कोल का निवास भी बताया जाता है। इसके बावजूद लंबे समय से पुलिया जैसी मूलभूत सुविधा का स्थायी समाधान नहीं होना व्यवस्था पर सवाल खड़े करता है।

अब पार्षद धर्मेंद्र सिंह और वार्डवासियों ने शहडोल के नवागत कलेक्टर पार्थ जैसवाल से मांग की है कि वे बाणसागर विस्थापित परिवारों की समस्याओं को गंभीरता से संज्ञान में लेकर क्षतिग्रस्त पुलिया का स्थायी निर्माण कराने सहित वार्ड की अन्य मूलभूत समस्याओं के निराकरण के लिए आवश्यक कार्रवाई करें।

फिलहाल पार्षद और वार्डवासियों के प्रयास से आवागमन को कुछ राहत मिलने की उम्मीद है, लेकिन स्थायी समाधान कब होगा और प्रशासन इस मामले में कब गंभीरता दिखाएगा, यह देखने वाली बात होगी।

गलहथा पुलिया के नीचे फिर गरजा रेत खनन का ट्रैक्टर

समाज जागरण

बिजुरी। भारतीय जनता पार्टी युवा मोर्चा मंडल बिजुरी द्वारा आज भाजपा पिछड़ा मोर्चा अनूपपुर के नवनियुक्त जिलाध्यक्ष श्री प्रेमचंद यादव जी एवं महामंत्री श्री शिव रतन भैया जी का भव्य स्वागत व अभिनंदन किया गया।

यह कार्यक्रम युवा मोर्चा मंडल बिजुरी के अध्यक्ष प्रकाश यादव एवं महामंत्री शिव जायसवाल जी के नेतृत्व में आयोजित हुआ, जहाँ

कार्यकताओं ने गर्मजोशी के साथ नवागत पदाधिकारियों का फूल-मालाओं से स्वागत किया।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से सांसद प्रतिनिधि बिजुरी गया बोध मिश्रा जी, पूर्व मंडल अध्यक्ष मुकेश जैन जी, युवा मोर्चा के पूर्व मंडल अध्यक्ष संदीप अग्रवाल जी, भाजपा नेता सत्येंद्र सोनी जी, सुनील पाशी जी, मनु भैया जी, संजय केशरवानी जी, अंकित मिश्रा जी, रवि कुशवाहा जी, सूरज पनिका जी, अंकित जायसवाल जी शिव सेन आदेश श्रीवास्तव समेत सैकड़ों की संख्या में युवा साथी व भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

पिपरखंड के छह विद्यार्थियों को राष्ट्रपति भवन भ्रमण का गौरवपूर्ण अवसर

8 सितंबर को अमृत उद्यान का करेंगे भ्रमण, विद्यालय परिवार में हर्ष

जिला ब्यूरो प्रमुख / समाज जागरण
सोनभद्र। एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय, पिपरखंड के छह विद्यार्थियों को नई दिल्ली स्थित राष्ट्रपति भवन के अमृत उद्यान के भ्रमण का गौरवपूर्ण अवसर प्राप्त हुआ है। विद्यार्थियों का यह शैक्षणिक भ्रमण 8 सितंबर 2026 को निर्धारित है। इस उपलब्धि से विद्यालय परिवार में हर्ष का वातावरण है।

भ्रमण के लिए चयनित विद्यार्थियों में आदित्य, अजीत, पी.के.आर.सी. बाबू, संगीता, नेहा और राधा शामिल हैं। विद्यार्थियों के साथ विद्यालय की शिक्षिका श्रीमती कल्याणी, संस्कृत शिक्षिका मार्गदर्शक के रूप में रहेंगी।

राष्ट्रपति भवन और अमृत उद्यान का भ्रमण विद्यार्थियों के लिए ज्ञानवर्धक और प्रेरणादायी अनुभव होगा। उन्हें देश की महत्वपूर्ण राष्ट्रीय धरोहर, राष्ट्रपति भवन की गरिमा तथा अमृत उद्यान की प्राकृतिक और ऐतिहासिक विशेषताओं को निकट से जानने का अवसर मिलेगा।

विद्यालय की प्रधानाचार्या श्रीमती सोनिया आनंद ने विद्यार्थियों की इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे अवसर विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास, आत्मविश्वास और राष्ट्रीय चेतना को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने चयनित विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए यात्रा के दौरान अनुशासन और विद्यालय की गरिमा बनाए रखने के लिए प्रेरित किया।

विद्यालय परिवार ने सभी चयनित विद्यार्थियों और शिक्षिका कल्याणी को इस गौरवपूर्ण अवसर के लिए शुभकामनाएं दीं तथा उनके सुखद एवं ज्ञानवर्धक भ्रमण की कामना की।

मारपीट और जान से मारने की धमकी के मामले में पांच गिरफ्तार

आरोपियों की निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त कुल्हाड़ी बरामद

जिला ब्यूरो प्रमुख / समाज जागरण
सोनभद्र। रॉबट्र्सगंज थाना पुलिस ने मारपीट और जान से मारने की धमकी देने के मामले में पांच नामजद आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनकी निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त कुल्हाड़ी भी बरामद की है।

पुलिस के अनुसार, बहुआर गांव निवासी आभा देवी की तहरीर पर 31 अगस्त को मुकदमा दर्ज किया गया था। आरोप था कि उनके देवर जोगेंद्र मिश्रा उर्फ लालू के साथ किराने की दुकान पर नामजद आरोपियों ने एकराय होकर लाठी-डंडों से मारपीट की। बीच-बचाव करने पहुंची आभा देवी के साथ भी मारपीट की गई तथा आरोपियों पर घर तक पीछा कर गाली-गलौज और जान से मारने की धमकी देने का आरोप है।

मामले में पुलिस ने बीएनएस की संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू की थी। रविवार को पुलिस ने बहुआर-बासौली मोड़ पुलिया के पास से पांचों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

गिरफ्तार आरोपियों में अनिल कुमार पाठक (54), श्रीप्रकाश उर्फ शिवम पाठक (26), सुनील पाठक (40), निलेश उर्फ राजन पाठक (32) और पंकज त्रिपाठी उर्फ लिप्पू (40) शामिल हैं। सभी बहुआर गांव के निवासी बताए गए हैं। पुलिस ने आरोपियों को न्यायालय में पेश करने की कार्रवाई शुरू कर दी है।

कार्रवाई करने वाली टीम में उपनिरीक्षक बृजेश सिंह, मुख्य आरक्षी विनोद भारती, मुख्य आरक्षी विष्णु शंकर उपाध्याय, आरक्षी सुनील कुमार और आरक्षी उत्तम पाण्डेय शामिल रहे।

गणेश पूजा को लेकर प्रशासन और सीआईएसएफ ने लिया सुरक्षा व्यवस्था का जायजा

श्रद्धालुओं की सुरक्षा और यातायात व्यवस्था को लेकर दिए आवश्यक निर्देश

समाज जागरण / संवाददाता अकबर अली
शक्तिनगर, सोनभद्र। गणेश पूजा को लेकर बलिया नाला क्षेत्र स्थित विजय कंस्ट्रक्शन परिसर में प्रशासन और सीआईएसएफ अधिकारियों की महत्वपूर्ण बैठक हुई। अधिकारियों ने पूजा स्थल और आसपास के क्षेत्र का जायजा लेकर सुरक्षा व्यवस्था को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

अधिकारियों ने बलिया नाला क्षेत्र तथा आसपास की औद्योगिक इकाइयों को विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए। पूजा में शामिल होने वाले श्रद्धालुओं की सुरक्षा के साथ मुख्य मार्ग पर वाहनों के आवागमन को सुचारु बनाए रखने के लिए यातायात व्यवस्था पर भी चर्चा की गई। आयोजकों ने बताया कि गणेश पूजा को शांतिपूर्ण, सुरक्षित और श्रद्धापूर्ण वातावरण में संपन्न कराने के लिए सभी आवश्यक तैयारियां की जा रही हैं। क्षेत्र में पूजा को लेकर लोगों में उत्साह है और आयोजन को भव्य बनाने की तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं।

बैठक में अजीत तिवारी, शिवकुमार सविता, राजू ठाकुर, रितेश शर्मा और राजू यादव सहित बलिया नाला क्षेत्र के नागरिक एवं अन्य लोग उपस्थित रहे।

संदिग्ध परिस्थितियों में 17 वर्षीय किशोरी की मौत

घर में फांसी लगाने की सूचना, पुलिस ने शुरू की जांच

समाज जागरण / अकबर अली
रेणुकूट, सोनभद्र। स्थानीय सेकंड प्लांट आवासीय परिसर के समीप शनिवार को संदिग्ध परिस्थितियों में 17 वर्षीय किशोरी रिया सिंह की मौत हो गई। परिजनों के अनुसार, किशोरी ने घर के अंदर फांसी लगा ली थी। घटना की जानकारी मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया।

परिजनों के मुताबिक, रिया शुक्रवार रात परिवार के साथ राधा-कृष्ण मंदिर में आयोजित जन्माष्टमी कार्यक्रम में शामिल हुई थी। देर रात करीब एक बजे परिवार घर लौटा था। शनिवार दोपहर परिवार के सदस्य आराम कर रहे थे, इसी दौरान रिया की छोटी बहन की नजर उस पर पड़ी। परिजनों ने तत्काल उसे नीचे उतारा और उपचार के लिए ईएसआई अस्पताल ले गए, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया।

सूचना मिलने पर पुलिस अस्पताल पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम की कार्रवाई शुरू की। चौकी प्रभारी जितेंद्र सरोज ने बताया कि अस्पताल से किशोरी की मौत की सूचना प्राप्त हुई थी। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

पुलिस के अनुसार, किशोरी की मौत के वास्तविक कारणों का अभी स्पष्ट पता नहीं चल सका है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

नाले के तेज बहाव में बहने से 12 वर्षीय हम्माद की मौत

एसडीएम नजीबाबाद और चेयरमैन ने घटनास्थल का जायजा लेकर परिजनों को दी सांत्वना

मुस्कान खान / दैनिक समाज जागरण
किरतपुर, बिजनौर। शनिवार को हुई मूसलाधार बारिश के दौरान नाले के तेज बहाव में बहने से 12 वर्षीय बालक मोहम्मद हम्माद की मौत हो गई। हादसे की सूचना मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया और मोहल्ले में शोक की लहर दौड़ गई।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, मोहल्ला अंसारियान स्थित अंसार इंटर कॉलेज में छुट्टी के बाद बच्चे घर लौट रहे थे। कॉलेज के पास सड़क किनारे नाला बारिश के पानी से लबालब था। इसी दौरान हम्माद की चप्पल नाले में बह गई। उसे निकालने के प्रयास में वह नाले में गिर गया और तेज बहाव में बहता चला गया।

मौके पर मौजूद लोगों ने काफी दूर जाकर उसे नाले से बाहर निकाला। परिजन उसे तत्काल स्थानीय नर्सिंग होम ले गए, जहां से गंभीर हालत में बिजनौर रेफर किया गया। उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई।

हम्माद अपने माता-पिता के साथ ही 10 वर्षीय छोटे भाई के परिवार में रहता था। उसके पिता मोहम्मद अफजाल अंसारी दिल्ली में काम करते हैं। हम्माद किरतपुर में अपने ननिहाल में रहकर पढ़ाई कर रहा था और वरिष्ठ समाजसेवी सईद अंसारी का नवासा था।

घटना की सूचना पर एसडीएम नजीबाबाद, तहसीलदार अमित कुमार, कानूनगो सुरेश चंद छिनवाल, लेखपाल आलोक यादव, थाना प्रभारी पुष्पेंद्र कुमार, कस्बा प्रभारी दीपक नागर, विधायक मनोज पारस और चेयरमैन अब्दुल मन्नान सहित कई जनप्रतिनिधियों एवं गणमान्य लोगों ने पीड़ित परिवार से मुलाकात कर शोक संवेदना व्यक्त की।

दैनिक समाज जागरण नेशनल अखबार मे विज्ञापन देने के लिए संपर्क करें।

ब्लास्टिंग के दौरान क्रशर प्लांट की मशीन का हिस्सा टूटा, मलबे में दबकर चार मजदूरों की मौत

सोनभद्र के एक ही गांव के थे मृतक, रक्षाबंधन के बाद करीब एक सप्ताह पहले ही काम पर लौटे थे

समाज जागरण / ब्यूरो चीफ
विजय कुमार अग्रहरी
सोनभद्र। अहरौरा थाना क्षेत्र में शनिवार दोपहर क्रशर प्लांट में डस्ट हटाने के दौरान हुए हादसे में सोनभद्र के चार मजदूरों की मौत हो गई। बताया गया कि ब्लास्टिंग के दौरान क्रशर मशीन का एक हिस्सा टूटकर मजदूरों के ऊपर जा गिरा, जिससे वे मलबे में दब गए। रविवार को चारों के शव गांव पहुंचते ही परिजनों में कोहराम मच गया और पूरे क्षेत्र में मातम छा गया।

स्थानीय लोगों के अनुसार, हादसा शनिवार दोपहर करीब तीन बजे हुआ। उस समय मजदूर क्रशर प्लांट में डस्ट हटाने का काम कर रहे थे। इसी दौरान हुई ब्लास्टिंग से मशीन का एक हिस्सा टूटकर नीचे गिर गया। मलबे में दबे मजदूरों को जेसीबी की मदद से बाहर निकाला गया और अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने चारों को मृत घोषित कर दिया।

मृतकों की पहचान अशोक गोंड (38), राकेश कुमार गोंड (32), लाल बहादुर बैगा (32) और दुर्योधन विश्वकर्मा (30) के रूप में हुई है। सभी जुगैल थाना क्षेत्र के बड़गवां गांव और उसके टोलों के निवासी थे। अशोक के परिवार में पत्नी के अलावा दो बेटे और एक बेटी हैं। राकेश के परिवार में एक बच्चा है, जबकि लाल बहादुर और दुर्योधन के परिवार भी इस हादसे से गहरे सदमे में हैं।

बताया गया कि चारों मजदूर रक्षाबंधन के अवसर पर घर आए थे और करीब एक सप्ताह पहले ही दोबारा काम पर लौटे थे। हादसे की सूचना मिलने पर मिजार्पुर के मंडलायुक्त और जिलाधिकारी ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने भी मौके पर पहुंचकर जांच की।

पुलिस अधीक्षक अपर्णा रजक कौशिक के मुताबिक, हादसे के समय प्लांट मालिक या कोई कर्मचारी मौके पर मौजूद नहीं था। पुलिस ने घटनास्थल से जुड़े लोगों से पूछताछ कर हादसे के कारणों की जानकारी जुटाई है।

रविवार सुबह समाज कल्याण राज्यमंत्री एवं ओबरा विधायक संजीव कुमार गोंड समेत अन्य जनप्रतिनिधियों ने मृतकों के गांव पहुंचकर परिजनों को सांत्वना दी और हरसंभव मदद का भरोसा दिलाया। चारों शव गांव पहुंचने के बाद अंतिम संस्कार किया गया। सोन घाट पर तीन चिताएं जलीं, जबकि अशोक का अंतिम संस्कार परंपरा के अनुसार दफनाकर किया गया। इस दौरान माहौल बेहद गमगीन रहा।

खनन और क्रशर इकाइयों की सुरक्षा पर फिर उठे सवाल

हादसे के बाद ग्रामीणों ने खनन और क्रशर प्लांटों में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर चिंता जताई है। उनका कहना है कि पर्याप्त सुरक्षा इंतजाम नहीं होने से मजदूरों की जान जोखिम में पड़ रही है। ग्रामीणों ने संबंधित विभाग से क्रशर एवं खनन क्षेत्रों में सुरक्षा मानकों की जांच और लापरवाही मिलने पर कार्रवाई की मांग की है। गौरतलब है कि करीब आठ माह पहले भी सोनभद्र में मकसूदन सिंह के क्रशर से जुड़े खदान क्षेत्र में हुए हादसे में सात मजदूरों की मौत हुई थी। उस मामले में नौ लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया था। अब चार और मजदूरों की मौत ने खनन और क्रशर इकाइयों में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

बभनी के चार गांवों में सफाई व्यवस्था को लेकर प्रदर्शन

ग्रामीणों ने सफाईकर्मियों पर लगाया लापरवाही का आरोप, जिलाधिकारी से कार्रवाई की मांग

जिला ब्यूरो प्रमुख / समाज जागरण
सोनभद्र। बभनी विकासखंड के रन्दह, झनकपुर, सागसोती और मचबंधवा गांवों में रविवार को ग्रामीणों ने सफाई व्यवस्था को लेकर प्रदर्शन किया। ग्रामीणों ने गांवों में लंबे समय से साफ-सफाई नहीं होने का आरोप लगाते हुए जिलाधिकारी से संबंधित कर्मचारियों और अधिकारियों के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की।

ग्रामीणों का आरोप है कि इन गांवों में तैनात सफाईकर्मी नियमित रूप से ड्यूटी पर नहीं आते, जिसके चलते जगह-जगह कूड़े के ढेर और गंदगी फैली हुई है। पंचायत भवन परिसर तथा मुख्य रास्तों पर घास-झाड़ियां उग आने से आवागमन प्रभावित हो रहा है। ग्रामीणों ने जहरीले जीव-जंतुओं से भी खतरे की आशंका जताई। ग्रामीणों का कहना है कि उन्होंने मामले की शिकायत विकासखंड स्तर के अधिकारियों से भी की, लेकिन अपेक्षित कार्रवाई नहीं हुई। उनका आरोप है कि सफाईकर्मियों की उपस्थिति और कार्यों की नियमित जांच नहीं होने से स्थिति लगातार बिगड़ रही है।

बभनी-अंबिकापुर मार्ग पर सघन वाहन जांच, 10 वाहनों के चालान

दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए पुलिस की कार्रवाई, वाहन चालकों को यातायात नियमों के प्रति किया जागरूक

जिला ब्यूरो प्रमुख / समाज जागरणः सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर बभनी थाना क्षेत्र में शनिवार शाम क्रिटिकल कॉरिडोर दल ने बभनी-अंबिकापुर मुख्य मार्ग पर सघन वाहन जांच अभियान चलाया। इस दौरान सैकड़ों वाहनों की जांच की गई और यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले 10 वाहनों के चालान किए गए। पुलिस के अनुसार, दुर्घटना संभावित एवं संवेदनशील मार्गों पर सड़क हादसों और तेज रफ्तार पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से विशेष दलों की तैनाती की गई है। अभियान के दौरान दोपहिया और चारपहिया वाहनों की जांच के साथ बिना हेलमेट और बिना सीट बेल्ट वाहन चलाने वालों के विरुद्ध कार्रवाई की गई। तेज रफ्तार तथा नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहनों पर भी निगरानी रखी गई।

पुलिसकर्मियों ने वाहन चालकों को यातायात नियमों का पालन करने और सुरक्षित ढंग से वाहन चलाने के लिए जागरूक किया। शराब पीकर वाहन चलाने तथा अन्य गंभीर यातायात उल्लंघनों पर भी विशेष नजर रखने के निर्देश दिए गए हैं।

अभियान में उपनिरीक्षक मक्खन लाल के साथ आरक्षी सुधीर यादव और सुरेश कुमार शामिल रहे। पुलिस ने बताया कि दुर्घटना संभावित मार्गों पर इस प्रकार की जांच आगे भी जारी रहेगी।

ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन ने उठाई पत्रकारों की समस्याएं

पत्रकार सुरक्षा, उत्पीड़न, फर्जी मुकदमों और चिकित्सा सुविधाओं पर हुआ विचार-विमर्श

समाज जागरण / ब्यूरो चीफ
विजय कुमार अग्रहरी
सोनभद्र। ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन, सोनभद्र की आवश्यक बैठक रविवार को दैनिक तरुणमित्र जनपद कार्यालय, रॉबट्र्सगंज में जिलाध्यक्ष विनोद कुमार मिश्रा की अध्यक्षता में हुई। बैठक में ग्रामीण पत्रकारों की सुरक्षा, उत्पीड़न, फर्जी मुकदमों, टोल प्लाजा, चिकित्सा सुविधाओं सहित संगठन से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर विचार-विमर्श किया गया।

वक्ताओं ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में पत्रकार विषम परिस्थितियों के बीच जनसमस्याओं को सामने लाने का कार्य करते हैं। ऐसे में उनकी सुरक्षा और सम्मान से समझौता नहीं किया जाना चाहिए। पत्रकारों के उत्पीड़न तथा फर्जी मुकदमों के मामलों को गंभीरता से लेते हुए संगठन के स्तर से प्रभावी ढंग से आवाज उठाने का निर्णय लिया गया।

बैठक में संगठन को मजबूत बनाने और पत्रकार हितों से जुड़े विषयों को प्राथमिकता से उठाने पर भी चर्चा हुई। पदाधिकारियों को अंगवस्त्र और दैनंदिनी भेंट कर सम्मानित किया गया। संचालन जिला उपाध्यक्ष सेराज अहमद ने किया।

दिसंबर में होगा जिला सम्मेलन

बैठक में ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन उत्तर प्रदेश, सोनभद्र का जिला सम्मेलन दिसंबर 2026 में आयोजित करने का निर्णय लिया गया। सम्मेलन की तैयारियों और अधिक से अधिक पत्रकारों की सहभागिता सुनिश्चित करने को लेकर रूपरेखा तैयार की गई।

इस अवसर पर सत्यपाल तनेजा, मनमोहन शुक्ला, अवधेश कुमार गुप्ता, रोहित कुमार त्रिपाठी, विवेकानंद मिश्रा, अमरदीप सिंह, अमर बहादुर, बद्री प्रसाद गौतम, रामकेश यादव, जयनाथ मौर्य, दुर्गेश पांडेय और राकेश कनौजिया सहित अन्य पत्रकार उपस्थित रहे।

जर्जर सड़क की मरम्मत को लेकर ग्रामीणों का प्रदर्शन

बागेसोती से डूमर होते हुए लोद घाट तक सात किलोमीटर मार्ग बदहाल, ग्रामीणों ने उठाई तत्काल मरम्मत की मांग

समाज जागरण / अनिल कुमार अग्रहरीः कोन, सोनभद्र। रॉबट्र्सगंज विधानसभा क्षेत्र के ग्राम पंचायत बागेसोती के डूमर टोला में रविवार को ग्रामीणों ने जर्जर सड़क की मरम्मत की मांग को लेकर प्रदर्शन किया। ग्रामीणों का कहना है कि करीब सात किलोमीटर लंबी बागेसोती मुख्य मार्ग से डूमर होते हुए लोद घाट तक जाने वाली सड़क पिछले कई वर्षों से मरम्मत के अभाव में बदहाल है।

ग्रामीणों के अनुसार, सड़क का निर्माण करीब 10 वर्ष पहले हुआ था। वर्तमान में सड़क की स्थिति इतनी खराब हो चुकी है कि स्कूली बच्चों, बुजुर्गों और महिलाओं को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों का आरोप है कि सड़क की मरम्मत के लिए सांसद, विधायक और स्थानीय प्रशासन को कई बार अवगत कराया गया, लेकिन अब तक समस्या का समाधान नहीं हुआ। रविवार को समाजसेवी एवं सपा नेता जोखन प्रसाद यादव की अगुवाई में ग्रामीणों ने प्रदर्शन कर जिला प्रशासन से सड़क की तत्काल मरम्मत कराने की मांग की। यादव ने कहा कि सड़क को लेकर पहले भी कई बार आवाज उठाई जा चुकी है, लेकिन कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। प्रदर्शन में अमर केश यादव, राम भरोश पासवान, बबलू प्रजापति, अयोध्या प्रसाद कनौजिया, पूर्व ग्राम पंचायत सदस्य नन्हकू राम, प्रेम सागर कनौजिया, राधेश्याम प्रजापति, शंकर पासवान और अकलू प्रजापति सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण शामिल रहे।

होम्योपैथिक चिकित्सालय में ताला लटका मिलने पर ग्रामीणों का प्रदर्शन

स्वास्थ्य सेवाएं प्रभावित होने का आरोप, जांच के बाद कार्रवाई का मुख्य चिकित्साधिकारी ने दिया आश्वासन

समाज जागरण / अनिल कुमार अग्रहरी
कोन, सोनभद्र। विकासखंड कोन के ग्राम पंचायत बागेसोती स्थित राजकीय होम्योपैथिक चिकित्सालय में स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर ग्रामीणों में आक्रोश है। शनिवार को चिकित्सालय में कर्मचारियों की अनुपस्थिति का आरोप लगाते हुए ग्रामीणों ने प्रदर्शन किया और स्वास्थ्य विभाग से कार्रवाई की मांग की। ग्रामीणों का आरोप है कि चिकित्सालय में चिकित्साधिकारी और अन्य कर्मचारियों की उपस्थिति नियमित नहीं रहती। शनिवार को भी चिकित्सालय का मुख्य द्वार अंदर से बंद मिला और मौके पर कोई कर्मचारी मौजूद नहीं था। ग्रामीणों का कहना है कि लंबे समय से ऐसी स्थिति बनी हुई है, जिससे क्षेत्र के लोगों को सरकारी स्वास्थ्य सुविधा का समुचित लाभ नहीं मिल पा रहा है। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि सरकार द्वारा ग्रामीण और आदिवासी क्षेत्रों में स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से चिकित्सालय संचालित किए जा रहे हैं, लेकिन कर्मचारियों की कथित लापरवाही के कारण इसका लाभ लोगों तक नहीं पहुंच रहा है। ग्रामीणों ने यह भी बताया कि चिकित्सालय परिसर में संबंधित चिकित्साधिकारी अथवा कर्मचारियों के नाम और संपर्क नंबर भी प्रदर्शित नहीं किए गए हैं।

समाजसेवी जोखन प्रसाद यादव और अमरकेश यादव ने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों से चिकित्सालय की व्यवस्था की जांच कराने तथा नियमित स्वास्थ्य सेवाएं सुनिश्चित करने की मांग की।

प्रदर्शन में अमरकेश यादव, जोखन यादव, जितेंद्र, गोपाल और अब्दुल गफ्फार सहित अन्य ग्रामीण मौजूद रहे। इस संबंध में होम्योपैथिक चिकित्सा अधिकारी, सोनभद्र ने कहा कि प्रकरण की जांच कराई जाएगी और जांच के आधार पर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

जन्माष्टमी विसर्जन जुलूस की सुरक्षा व्यवस्था का निरीक्षण

अपर पुलिस अधीक्षक ने दुद्धी में लिया जायजा, पुलिसकर्मियों को सतर्क रहने के निर्देश

समाज जागरण / अनिल कुमार अग्रहरी
दुद्धी, सोनभद्र। जन्माष्टमी विसर्जन जुलूस के दृष्टिगत अपर पुलिस अधीक्षक (ऑपरेशन) ऋषभ रुणवाल ने रविवार को थाना दुद्धी क्षेत्र में सुरक्षा एवं कानून-व्यवस्था का जायजा लिया। उन्होंने जुलूस के निर्धारित मार्ग और प्रमुख स्थलों का स्थलीय निरीक्षण कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

अपर पुलिस अधीक्षक ने पुलिस बल की तैनाती, भीड़ नियंत्रण और यातायात व्यवस्था की जानकारी ली। ड्यूटी पर तैनात पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों को पूरी सतर्कता और मुस्तैदी के साथ दायित्व निभाने के निर्देश दिए गए।

उन्होंने श्रद्धालुओं की सुरक्षा तथा यातायात व्यवस्था सुचारु बनाए रखने पर विशेष जोर दिया। संबंधित अधिकारियों को जुलूस मार्ग पर लगातार निगरानी रखने और किसी भी अप्रिय स्थिति की सूचना मिलते ही तत्काल आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि विसर्जन जुलूस को शांतिपूर्ण एवं व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए सुरक्षा व्यवस्था पर लगातार निगरानी रखी जा रही है।

अरझट में 13 वर्षीय किशोर की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत

पलाश के पेड़ से लटका मिला शव, आत्महत्या के कारणों की जांच में जुटी पुलिस

जिला ब्यूरो प्रमुख / समाज जागरण
सोनभद्र। बभनी थाना क्षेत्र के अरझट गांव में शनिवार को 13 वर्षीय किशोर बादल की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। उसका शव घर से करीब 150 मीटर दूर पलाश के पेड़ से लटका मिला। परिजनों के अनुसार किशोर ने फांसी लगाकर जान दी। घटना से परिवार में कोहराम मच गया।

जानकारी के अनुसार, बादल के माता-पिता चपकी स्थित अपनी मिठाई की दुकान पर थे। दोपहर करीब दो बजे बादल घर से निकला था। करीब चार बजे उसके चाचा मदन खेत में खाद डालने जा रहे थे, तभी उन्होंने पेड़ से लटका शव देखा। उन्होंने तत्काल इसकी सूचना बादल के पिता को दी।

बादल अपने माता-पिता का इकलौता बेटा था। उसकी तीन बहनें हैं। वह आदित्य इंटरमीडिएट कॉलेज, करमघट्टी में कक्षा आठ का छात्र था। घटना की जानकारी मिलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर जुट गए।

सूचना पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लिया और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। प्रभारी निरीक्षक अरविंद कुमार सरोज ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। किशोर की मौत के कारणों का अभी पता नहीं चल सका है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के बाद स्थिति स्पष्ट होगी।

विस्फोटक पदार्थ के गोदाम का पुलिस ने किया निरीक्षण

अग्नि सुरक्षा और आपातकालीन प्रबंधों की जांच, लापरवाही न बरतने के निर्देश

समाज जागरण / अनिल कुमार अग्रहरी
सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा के निर्देशन में क्षेत्राधिकारी नगर रणधीर मिश्रा ने रविवार को अग्निशमन दल के साथ रॉबट्र्सगंज क्षेत्र स्थित विस्फोटक पदार्थ के गोदाम का निरीक्षण किया। इस दौरान गोदाम में सुरक्षा और अग्निशमन व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया। निरीक्षण के दौरान विस्फोटक पदार्थों के सुरक्षित भंडारण, अग्निशमन उपकरणों की उपलब्धता एवं कार्यशीलता तथा आपातकालीन स्थिति में बचाव की तैयारियों की जांच की गई। अधिकारियों ने संबंधित कर्मचारियों से सुरक्षा व्यवस्था की जानकारी भी ली।

क्षेत्राधिकारी ने गोदाम परिसर में निर्धारित अग्निशमन एवं सुरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन करने, सुरक्षा उपकरणों के समुचित रखरखाव और आपात स्थिति में त्वरित बचाव व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि सुरक्षा व्यवस्था में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए।

10 लाख की स्मैक के साथ सिलीगुड़ी का तस्कर गिरफ्तार

वीरेंद्र चौहान, समाज जागरण ब्यूरो किशनगंज।

अवैध मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ किशनगंज पुलिस के विशेष अभियान में बड़ी सफलता मिली है। एएनटीएफ और किशनगंज थाना पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में 42.83 ग्राम स्मैक (हेरोइन) के साथ पश्चिम बंगाल के सिलीगुड़ी निवासी एक युवक को गिरफ्तार किया गया है। बरामद मादक पदार्थ की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब 10 लाख रुपये आंकी गई है। पुलिस ने उसके पास से एक मोबाइल फोन भी बरामद किया है।

पुलिस के अनुसार, 5 सितंबर 2026 को गुप्त सूचना मिली थी कि एक व्यक्ति पश्चिम बंगाल के मलद्वार से अवैध मादक पदार्थ खरीदकर कैलटेक्स चौक, किशनगंज होते हुए सिलीगुड़ी जाने वाला है। सूचना के सत्यापन एवं आवश्यक कार्रवाई के लिए पुलिस अधीक्षक संतोष कुमार के निर्देशन में एसडीपीओ-2 मनोज कुमार सिंह के नेतृत्व में एएनटीएफ टीम एवं किशनगंज थाना पुलिस ने कैलटेक्स चौक पर चेकिंग अभियान शुरू किया।

इसी दौरान एमजीएम अस्पताल की ओर से एक संदिग्ध युवक आता दिखाई दिया। पुलिस की कार्रवाई को देखकर वह तेजी से फेरिंगोला की ओर जाने लगा। संदेह होने पर पुलिस बल ने उसे रोक लिया और विधिवत तलाशी ली। तलाशी के दौरान उसके पास से 42.83 ग्राम स्मैक जैसा मादक पदार्थ बरामद हुआ।

पूछताछ में गिरफ्तार युवक की पहचान सुजित पासवान (26 वर्ष), पिता राम सुकीत पासवान, निवासी सूर्यजेशॉन कॉलोनी, ब्लॉक डी, नॉकाघाटी मोड़, थाना माटीगाड़ा, जिला सिलीगुड़ी (पश्चिम बंगाल) के रूप में हुई।

पुलिस गिरफ्तार तस्कर से पूछताछ के आधार पर मादक पदार्थ की आपूर्ति से जुड़े अन्य लोगों की पहचान और पूरे नेटवर्क का पता लगाने में जुटी है। बरामद स्मैक के बैकवर्ड और फॉरवर्ड लिंकेज की भी जांच की जा रही है। पुलिस के अनुसार, तस्करी से जुड़े अपराधियों द्वारा अर्जित अवैध संपत्ति का पता लगाकर नियमानुसार जब्ती की कार्रवाई भी की जाएगी।

इस संबंध में किशनगंज थाना कांड संख्या 988/26, दिनांक 5 सितंबर 2026, धारा 8(c)/21(b) एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर अग्रतर कार्रवाई की जा रही है।

कार्रवाई में एसडीपीओ-2 मनोज कुमार सिंह, एएनटीएफ प्रभारी राजू कुमार, जिला आसूचना इकाई प्रभारी मो. मुश्ताक, किशनगंज थानाध्यक्ष मुकेश कुमार सहित एएनटीएफ एवं किशनगंज थाना के पुलिस पदाधिकारी और जवान शामिल रहे।

पुलिस ने कहा कि अवैध मादक पदार्थों के खिलाफ विशेष अभियान लगातार जारी रहेगा। पुलिस ने आम लोगों से मादक पदार्थों की तस्करी से संबंधित किसी भी सूचना की जानकारी एएनटीएफ हेल्पलाइन नंबर 9031816150 पर देने की अपील की है। सूचना देने वाले व्यक्ति की पहचान पूरी तरह गोपनीय रखी जाएगी।

कुटुंबा थाना मोड़ से 262 लीटर देशी शराब बरामद, दो तस्कर गिरफ्तार

समाज जागरण अनील कुमार संवाददाता नबीनगर (औरंगाबाद)

औरंगाबाद जिले के कुटुंबा थाना क्षेत्र के थाना मोड़ के पास पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए भारी मात्रा में देशी शराब बरामद की है। वाहन जांच के दौरान पुलिस ने एक टेम्पो एवं एक मोटरसाइकिल से कुल 262.3 लीटर टनाका और टंच देशी शराब बरामद किया है।इस मामले में पुलिस ने दो तस्करों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार तस्कर की पहचान राहुल कुमार, उम्र 23 वर्ष, पिता - बीरेन्द्र शर्मा, ग्राम - रघुनाथपुर, थाना - नबीनगर और दीपक कुमार, उम्र 28 वर्ष, पिता - जितेंद्र प्रसाद, पता - नगरपालिका क्वार्टर नंबर 19, वार्ड नं. 27, थाना डेहरी, जिला - रोहतास के रूप में हुई है।पुलिस ने दोनों वाहनों को जब्त कर लिया है और मामले में प्राथमिकी दर्ज कर दोनों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है

दाढ़ी बनाकर घर लौट रहे सेवानिवृत्त शिक्षक को मारी गोली, हालत गंभीर

बिना नंबर की बाइक से पहुंचे हेलमेटधारी हमलावर ने सीने में दागीं दो गोलियां, सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही पुलिस

पंकज कुमार पाठक,समाज जागरण

पदमा। पदमा थाना क्षेत्र के परतन सूर्यपुरा में रविवार सुबह एक सेवानिवृत्त शिक्षक को गोली मार दिए जाने की घटना से इलाके में सनसनी फैल गई।

सूर्यपुरा मेडिकल चौक के समीप हुई इस वारदात में सेवानिवृत्त शिक्षक रामदेव प्रसाद महथा, पिता स्व. बोधराज महतो, गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद हमलावर मौके से फरार हो गया।

मिली जानकारी के अनुसार, रामदेव प्रसाद महथा रविवार सुबह करीब पौने नौ बजे सूर्यपुरा मेडिकल चौक के समीप दाढ़ी बनवाने गए थे। दाढ़ी बनवाने के बाद वह पैदल अपने घर लौट रहे थे। इसी दौरान पीछे से बिना नंबर की स्प्लेंडर बाइक पर सवार हेलमेट पहने एक युवक उनके पास पहुंचा और कथित तौर पर दो गोलियां चला दीं। वारदात को अंजाम देने के बाद हमलावर बाइक से फरार हो गया।

बताया जाता है कि दोनों गोलियां उनके सीने के समीप सटाकर चलाई गईं। एक गोली शरीर को पार कर गई, जबकि दूसरी गोली अंदर फंस गई। गंभीर हालत में उन्हें तत्काल शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल, हजारीबाग ले जाया गया। चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद उनकी नाजुक स्थिति को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए रिम्स, रांची रेफर कर दिया। वहीं, जानकारी के अनुसार शरीर में फंसी गोली को स्थानीय निजी चिकित्सक द्वारा निकाले जाने की बात सामने आई है।

घटना की जानकारी मिलते ही पदमा ओपी प्रभारी श्रवण कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण करते हुए जांच शुरू की। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाल रही है, ताकि हमलावर की पहचान की जा सके। आरोपी की गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर छापेमारी भी की जा रही है।

घटना के बाद क्षेत्र में दहशत का माहौल है। फिलहाल गोलीकांड के पीछे की वजह स्पष्ट नहीं हो सकी है। पुलिस का कहना है कि जांच पूरी होने और आरोपी की गिरफ्तारी के बाद ही घटना के कारणों एवं हमलावर की पहचान के संबंध में स्पष्ट जानकारी सामने आ सकेगी।

नबीनगर: यूजीसी एक्ट एवं आरक्षण के विरोध में सवर्ण समाज ने निकाली आक्रोश रैली

समाज जागरण अनील कुमार संवाददाता नबीनगर (औरंगाबाद)

नबीनगर (बिहार)यूजीसी एक्ट एवं आरक्षण के विरोध में सवर्ण समाज द्वारा रविवार को नबीनगर में विशाल आक्रोश रैली निकाली गई।रैली की शुरूआत अनुग्रह नारायण स्टेडियम से हुई, जो बस स्टैंड, न्यू एरिया,मंगल बाजार , शनिचर बाजार, दास मोहल्ला,जनकपुर पोखरा, टंडवा रोड, पुनपुन छठ घाट,थाना रोड होते हुए बसन बीघा मोड़ तक चला।आक्रोश मार्च में लोगो द्वारा "यूजीसी वापस लो"...."जय श्री राम"...,"जय भवानी"....."एस सी /एस टी एक्ट में सुधार"... आदि नारे लगाए जा रहे थे।इसके पूर्व वक्ताओं ने कहा कि यूजीसी का नया एक्ट सवर्ण समाज के छात्रों के साथ भेदभाव करने वाला है। सरकार से इस एक्ट को वापस लेने की मांग की। वक्ताओं ने कहा कि यूजीसी एक्ट और आरक्षण का सीधा असर लाखों विद्यार्थियों, शोधार्थियों और शिक्षकों पर पड़ता है। शिक्षा नीति की सफलता इससे तय होनी चाहिए कि उससे विद्यार्थियों का भविष्य कितना सुरक्षित हुआ।रैली में बड़ी संख्या में युवा और समाज से जुड़े लोग शामिल रहे।

गिरिडीह पहुंचकर विधायक सविता महतो एवं दशरथ गागराई ने दिवंगत मंत्री सुदिव्य कुमार को दी श्रद्धांजलि

समाज जागरण

झारखंड सरकार के मंत्री सुदिव्य कुमार के आकस्मिक निधन की खबर से शोक की लहर है। रविवार को ईचागढ़ की विधायक सविता महतो एवं खरसांवा के विधायक दशरथ गागराई गिरिडीह स्थित उनके आवास पहुंचीं और दिवंगत मंत्री के पार्थिव शरीर पर श्रद्धासुमन अर्पित कर उन्हें नमन किया। उन्होंने शोकाकुल परिजनों से मुलाकात कर अपनी संवेदना व्यक्त की। इस दौरान विधायक सविता महतो ने कहा कि सुदिव्य कुमार का आकस्मिक निधन झारखंड की राजनीति और समाज के लिए अपूरणीय क्षति है। उन्होंने एक कर्मठ जनप्रतिनिधि और समर्पित जनसेवक के रूप में अपनी अलग पहचान बनाई थी। उनके निधन से व्यक्तिगत रूप से भी गहरा दुख पहुंचा है। ईश्वर दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें और शोक संतप्त परिवार को इस कठिन समय में दुख सहने की शक्ति प्रदान करें। विधायक ने कहा कि सुदिव्य कुमार के जनसेवा के कार्यों और उनके योगदान को लंबे समय तक याद किया जाएगा। इस दुख की घड़ी में वे शोकाकुल परिवार के साथ खड़ी हैं। इसी दौरान गिरिडीह जाने के क्रम में मिलनचौक पर घाटशिला विधायक सोमेश सोरेन और झामुमो केंद्रीय कार्य कारणी सदस्य मोहन कर्मकार भी साथ गए और श्रद्धांजलि अर्पित किए। इस अवसर पर झामुमो केंद्रीय सदस्य काबलू महतो ने भी श्रद्धांजलि अर्पित किया।

झारखंड के मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू के आकस्मिक निधन से शोक की लहर

देर रात बिगड़ी तबीयत, गिरिडीह के मर्सी अस्पताल में इलाज के दौरान निधन; झामुमो और राजनीतिक जगत में शोक

समाज जागरण चांद कुमार लायेक, ब्यूरो चीफ पूर्वी सिंहभूम, जमशेदपुर

रांची। झारखंड की राजनीति के लिए रविवार की सुबह बेहद दुखद खबर लेकर आई। झारखंड सरकार के मंत्री एवं झारखंड मुक्ति मोर्चा के वरिष्ठ नेता सुदिव्य कुमार सोनू का आकस्मिक निधन हो गया। शनिवार देर रात उनकी तबीयत अचानक बिगड़ गई, जिसके बाद परिजन उन्हें तत्काल गिरिडीह स्थित मर्सी अस्पताल लेकर पहुंचे। इलाज के दौरान उन्होंने अंतिम सांस ली। उनके निधन की खबर मिलते ही पूरे झारखंड में शोक की लहर दौड़ गई।

सुदिव्य कुमार सोनू के असमय निधन की खबर सामने आते ही उनके समर्थकों, पार्टी कार्यकर्ताओं और शुभचिंतकों में गहरा दुःख व्याप्त हो गया। बड़ी संख्या में लोग अस्पताल और उनके आवास पर पहुंचकर श्रद्धांजलि अर्पित करने लगे। अचानक सामने आई इस दुखद खबर से गिरिडीह सहित पूरे प्रदेश का राजनीतिक और सामाजिक माहौल गमगीन हो गया।

सुदिव्य कुमार सोनू गिरिडीह सदर विधानसभा क्षेत्र से विधायक थे और झारखंड मुक्ति मोर्चा के वरिष्ठ नेताओं में उनकी गिनती होती थी। वह मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के करीबी सहयोगियों में भी माने जाते थे। वर्तमान सरकार में उनके पास उच्च एवं तकनीकी शिक्षा के साथ नगर विकास, आवास, पर्यटन, कला-संस्कृति तथा खेल एवं युवा मामलों से जुड़े महत्वपूर्ण दायित्व रहे।

राजनीतिक जीवन में सुदिव्य कुमार सोनू की सक्रियता लंबे समय से रही। वर्ष 2019 में पहली बार गिरिडीह विधानसभा सीट से निर्वाचित होने के बाद उन्होंने 2024 में भी अपनी सीट बरकरार रखी। झारखंड मुक्ति मोर्चा के संगठन को मजबूत करने के साथ ही वह जनता और युवाओं से जुड़े मुद्दों को लेकर सक्रिय रहे।

उनके निधन से झारखंड मुक्ति मोर्चा को बड़ा झटका लगा है। पार्टी ने उनके निधन पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए इसे संगठन और झारखंड के लिए अपूरणीय क्षति बताया। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने भी उनके निधन को व्यक्तिगत क्षति बताते हुए शोक व्यक्त किया और कहा कि सोनू के साथ उनका गहरा आत्मीय संबंध था।

सुदिव्य कुमार सोनू के निधन की खबर फैलते ही गिरिडीह में शोक व्यक्त करने वालों का तांता लग गया। अस्पताल परिसर और उनके आवास के आसपास समर्थकों, पार्टी कार्यकर्ताओं, जनप्रतिनिधियों और परिचितों की भीड़ जुट गई। विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं, सामाजिक कार्यकर्ताओं और आम लोगों ने उनके निधन पर गहरी संवेदना व्यक्त की।

उनके असमय निधन से झारखंड के राजनीतिक और सामाजिक जीवन में गहरा शून्य उत्पन्न हुआ है। पार्टी कार्यकर्ताओं और समर्थकों ने उनके सरल व्यवहार, सक्रिय राजनीतिक जीवन तथा संगठन के प्रति समर्पण को याद करते हुए भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। लोगों ने ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति तथा शोकाकुल परिवार को इस अपार दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की।

सुदिव्य कुमार सोनू का आकस्मिक निधन झारखंड के लिए बड़ी क्षति है। उनके राजनीतिक योगदान और जनसेवा से जुड़े कार्यों को लंबे समय तक याद किया जाएगा। उनके निधन से परिवार, पार्टी कार्यकर्ताओं, समर्थकों और प्रदेशवासियों में गहरा शोक व्याप्त है।

पटना के दानापुर में ऑनलाइन लूडो खेलने के विवाद में दोस्त ने मारी गोली

समाज जागरण पटना जिला संवाददाता:- वेद प्रकाश

पटना/ जिले के दानापुर थाना क्षेत्र में शनिवार देर रात ऑनलाइन लूडो खेलने के विवाद को लेकर एक खौफनाक मामला सामने आया है। यहाँ मामूली सी बात पर एक दोस्त ने अपने ही जिगरी दोस्त को गोली मारकर गंभीर रूप से जख्मी कर दिया। इस घटना के बाद इलाके में सनसनी फैल गई है और लोगों के बीच तरह-तरह की चर्चाएं हो रही हैं।प्राप्त जानकारी के अनुसार, जख्मी युवक की पहचान दानापुर के मैनपुरा निवासी विजय राय के 18 वर्षीय पुत्र दुर्गेश कुमार के रूप में हुई है। घटना के तुरंत बाद परिजनों और स्थानीय लोगों की मदद से खून से लथपथ दुर्गेश को आनन-फानन में इलाज के लिए पटना मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल (पीएमएमसीएच) में भर्ती कराया गया, जहाँ डॉक्टरों की देखरेख में उसका इलाज जारी है। पुलिस से मिली शुरूआती जानकारी के मुताबिक, शनिवार की देर रात दुर्गेश और उसका दोस्त साथ बैठकर ऑनलाइन लूडो खेल रहे थे। खेल के दौरान ही किसी बात को लेकर दोनों के बीच कहासुनी और तीखी नोंकझोक शुरू हो गई। विवाद इतना बढ़ गया कि गुस्से में आकर आरोपी दोस्त ने अचानक पिस्तौल निकाली और दुर्गेश के पेट में गोली मार दी। गोली लगते ही दुर्गेश जमीन पर गिर गया, और मौका पाकर आरोपी दोस्त पिस्तौल लहराते हुए घटनास्थल से फरार हो गया। घटना की सूचना मिलते ही दानापुर थाना पुलिस हरकत में आ गई और तुरंत अस्पताल पहुंचकर जख्मी युवक का बयान दर्ज किया। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि जख्मी दुर्गेश के बयान के आधार पर संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस फिलहाल घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है ताकि आरोपी की पहचान और उसकी गतिविधियों का पुख्ता सुराग मिल सके। इसके साथ ही, फरार आरोपी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस की विशेष टीमें लगातार छापेमारी कर रही हैं। पुलिस का दावा है कि आरोपी को जल्द ही गिरफ्तार कर सलाखों के पीछे भेज दिया जाएगा।

पटना के दानापुर में स्वास्थ्य व्यवस्था की खुली पोल

एंबुलेंस न मिलने पर परिजन गोद में उठाकर ले गए मृतका का शव

समाज जागरण

पटना/ जिले के दानापुर में स्वास्थ्य और आपातकालीन सेवाओं के दावों की पोल खोलती एक बेहद दर्दनाक और संवेदनशील तस्वीर सामने आई है। महज आधे किलोमीटर की दूरी पर स्थित अनुमंडलीय अस्पताल होने के बावजूद बाढ़ के पानी में डूबी मृतका के परिजनों को एंबुलेंस या शव वाहन तक नसीब नहीं हुआ। मजबूरन परिजनों को पीपा पुल घाट से मृतका के शव को गोद में उठाकर पैदल ही अस्पताल पहुंचना पड़ा, जिसने पूरी प्रशासनिक व्यवस्था और मानवीय संवेदनाओं को झकझोर कर रख दिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, शाहपुर थाना क्षेत्र के दियारा इलाके के पतलापुर पंचायत स्थित हवासपुर गांव में शनिवार को बाढ़ के पानी में डूबने से बंटी यादव की पत्नी संगीता देवी की मौत हो गई थी। मृतका अपनी दादी के श्राद्ध कार्य में शामिल होने वहाँ गई थीं। परिजनों का आरोप है कि सूचना देने के बावजूद एसडीआरएफ टीम और अंचल प्रशासन ने शव की खोजबीन के लिए कोई पहल नहीं की, जिसके बाद स्थानीय लोगों ने खुद काफी मशक्कत के बाद शव को बरामद किया और किराए की नाव से पीपा पुल घाट तक लाए। घाट पर पहुंचने के बाद परिजनों ने शव के पोस्टमार्टम के लिए अनुमंडलीय अस्पताल भेजने हेतु लगातार आपातकालीन एंबुलेंस सेवा और अस्पताल प्रशासन को फोन किया। अस्पताल की दूरी बहुत कम होने के बावजूद कोई वाहन नहीं भेजा गया। शाम ढलने लगी और जब काफी इंतजार के बाद भी सरकारी सहायता नहीं मिली, तो बेबस परिजनों ने शव को खुद अपनी गोद में उठाया और पैदल ही अस्पताल के लिए निकल पड़े। पंसस प्रतिनिधि मुस्कान कुमार यादव और पूर्व जिला पार्षद ओम प्रकाश यादव ने इस घटना पर गहरा रोष व्यक्त करते हुए कहा कि दियारावासी पिछले पांच दिनों से बाढ़ से त्रस्त हैं, लेकिन प्रशासन की तरफ से कोई सुध नहीं ली जा रही। सुप्रीम कोर्ट और राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के नियमों के तहत मृत्यु के बाद भी व्यक्ति को गरिमापूर्ण व्यवहार और परिवहन का अधिकार प्राप्त है, जिसके बावजूद ऐसी लापरवाही बरती गई।

वहीं, इस मामले पर अस्पताल उपाधीक्षक डॉ. निभा मोहन ने सफाई देते हुए कहा कि उनके पास शव लाने के लिए कोई फोन नहीं आया था और अस्पताल में 102 एंबुलेंस की व्यवस्था नहीं है। उन्होंने बताया कि उस वक्त दो शवों का पोस्टमार्टम होने के बाद शव वाहन से उन्हें भिजवाया गया था।

नबीनगर थाना पुलिस ने माझियावा गांव से वारंटी को किया गिरफ्तार

समाज जागरण अनील कुमार संवाददाता नबीनगर (औरंगाबाद)

नबीनगर (बिहार)नबीनगर थाना क्षेत्र के मझीयावा गांव से पुलिस ने फरार चल रहे एक वारंटी को गिरफ्तार किया है।गिरफ्तार व्यक्ति की पहचान मझियावा गांव निवासी राजेंद्र भुइयां के रूप में की गई है।यह कार्रवाई नबीनगर एस आई जितेंद्र कुमार के नेतृत्व में की गई। थानाध्यक्ष मृत्युंजय कुमार उपाध्याय ने बताया कि अभियुक्त काफी दिनों से फरार चल रहा था उसपर न्यायालय से वारंट निर्गत था। गुप्त सूचना पर पुलिस ने वारंटी को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है।

पटना के मसौढ़ी में ग्रामीणों की सूझबूझ से टला बड़ा हादसा

बाढ़ के दबाव से धंसा बिहटा-सरमेरा एनएच-131जी, सड़क पर बना तीन फीट गहरा गड्ढा

समाज जागरण पटना जिला संवाददाता:- वेद प्रकाश

पटना/ जिले के मसौढ़ी अनुमंडल के पुनपुन थाना क्षेत्र में बाढ़ के पानी के दबाव ने बिहटा-सरमेरा एनएच-131जी की पोल खोलकर रख दी है। नेवां गांव के समीप शनिवार दोपहर फोरलेन सड़क का एक बड़ा हिस्सा अचानक धंस गया, जिससे सड़क पर करीब तीन फीट गहरा और पांच से सात फीट चौड़ा खतरनाक गड्ढा बन गया। गनीमत यह रही कि स्थानीय ग्रामीणों की सतर्कता और सूझबूझ के चलते एक बड़ा हादसा टल गया। घटना के वक्त सड़क पर तेज रफ्तार वाहनों की आवाजाही लगातार जारी थी। अचानक सड़क धंसने से बने 'मौत के गड्ढे' पर जब आसपास के ग्रामीणों की नजर पड़ी, तो उन्होंने बिना एक पल गंवाए मोर्चा संभाल लिया। ग्रामीणों ने दौड़कर वाहनों को खतरे वाली जगह से पहले ही रोक दिया। लोगों का कहना है कि यदि ग्रामीण समय रहते सूझबूझ का परिचय न देते, तो तेज रफ्तार वाहन सीधे गड्ढे में समा सकते थे और कोई बड़ी अनहोनी हो सकती थी।महत्वपूर्ण फोरलेन मार्ग पर हादसा होने के बावजूद जिम्मेदार महकमे की कार्यशैली बेहद लचर नजर आई। ग्रामीणों ने तत्काल पुलिस और संबंधित अधिकारियों को सूचना दी, लेकिन इसके काफी देर बाद एनएचएआई की टीम मौके पर पहुंची। इस बीच ग्रामीण खुद सड़क पर खड़े होकर वाहनों को नियंत्रित करते रहे। मौके पर मौजूद एनएचएआई कर्मियों ने खुद को अधिकारी बताने से इनकार कर दिया। बाद में मसौढ़ी एसडीओ धनराज कुमार के कड़े निर्देश के बाद प्रशासन और एनएचएआई हरकत में आए, जिसके बाद मरम्मत का कार्य शुरू हो सका। गड्ढे के आसपास बैरिकेडिंग कर वाहनों को बगल से गुजारा गया। सड़क धंसने के कारण फोरलेन की एक लेन प्रभावित हो गई, जिससे मौके पर करीब एक किलोमीटर तक ट्रकों और अन्य वाहनों की लंबी कतार लग गई। वाहन रेंग-रेंग कर आगे बढ़ते रहे। जानकारों के अनुसार, बाढ़ के पानी के लगातार दबाव और सड़क किनारे के ह्यूम पाइप में रिसाव के कारण सड़क का बेस कमजोर हो गया था, जिससे यह हादसा हुआ।

एनएच के प्रोजेक्ट मैनेजर कृष्ण मुरारी ने बताया कि पानी के दबाव और रिसाव से यह गड्ढा बना है और सोमवार तक इसे पूरी तरह दुरुस्त कर लिया जाएगा। फिलहाल यातायात पूरी तरह बाधित नहीं है, बल्कि बगल से सावधानीपूर्वक वाहनों का आवागमन कराया जा रहा है। इस घटना ने एक बार फिर प्रशासनिक तंत्र की पोल खोल दी है, जहाँ आपात स्थिति में भी सुस्ती साफ देखने को मिली।

पटना के पालीगंज में नहर में डूबने से 50 वर्षीय व्यक्ति की मौत

समाज जागरण पटना जिला संवाददाता:- वेद प्रकाश

पटना/ जिले के पालीगंज थाना क्षेत्र से एक दर्दनाक हादसा सामने आया है, जहाँ नहर में डूबने से एक 50 वर्षीय व्यक्ति की मौत हो गई। इस घटना के बाद से मृतक के परिवार में कोहराम मच गया है और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, मृत व्यक्ति की पहचान पालीगंज थाना क्षेत्र के गुल्लीटांड निवासी स्व. रामेश्वर चौहान के 50 वर्षीय पुत्र प्रयाग चौहान के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि प्रयाग चौहान किसी आवश्यक काम से लालगंज सेहरा गए हुए थे। काम निपटाने के बाद जब वे वापस अपने घर लौट रहे थे, उसी दौरान रास्ते में उनका पैर फिसल गया या किसी अन्य वजह से वे लालगंज सेहरा और गुल्लीटांड के बीच स्थित नहर में जा गिरे। हादसा जिस जगह पर हुआ, वह काफी सुनसान इलाका था। आसपास कोई व्यक्ति मौजूद न होने के कारण किसी की नजर उन पर नहीं पड़ सकी। जब तक स्थानीय ग्रामीणों की नजर नहर में डूबे शख्स पर पड़ी और लोग मदद के लिए आगे आते, तब तक बहुत देर हो चुकी थी और पानी में डूबने से प्रयाग चौहान की मौत हो चुकी थी। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय ग्रामीणों ने तुरंत इसकी जानकारी पालीगंज थाना पुलिस को दी। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए शव को नहर से बाहर निकाला और अपने कब्जे में लिया। इसके बाद आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी कर शव को पोस्टमार्टम के लिए अनुमंडलीय अस्पताल, पालीगंज भेज दिया गया है। पुलिस इस मामले में आगे की कार्रवाई कर रही है।

पटना के दानापुर में जहरीले सांप के काटने से वृद्ध महिला की मौत

समाज जागरण पटना जिला संवाददाता:- वेद प्रकाश

पटना/ जिले के दानापुर अंतर्गत शाहपुर थाना क्षेत्र के दियारा इलाके से एक बेहद दुखद खबर सामने आई है। यहाँ बाढ़ से प्रभावित माधोपुर गांव में सोते वक्त जहरीले सांप के काटने से एक 60 वर्षीय वृद्ध महिला की दर्दनाक मौत हो गई है। इस घटना के बाद से मृतका के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है और पूरे इलाके में शोक की लहर दौड़ गई है।मृतका की पहचान हेतनपुर पंचायत के माधोपुर निवासी स्व. अशोक सिंह की 60 वर्षीय पत्नी गायत्री देवी के रूप में की गई है। परिजनों ने जानकारी देते हुए बताया कि पूरा दियारा क्षेत्र इन दिनों बाढ़ के पानी से जलमग्न है। शनिवार की रात गायत्री देवी अपने घर में सो रही थीं, तभी बाढ़ के पानी के साथ बहकर एक जहरीला सांप उनके घर में आ गया और उन्हें डस लिया। परिजनों का दर्द झलक उठा कि यदि बाढ़ प्रभावित इस इलाके में रात के समय नाव की उचित व्यवस्था होती, तो समय रहते वृद्धा को अस्पताल पहुंचाया जा सकता था और उनकी जान बचाई जा सकती थी। लेकिन आवागमन के साधन न होने और समय पर इलाज न मिलने के कारण उनकी सांसें थम गईं। इस हृदय विदारक घटना की सूचना मिलते ही कई जनप्रतिनिधि और गणमान्य लोग मृतका के घर पहुंचे। पूर्व जिला पार्षद ओम प्रकाश यादव, जिला पार्षद प्रतिनिधि रंजीत कुमार यादव, पूर्व मुखिया कन्हाई राय और विकास कुमार ने पीड़ित परिवार से मिलकर गहरी संवेदना व्यक्त की और ढांढस बंधाया। वहीं, शाहपुर थानाध्यक्ष नवीन कुमार सिंह ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि सांप के काटने से महिला की मौत हुई है। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए शव को अपने कब्जे में लिया और अनुमंडलीय अस्पताल में पोस्टमार्टम कराने के बाद परिजनों को सौंप दिया है। प्रशासन इस आपदा की स्थिति में पीड़ित परिवार की हरसंभव मदद में जुटा है।

वो 5 भारतीय फूड्स जिनकी विदेशों में भी है खूब डिमांड

यहां आपको कई तरह के फूड मिलते हैं, जो अपने अनोखे स्वाद के लिए जाने जाते हैं. चलिए आज इस आर्टिकल में आपको भारत के ऐसे 5 फूड बताते हैं जिनकी डिमांड विदेशों में भी बढ़ रही है. भारत में आपको खाने के कई ऑप्शन मिल जाएंगे. भारत के हर कोने में आपके अलग-अलग स्वाद मिल जाएगा. गुजरात का ढोकला, हैदराबाद की बिरयानी से लेकर बिहार के लिट्टी-चोखे तकज्हर राज्य का अपना जायका है.

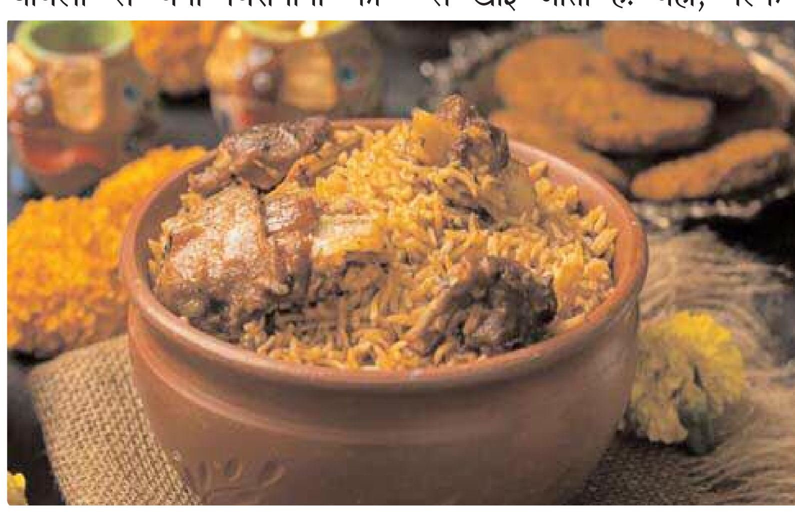

भारत में खाने के भी खूब शौकीन है. यहां चटपटा, मसालेदार और लजीज खाना खूब पसंद किया जाता है. समोसे लेकर जलेबी और बिरयानी का स्वाद हर किसी जुबान पर चढ़ा रहता है. भारत के कुछ फूड तो ऐसे हैं जिन्होंने विदेशों में भी अपनी पहचान बना ली हैं. चलिए जानते हैं ऐसे ही 5 भारतीय फूड्स के बारे में जिनकी विदेशों में भी खूब डिमांड है.

बटर चिकन की है खूब डिमांड

बटर चिकन भारत में खूब पसंद किया जाता है. लेकिन सिर्फ भारतीय ही नहीं बल्कि विदेशों में भी इसकी खूब डिमांड है. ये एक नॉर्थ इंडियन डिश है, जो क्रीमी और बटरी फ्लेवर की लिए जानी जाती है. इंग्लैंड और अमेरिका जैसे देशों में बटर चिकन काफी पसंद किया जाता है.

बिरयानी के भी है लोग दिवाने

लंबे-लंबे और खुशबूदार चावलों से बनी बिरयानी का स्वाद हर किसी को दीवाना बना देता है. भारत में हैदराबादी और मुरादाबादी बिरयानी बड़े शौक से खाई जाती है. वहीं, गल्फ देशों और यूरोप में भी बिरयानी के काफी शौकीन लोग हैं.

समोसा भी है लिस्ट में शामिल

समोसा भारतीय को फेवरेट स्ट्रीट फूड है. हर गली में आपको समोसा बिकता मिल जाएगा. शाम के नाश्ते में इसका स्वाद और बढ़ कर आता है. आलू, मटर और खड़े मसालों से भरा समोसा बेहद स्वादिष्ट लगता है. भारत के आलावा कनाडा, यूके और अमेरिका में भी समोसे की डिमांड अब बढ़ रही है.

मसाला चाय के शौकीन

भारत में तो चाय के बिना दिन ही अधूरा लगता है. कुछ लोगों की सुबह की शुरुआत ही चाय के साथ होती है. भारत में आपको कई तरह की चाय मिल जाएगी, जिसमें सबसे पॉपुलर है मसाला चाय. लेकिन सिर्फ भारत ही नहीं बल्कि कई देशों में मसाला चाय को पसंद किया जा रहा है. इसे चाय लाटे के नाम से जाना जा रहा है.

दाल और नान की भी बढ़ रही डिमांड

विदेशों में इंडियन रेस्टोरेंट्स में लोग दाल तड़का और गरमा-गरम नान को जरूर ऑर्डर करते हैं. ये कॉम्बो इंडियन कंफर्ट फूड की तरह ग्लोबल फेवरेट बन चुका है.

नकली पनीर खाने से शरीर में क्या होता है? ऐसे करें पहचान

पनीर को सिर्फ वेजिटेरियन ही नहीं बल्कि नॉन वेज खाने वाले भी खूब पसंद करते हैं. पनीर से बनी डिशेज भी काफी स्वादिष्ट लगती हैं. चाहे फिर पनीर भुर्जी हो , शाही पनीर है या फिर चिल्ली पनीर. स्वाद होने के साथ ही इसमें प्रोटीन की भी काफी अच्छी मात्रा पाई जाती है. मसल गेन करने वाले प्रोटीन इनटेक पूरा करने के लिए पनीर का सेवन करते हैं. प्रोटीन के अलावा पनीर कैल्शियम, गुड फैट और विटामिन का भी अच्छा सोर्स है. शादी-पार्टी से लेकर आम दिनों में भी पनीर का खूब खाया जाता है.

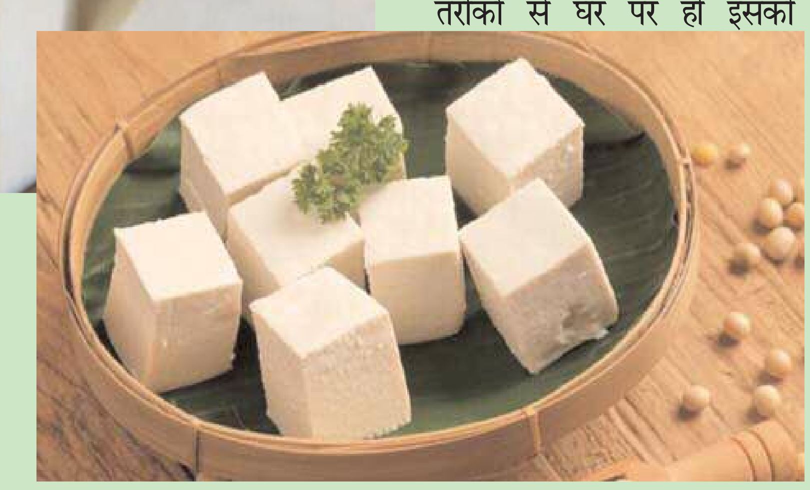

लेकिन आज कल मार्केट में नकली पनीर भी आने लगा है. इस पनीर को बनाने में स्टार्च और कई तरह के केमिकल का इस्तेमाल किया जाता है. ऐसे में सवाल ये बनता है कि अगर नकली पनीर खा लिया जाए तो इससे शरीर पर क्या असर पड़ता है. चलिए इस आर्टिकल में एक्सपर्ट से जानते हैं नकली पनीर सेहत को क्या नुकसान पहुंचा है और हम कैसे असली नकली पनीर की पहचान कर सकते हैं.

कैसे बनता है नकली पनीर?

नकली पनीर तैयार करने के लिए बेकिंग सोडा, पाम ऑयल, मैदा और डिटर्जेंट जैसी चीजों का इस्तेमाल किया जाता है. वहीं कुछ मिलावट खोर तो पनीर बनाने के लिए कोलतार डाई, यूरिया और सल्फ्यूरिक एसिड तक जैसे खतरनाक केमिकल का इस्तेमाल करते हैं, जो शरीर को नुकसान पहुंचा सकती हैं. इसको लेकर हमने सीनियर डाइटिशियन फरेहा शानेम से बातचीत की. उन्होंने नकली पनीर का सेवन करने के बाद होने वाले नुकसान के बारे में विस्तार से बताया है.

नकली पनीर खाने से शरीर में क्या होता है?

दिल्ली के गंगाराम हॉस्पिटल की सीनियर डाइटिशियन फरेहा शानेम बताती हैं कि, नकली पनीर खाने से शरीर को क्या नुकसान पहुंचाता है डिपेंड करता है कि पनीर में किस चीज की मिलावट की गई है. अगर पनीर में हार्मफुल केमिकल मिलाए गए हैं तो सबसे पहले इसका असर हमारे डाइजेशन पर पड़ता है. इससे पेट खराब हो सकता है, डायरिया होना, उल्टी होना और ब्लोटिंग जैसी समस्याएं हो सकती हैं. इसके अलावा फूड प्वाइजनिंग होने का भी खतरा रहता है.

अगर पनीर में स्टार्च या डिटर्जेंट की मिलावट की गई है, तो स्किन एलर्जी जैसी समस्याएं हो सकती हैं. स्टार्च होने की वजह से वेट गेन, डायबिटीज और हार्ट हेल्थ को नुकसान पहुंच सकता है. वहीं, डिटर्जेंट का यूज हमारे ऑर्गन जैसे किडनी, लीवर को खराब कर सकता है. यूरिया या कार्सिक सोडा जैसे केमिकल वाला पनीर खा लेते हैं तो कैंसर तक होने का खतरा बढ़ जाता है.

हालांकि, अगर आपने नकली पनीर 1-2 ही खाया है तो ये शरीर को नुकसान नहीं पहुंचाएगा. लेकिन अगर लंबे समय तक पनीर का सेवन किया जाए तो शरीर को नुकसान पहुंच सकता है.

कैसे करें नकली पनीर की पहचान?

नकली पनीर की पहचान करना भी आसान है. आप कुछ तरीकों से घर पर ही इसकी पहचान कर सकते हैं. चलिए बताते हैं नकली पनीर को पहचाने के तरीके-

फ्लेम टेस्ट- एक पनीर का टुकड़ा लें और उसे गैस की धीमी आंच पर रख दें. अगर पनीर जलते समय केरोसिन या प्लास्टिक जैसी गंध छोड़ रहा है तो ये नकली है. इस पनीर में डिटर्जेंट या साबुन की मिलावट की गई है.

टेक्सचर टेस्ट- अपने हाथ में पनीर का टुकड़ा लें और इसे हल्के से दबाएं. अगर पनी बहुत ज्यादा हार्ड या रबड़ जैसा फील हो रहा है तो ये नकली पनीर हो सकता है. क्योंकि असली पनीर सॉफ्ट होता है.

चख कर देखें- पनीर को टेस्ट करके भी आप असली और नकली की पहचान कर सकते हैं. खाने में अगर पनीर का स्वाद खट्टा, ज्यादा चबाने वाला या फिर साबुन जैसा लगे तो इसमें मिलावट हो सकती है.

वाटर इमर्शन टेस्ट- अगर पनीर में स्टार्च या सिंथेटिक की मिलावट की गई है तो इसकी पहचान आप वाटर इमर्शन टेस्ट करके कर सकते हैं. एक गिलास में गर्म पानी लें और उसमें पनीर का टुकड़ा डालें. अगर पनीर पानी में घुल जाता है या सफेद झाग निकलता है समझ जाएं की पनीर नकली है.